सच, सिर्फ सच **

वॉयस ऑफ लखनऊ

शुक्रवार, 04 सितम्बर, 2026 लखनऊ, महानगर, वर्ष 22, अंक 57, पेज 12, 3.50 रुपये

www.facebook.com/volepaper voiceoflucknow@gmail.com www.voiceoflucknow.com

सेंसेक्स में 417 अंकों की गिरावट

कच्चे तेल के दाम में तेजी से घरेलू शेयर बाजार में लगातार चौथे दिन सेंसेक्स 417 अंक टूटा जबकि एनएसई निफ्टी 41 अंक फिसल गया। } 10

यूक्रेन-रूस युद्ध खत्म करने में मदद को तैयार भारत

भारत ने कहा कि वह यूक्रेन-रूस युद्ध को खत्म करने के लिए किसी भी तरह की मदद करने को तैयार है। इससे पहले, विदेश मंत्री एस. जयशंकर के कीव में अपने यूक्रेनी समकक्ष आंद्री सिबिहा के साथ व्यापक बातचीत की। } 12

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की हार्दिक बधाई

भारत-बेल्जियम के बीच और मजबूत होंगे रिश्ते

प्रधानमंत्री मोदी व बेल्जियम के पीएम बार्ट डी वेवर के बीच कई मुद्दों पर बनी सहमति

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर, बेल्जियम के प्रधानमंत्री बार्ट डी वेवर 2 से लेकर 4 सितंबर तक भारत के आधिकारिक दौरे पर हैं। बेल्जियम के प्रधानमंत्री के साथ वहां के रक्षा और विदेश व्यापार मंत्री थियो फ्रैंकेन और अधिकारियों और बिजनेस लीडर्स का एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी मौजूद है।

फरवरी 2025 में पद संभालने के बाद यह प्रधानमंत्री डी वेवर का पहला भारत दौरा है। पीएम मोदी और बेल्जियम के प्रधानमंत्री के बीच द्विपक्षीय बैठक हुई। दोनों नेताओं ने पहले विश्व युद्ध के दौरान फ्लैंडर्स फील्ड्स में 9,000 से ज्यादा भारतीय सैनिकों के सबसे बड़े बलिदान को याद किया। दोनों नेताओं ने यह भी याद किया कि बेल्जियम 1947 में भारत के साथ राजनयिक संबंध बनाने वाले पहले यूरोपीय देशों में से एक था। उन्होंने कहा कि तब से यह पार्टनरशिप साझा लोकतांत्रिक मूल्यों, आपसी भरोसे, आर्थिक पूरकता और लोगों के बीच मजबूत संबंधों की नींव पर फली-फूली है। नेताओं ने इस कई तरह के संबंधों को बढ़ाने और गहरा करने की इच्छा जताई। 2027 में बेल्जियम-भारत राजनयिक संबंधों की 80वीं वर्षगांठ दोनों देशों को आपसी संबंधों को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का जश्न मनाने का एक और ऐतिहासिक मौका देगी। डायलॉग ने व्यापार और निवेश, ग्रीन ट्रांजिशन, तकनीक, संपर्क, रक्षा, सुरक्षा और लोगों के बीच संबंधों में सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए नियमित और व्यापक सिस्टम बनाया है। दोनों नेताओं ने संयुक्त राष्ट्र चार्टर को सेंटर में रखकर सुधार वाले और प्रभावी बहुपक्षवाद की अपनी बात दोहराई। इसके साथ ही उन्होंने खास तौर पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार की तुरंत जरूरत पर जोर दिया। बेल्जियम ने सुधार वाली और बड़ी यूएनएससी की स्थायी सदस्यता के लिए भारत की उम्मीदवारी को फिर से अपना समर्थन दिया। दोनों प्रधानमंत्रियों ने भारत-बेल्जियम संबंधों के लिए भारत-ईयू रणनीतिक साझेदारी की अहमियत की फिर से पुष्टि की। भारत और यूरोपीय संघ के बीच आर्थिक संबंधों को और मजबूत करने के मकसद से ईयू-भारत निवेश संरक्षण समझौता और भौगोलिक संकेत पर समझौते को लेकर बातचीत को जल्द से जल्द पूरा करने की मांग की गई। इसके साथ ही दोनों नेताओं ने इसे समय पर लागू करने ...शेष पृष्ठ 10 पर

संक्षेप

30 हजार कोडीनयुक्त सिरप की बोतलें बरामद चार लोग गिरफ्तार

बांदा। उत्तर प्रदेश के बांदा जिले में विशेष कार्यबल (एसटीएफ) और पुलिस ने बृहस्पतिवार को अवैध रूप से ले जाई जा रही कोडीनयुक्त सिरप की 30 हजार बोतलें बरामद कर चार लोगों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। बबेरू के पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) कृष्णकांत त्रिपाठी ने बताया कि सूचना के आधार पर एसटीएफ और बिसंडा थाना पुलिस ने एक संयुक्त अभियान के दौरान संदेह के आधार पर एक ट्रक को रोककर उसकी तलाशी ली। उन्होंने बताया कि ट्रक से 250 पेटियों में रखी 100 मिलीलीटर (मिली) की कोडीनयुक्त सिरप की 30 हजार बोतलें बरामद हुईं, जिनमें कुल 3,000 लीटर सिरप था। बरामद सिरप की कीमत करीब 6.45 लाख रुपये आंकी गई है। त्रिपाठी ने बताया कि इस मामले में ट्रक चालक के अलावा एक अन्य कार में सवार तीन अन्य लोगों को भी गिरफ्तार कर लिया गया।

राजस्व वादों में लापरवाही को लेकर चार तहसीलदार समेत 5 अफसर निलंबित

लखनऊ। प्रदेश के राजस्व न्यायालयों में लंबित वादों के निस्तारण में लापरवाही अब अधिकारियों पर भारी पड़ रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश के बाद राजस्व परिषद ने समयबद्ध तरीके से मामलों का निस्तारण न करने और कामकाज में शिथिलता बरतने के आरोप में चार तहसीलदार और एक नायब तहसीलदार समेत पांच अधिकारियों को निलंबित कर दिया है। इनके खिलाफ अनुशासनिक कार्रवाई की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। निलंबित अधिकारियों में तहसीलदार पवन कुमार सिंह, तहसीलदार अतुल हर्ष, तहसीलदार हरेराम यादव, तहसीलदार ...शेष पृष्ठ 10 पर

आस्था, सुशासन व रोजगार से बदली यूपी की तस्वीर : योगी

कानून का राज बना विकास की पहली शर्त, सीएम ने कैराना का दिया उदाहरण, 2017 से पहले नौकरी का विज्ञापन निकलते ही शुरू हो जाता था खेल

विशेष संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को कहा कि उत्तर प्रदेश ने पिछले वर्षों में अपनी चुनौतियों को अवसर में बदलते हुए विकास की नई दिशा तय की है। कभी बीमारू प्रदेश की छवि से देखा जाने वाला उत्तर प्रदेश आज कानून-व्यवस्था, इंफ्रास्ट्रक्चर, निवेश, रोजगार, कृषि, शिक्षा और धार्मिक पर्यटन के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार ने आस्था को अर्थव्यवस्था, स्थानीय उत्पादों को वैश्विक बाजार, शिक्षा को रोजगार और बेहतर कनेक्टिविटी को निवेश से जोड़ने का काम किया है।

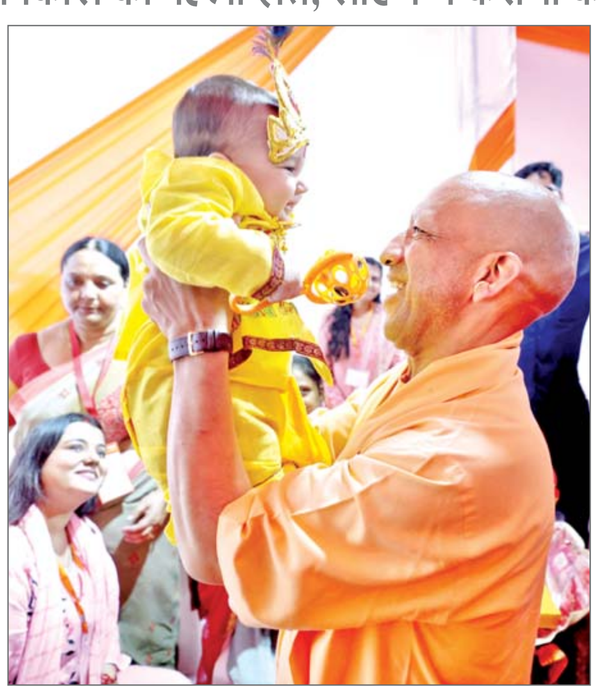

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार को मथुरा में एक निजी चैनल के कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने कानून-व्यवस्था, रोजगार, भर्ती व्यवस्था, शिक्षा, कृषि, गन्ना भुगतान, ओडीओपी, एमएसएमई, महिला स्वयं सहायता समूह, धार्मिक पर्यटन, निवेश, निर्यात, इंफ्रास्ट्रक्चर, एक्सप्रेसवे, मेट्रो, एयरपोर्ट, कांवड़ यात्रा और युवाओं के कौशल विकास जैसे मुद्दों पर चर्चा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की सबसे बड़ी ताकत उसकी युवा आबादी, उपजाऊ भूमि, विशाल बाजार, धार्मिक-सांस्कृतिक विरासत और उद्यमशीलता है। सरकार ने इन संसाधनों को एक साथ जोड़कर विकास का ऐसा मॉडल तैयार करने का प्रयास किया है, जिसका सीधा लाभ गांव, किसान, कारीगर, महिला स्वयं सहायता समूह, युवा और छोटे उद्यमियों तक पहुंचे। मुख्यमंत्री ने कहा कि रोजगार सरकार की प्रमुख उपलब्धियों में शामिल है इसलिए डबल इंजन सरकार ने यूपी में 9.5 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी दी। भर्ती प्रक्रिया ...शेष पृष्ठ 10 पर

विदेशी आक्रांताओं ने तोड़े मंदिर

मधुसूदन शर्मा

मथुरा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ब्रज की धरा से प्रदेशवासियों को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने गीता शोध संस्थान एवं रासलीला अकादमी वृंदावन में स्वामी श्री हरिदास प्रेक्षागृह समेत 1051 करोड़ की 229 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण/शिलान्यास किया। इसमें 540 करोड़ से अधिक की 62 परियोजनाओं का लोकार्पण, 437 करोड़ से अधिक लागत की 167 परियोजनाओं का शिलान्यास शामिल है। साथ ही आवास योजना के लाभार्थियों के खाते में 72 करोड़ से अधिक की धनराशि स्थानांतरित की गई। सीएम ने ब्रज, अयोध्या, काशी आदि का उदाहरण देते हुए कहा कि विदेशी आक्रांताओं ने भले ही मंदिरों को तोड़ा, लेकिन वे हमारी भक्ति को कभी नहीं डिगा पाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वामी हरिदास जी महाराज ने भक्ति को संगीत का स्वरूप दिया। संगीत को साधना बनाया और इसे समाज की चेतना से जोड़ा। उनकी साधना ने एक सम्राट को भी भक्ति रस के साथ जोड़ने का अद्भुत कार्य किया। महान संगीतज्ञ तानसेन स्वामी हरिदास जी के शिष्य थे। सीएम ने कहा कि हम लोगों ने लंबे समय तक विकास को केवल सड़क, बिजली, पानी, भवन और उद्योग के चश्मे से देखने की कोशिश की। विकास के नाम पर विरासत का अपमान होता रहा। इतिहास के ...शेष पृष्ठ 10 पर

सीएम ने बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों का किया सर्वेक्षण

जिला संवाददाता

फरुर्खाबाद। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बाढ़ का स्थायी समाधान कराने के लिए आश्वस्त करते हुए कहा कि मां गंगा के उफान से पानी का फैलाव हो रहा है। इससे फसल का काफी नुकसान हुआ। सरकार ने 9 वर्ष में सैकड़ों करोड़ की परियोजनाएं स्वीकृत... शेष पृष्ठ 10 पर

सरकार ने रक्षा कूटनीति का जारी किया खाका

रक्षा मंत्री राजनाथ ने व्यावहारिक दृष्टिकोण दस्तावेज का किया विमोचन

एजेंसी

नयी दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बृहस्पतिवार को रक्षा कूटनीति पर एक दस्तावेज का विमोचन किया। रक्षा नामक यह व्यापक दस्तावेज अगले 10 वर्षों में वैश्विक रक्षा साझेदारियों पर देश के रणनीतिक खाके और दृष्टिकोण की रूपरेखा प्रस्तुत करता है।

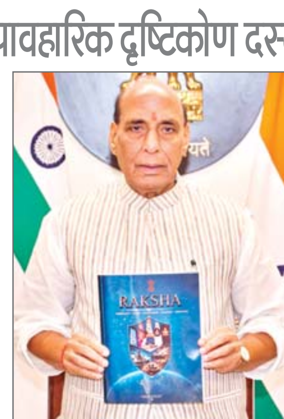

रक्षा मंत्रालय ने कहा रक्षा कूटनीति भारत की विदेश नीति का एक मुख्य स्तंभ है, इसलिए यह दस्तावेज अगले दशक के लिए एक स्पष्ट और व्यावहारिक दृष्टिकोण प्रदान करता है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि भारत बदलते वैश्विक परिदृश्य में शांति, स्थिरता और नियम-आधारित व्यवस्था का एक मजबूत स्तंभ बना रहे। मंत्रालय ने कहा कि यह दस्तावेज देश की रणनीतिक प्रतिबद्धता में एक बदलाव को दर्शाता है, जिसमें राष्ट्रीय सुरक्षा उद्देश्यों को सक्रिय वैश्विक सहयोग के साथ जोड़ा गया है। इससे दीर्घकालिक स्थिरता और पारस्परिक विकास को बढ़ावा मिलता है। सिंह ने नयी दिल्ली में रक्षा कूटनीति पर इस दस्तावेज का विमोचन किया। मंत्रालय ने एक बयान में कहा यह व्यापक दस्तावेज अगले 10 वर्षों में वैश्विक रक्षा साझेदारियों पर देश के रणनीतिक खाके और दृष्टिकोण की रूपरेखा प्रस्तुत करता है। रणनीतिक खाके में जिन प्रमुख स्तंभों को रेखांकित किया गया है, उनमें रणनीतिक साझेदारी, दक्षता विकास, स्वदेशी निर्यात और समुद्री सुरक्षा शामिल हैं। बयान में कहा गया कि रणनीतिक साझेदारी के तहत द्विपक्षीय और बहुपक्षीय सुरक्षा सहयोग को मजबूत करना है। दक्षता विकास के अंतर्गत संयुक्त सैन्य अभ्यासों और प्रशिक्षण कार्यक्रमों को बढ़ावा देना तथा मित्र देशों के साथ रक्षा के सर्वोत्तम तौर-तरीकों को ...शेष पृष्ठ 10 पर

स्पेशल टीईटी के लिए कल से शुरू होगा ऑनलाइन आवेदन

प्रयागराज/लखनऊ। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग द्वारा प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक स्तर पर कार्यरत विशेष शिक्षकों (सीडब्ल्यूएसएन) के लिए विशेष शिक्षक पात्रता परीक्षा (स्पेशल टीईटी) का विज्ञापन जारी कर दिया गया है। आयोग के अध्यक्ष डॉ. प्रशांत कुमार ने बताया कि शासन द्वारा दिए गए निर्देशों के क्रम में विशेष शिक्षक पात्रता परीक्षा के आयोजन की प्रक्रिया शुरू की गई है।

आयोग अध्यक्ष डॉ. प्रशांत कुमार ने बताया कि शासन द्वारा उच्चतम न्यायालय में पारित आदेश से बड़ी संख्या में शिक्षकों के प्रभावित होने के दृष्टिगत प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक स्तर पर कार्यरत शिक्षकों तथा विशेष शिक्षकों (सीडब्ल्यूएसएन) के लिए विशेष शिक्षक ...शेष पृष्ठ 10 पर

101 चयनित अभ्यर्थियों को धामी ने दिये नियुक्ति पत्र

सरकारी योजनाओं को धरातल तक पहुंचाएं नवनियुक्त युवा

प्रमुख संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि नियुक्ति के साथ ही कार्मिकों की जिम्मेदारियां भी बढ़ जाती हैं। उन्होंने नवनियुक्त युवाओं से कहा कि वे अपने पद को केवल रोजगार का माध्यम न मानें, बल्कि आमजन की सेवा और सरकारी योजनाओं को धरातल तक पहुंचाने के अवसर के रूप में लें।

उनकी कार्यशैली में संवेदनशीलता, ईमानदारी और जवाबदेही स्पष्ट रूप से दिखाई देनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने मुख्य सेवक सदन में आयोजित नियुक्ति पत्र वितरण समारोह में पशुपालन तथा गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग विभाग में चयनित 101 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। उन्होंने कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए युवाओं ने लंबे समय तक मेहनत की और धैर्य के साथ तैयारी की। नियुक्ति पत्र उसी संघर्ष और लगन की उपलब्धि है। उन्होंने सभी चयनित अभ्यर्थियों को उनके नए कार्यदायित्व के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि राज्य में सरकारी भर्ती व्यवस्था को लेकर युवाओं का विश्वास बनाए रखना सरकार की प्राथमिकता है। इसी उद्देश्य से चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। भर्ती परीक्षाओं में नकल और अनुचित साधनों पर प्रभावी रोक लगाने के लिए सख्त नकल विरोधी कानून लागू किया गया है। सरकार चाहती है कि सरकारी सेवाओं में वही युवा पहुंचें, जो अपनी क्षमता और परिश्रम के बल पर चयनित हों। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले पांच वर्षों में 34 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी सेवाओं में नियुक्तियां दी गई हैं। मुख्यमंत्री ने नवनियुक्त कार्मिकों को कहा कि सरकारी व्यवस्था का प्रभाव केवल कार्यालयों ...शेष पृष्ठ 10 पर

अवकाश की सूचना

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर 'वॉयस ऑफ लखनऊ' के सुधी पाठकों, विज्ञापन दाता व समाचार पत्र वितरक बंधुओं और प्रदेशवासियों को ढेरों शुभकामनाएं।

4 सितम्बर यानी शुक्रवार को वॉयस ऑफ लखनऊ कार्यालय बंद रहेगा। अगला अंक 6 सितम्बर रविवार को प्रकाशित होगा।

-संपादक

भीतर पढ़ें

- यूपीटीईटी के प्रत्यावेदन केवल ई-मेल से स्वीकार (पृष्ठ-02)
- विधि छात्रों ने विस अध्यक्ष से किया संवाद (पृष्ठ-02)
- वाहन कंपनियों को ईवी सब्सिडी होगी बंद (पृष्ठ-10)
- रुपया 14 पैसे की गिरावट से 94.59 प्रति डॉलर (पृष्ठ-10)
- सेवा क्षेत्र की गतिविधियों में वृद्धि जारी (पृष्ठ-10)

विशेष खबर बायोगैस संयंत्रों की स्थापना से लेकर रखरखाव और प्रशिक्षण तक की जिम्मेदारी संभालेंगे 1,000 विशेषज्ञों का नेटवर्क

यूपी में गोबर से बदलेगी गोशालाओं की अर्थव्यवस्था

विशेष संवाददाता

लखनऊ। अब गोशालाओं में गोबर की कीमत सिर्फ उसके निस्तारण तक नहीं, बल्कि उससे पैदा होने वाली ऊर्जा और कमाई से तय होगी। उत्तर प्रदेश में इस बदलाव की जिम्मेदारी 1,000 तकनीकी विशेषज्ञों के नेटवर्क को देने की तैयारी है। ये विशेषज्ञ प्रदेश की गोशालाओं में दीनबंधु बायोगैस संयंत्रों की स्थापना से लेकर संचालन, रखरखाव, प्रशिक्षण और निगरानी तक संभालेंगे। मकसद साफ है गोबर को कचरा नहीं, बल्कि ऊर्जा, जैविक खाद और ग्रामीण अर्थव्यवस्था का ईंधन बनाना। इसके लिए उत्तर प्रदेश गोसेवा आयोग और पार्टनर्स इन प्रॉसपेरिटी (पीएनपी) के बीच एमओयू किया गया है। इस तकनीकी सहयोग के तहत तैयार होने वाला यह नेटवर्क दीनबंधु मॉडल बायोगैस संयंत्रों को जमीन पर प्रभावी ढंग से संचालित करने में महत्वपूर्ण

भूमिका निभाएगा। इन तकनीकी कर्मियों की जिम्मेदारी केवल बायोगैस प्लांट लगाने तक सीमित नहीं होगी। वे गोशालाओं में संयंत्रों की स्थापना, संचालन, रखरखाव, तकनीकी प्रशिक्षण और फील्ड मॉनिटरिंग में सहयोग करेंगे।

इसका फायदा यह होगा कि किसी गोशाला में बायोगैस संयंत्र लगने के बाद तकनीकी समस्या आने पर स्थानीय स्तर पर ही विशेषज्ञ सहायता उपलब्ध हो सकेगी। इससे संयंत्रों के लंबे समय तक सुचारु संचालन की संभावना बढ़ेगी। समझौते की सबसे महत्वपूर्ण बात जमीनी स्तर पर तकनीकी तंत्र तैयार करना है। संस्था उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में 3,900 से अधिक दीनबंधु बायोगैस इकाइयों का निर्माण कर चुकी है। संस्था बायोगैस परियोजना विकास से लेकर तकनीकी डिजाइन, फीडस्टॉक एवं गोबर आकलन, संयंत्र निर्माण, संचालन एवं रखरखाव, लाभार्थियों के प्रशिक्षण और फील्ड मॉनिटरिंग तक पूरा तकनीकी सहयोग उपलब्ध कराएगी। नई पहल की अहमियत केवल गोबर से बायोगैस तैयार करने तक सीमित नहीं है। इसके जरिए बायोगैस, जैव-स्लरी, जैविक ...शेष पृष्ठ 10 पर

ड्यूटी से गायब रहने वाले 26 डॉक्टर बर्खास्त, नौ पर विभागीय कार्रवाई

विशेष संवाददाता

लखनऊ। सरकारी अस्पतालों में ड्यूटी से लगातार गैरहाजिर रहने और चिकित्सीय जिम्मेदारियों में लापरवाही करने वाले 26 डॉक्टरों पर बड़ी कार्रवाई हुई है। स्वास्थ्य विभाग ने विभागीय प्रक्रिया पूरी करने के बाद इन चिकित्सकों की सेवाएं समाप्त कर दी हैं।

डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने दिये सख्त कार्रवाई के निर्देश

वहीं, उच्चाधिकारियों के आदेशों की अवहेलना और चिकित्सीय कार्यों में लापरवाही के आरोप में नौ अन्य डॉक्टरों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। डिप्टी सीएम एवं स्वास्थ्य मंत्री ब्रजेश पाठक के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग ने लंबे समय से अनुपस्थित रहने और लापरवाही से जुड़े मामलों की समीक्षा की। इसके बाद यह कार्रवाई की गई। बर्खास्त डॉक्टर प्रदेश के अलग-अलग जिलों में तैनात थे। ब्रजेश पाठक ने कहा कि सरकारी अस्पतालों में तैनात डॉक्टरों की पहली जिम्मेदारी मरीजों को समय पर बेहतर और गुणवत्तापूर्ण इलाज उपलब्ध कराना है। ड्यूटी से गायब रहने या मरीजों के उपचार में लापरवाही किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को अस्पतालों में चिकित्सकों की उपस्थिति, ओपीडी-आईपीडी सेवाओं ...शेष पृष्ठ 10 पर

नौकरी से खिलवाड़ किया तो जेल भेजेंगे, संपत्ति भी जब्त करेंगे : सीएम

बिना भेदभाव युवाओं को मिल रही सरकारी नौकरी, निवेश से रोजगार के नये अवसर

विशेष संवाददाता (vol)

फर्रुखाबाद। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने युवाओं को सरकारी नौकरी में पारदर्शिता और निष्पक्षता का भरोसा दिलाते हुए कहा कि अब किसी भी युवा की नौकरी से खिलवाड़ नहीं किया जा सकता। यदि किसी ने नौकरी में गड़बड़ी या भ्रष्टाचार करने की कोशिश की तो उसे जेल भेजने के साथ उसकी संपत्ति भी जब्त की जाएगी।

उन्होंने कहा कि पहली बार प्रदेश के हर जनपद के युवाओं को बिना भेदभाव सरकारी नौकरी मिल रही है। फरुर्खाबाद के साथ भी किसी तरह का भेदभाव या अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में सरकारी नौकरियों के साथ एक जनपद-एक उत्पाद (ओडीओपी) और विभिन्न रोजगारपरक योजनाओं के माध्यम से युवाओं के लिए नए अवसर तैयार किए जा रहे हैं। कानून-व्यवस्था के बेहतर माहौल के चलते उत्तर प्रदेश को करीब 50 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इन निवेश प्रस्तावों के जमीन पर उतरने से युवाओं को रोजगार के साथ सम्मानजनक जीवन के अवसर मिलेंगे। उन्होंने पिछली सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि 2017 से पहले सैफई सिंडिकेट का नौकरी की व्यवस्था पर प्रभाव था और बड़ी संख्या में नौजवान रोजगार से वंचित रह जाते थे। अब व्यवस्था में पारदर्शिता लाई गई है और योग्य युवाओं को उनकी क्षमता के आधार पर अवसर मिल रहे हैं। सीएम योगी ने कहा कि प्रदेश सरकार युवाओं और बेटियों की शिक्षा व रोजगार के लिए कई योजनाएं चला रही है।

उद्योग लगाने के इच्छुक युवाओं के लिए मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वालों के लिए मुख्यमंत्री अभ्युदय कोचिंग और गरीब व निर्माण श्रमिकों के बच्चों के लिए अटल आवासीय विद्यालय संचालित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हर विकासखंड में कस्तूरबा गांधी विद्यालय अब 12वीं तक संचालित किए जा रहे हैं। बेटी के शिक्षित होने से केवल परिवार नहीं, बल्कि पूरा समाज स्वावलंबी बनता है। सरकार अब सीएम कंपोजिट विद्यालयों के माध्यम से कक्षा एक से 12वीं तक शिक्षा और स्किलिंग की सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में काम कर रही है। हर जनपद में लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल स्किलिंग एंड एम्प्लॉयमेंट जोन विकसित करने की कार्रवाई भी आगे बढ़ाई जा रही है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि 60 वर्ष से अधिक आयु की माताओं को परिवहन निगम की बसों में लोकमाता अहिल्याबाई निशुल्क यात्रा की सुविधा मिल रही है। वहीं स्नातक अंतिम वर्ष की 50 हजार मेधावी बेटियों को जल्द रानी लक्ष्मीबाई स्कूटी योजना के तहत स्कूटी दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने नवगठित उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम का जिक्र करते हुए कहा कि इससे 3.52 लाख से अधिक आउटसोर्स कर्मचारियों को लाभ मिलेगा।

अब आउटसोर्स कर्मियों के साथ भेदभाव और मनमानी नहीं चलेगी। उन्होंने कहा कि पहले कुछ कर्मचारियों को निर्धारित मानदेय का पूरा भुगतान नहीं मिलता था, लेकिन अब न्यूनतम 20 हजार रुपये मानदेय सुनिश्चित किया जाएगा और राशि सीधे कर्मचारी के बैंक खाते में पहुंचेगी। कर्मचारियों को स्वास्थ्य बीमा, ईपीएफ, दुर्घटना बीमा, बेटियों की शादी और बच्चों की उच्च शिक्षा के लिए भी सुरक्षा कवर दिया जाएगा। शिक्षकों, शिक्षणेत्तर कर्मचारियों, शिक्षामित्रों और अनुदेशकों को कैशलेस चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने की भी बात मुख्यमंत्री ने कही।

सीएम योगी ने कहा कि सरकार की जिम्मेदारी केवल योजनाएं बनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि संकट की घड़ी में गरीब और जरूरतमंद परिवारों के साथ खड़े रहना भी उसकी जिम्मेदारी है। बाढ़ प्रभावित परिवारों को जमीन का पट्टा और आवास जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि पहले आपदा में गरीब का घर जल जाने पर मामूली आर्थिक सहायता देकर उसे अपने हाल पर छोड़ दिया जाता था, लेकिन अब डबल इंजन सरकार प्रभावित परिवारों की पूरी जिम्मेदारी लेने के लिए प्रतिबद्ध है।

सीएम योगी ने उपहारों के माखन से भरी ब्रजवासियों की मटकी

- स्वामी हरिदास प्रेक्षागृह का किया लोकार्पण, संतों को सम्मानित भी किया
- सीएम ने बच्चों का कराया अन्नप्राशन, महिलाओं को दिए उपहार

मथुरा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जन्माष्टमी से एक दिन पहले विकास परियोजनाओं के उपहारों के माखन से ब्रजवासियों की मटकी भर दी, जो स्थानीय नागरिकों के जीवन में खुशियों की बहार लेकर आई। मुख्यमंत्री ने स्वामी हरिदास प्रेक्षागृह का लोकार्पण किया। यहां संतों को सम्मानित भी किया। साथ ही उन्हें सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ प्रदान किया।

सीएम ने विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने आयोजन से पहले एक लाभार्थी को ट्रैक्टर की चाबी भी प्रदान की। मुख्यमंत्री आवास योजना का लाभ पाने वाले सपेरा संवर्ग के लाभार्थियों समेत जनप्रतिनिधियों, संतों, उप्र ब्रज तीर्थ विकास परिषद के पदाधिकारियों, स्वयं सहायता समूह की महिलाओं आदि ने मुख्यमंत्री को स्मृति चिह्न प्रदान किया।

मुख्यमंत्री ने 1980 बैच की आईएएस (सेवानिवृत्त) आराधना जौहरी की पुस्तक का विमोचन किया। सीएम ने उन्हें भी बधाई दी।

मुख्यमंत्री ने नन्हे-मुन्नों को गोद में लेकर दुलारा-पुचकारा। चंदन लगाया, गुड़िया व खिलौने दिए। सीएम ने बच्चों का अन्नप्राशन करते हुए उन्हें खीर भी खिलाई। सीएम ने मातृशक्ति को उपहार व फलों की टोकरी भी दी। मुख्यमंत्री ने स्वामी हरिदास प्रेक्षागृह का लोकार्पण किया। यहां मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, सांसद/फिल्म अभिनेत्री हेमामालिनी आदि ने फोटो भी खिंचवाई। इस दौरान प्रेक्षागृह के निर्माण, विकास से जुड़ी लघु फिल्म भी दिखाई गई। इससे पहले उन्होंने मंत्रोच्चार करने वाले बटुकों से भी परिचय प्राप्त किया। मुख्यमंत्री ने संतों को माल्यार्पण, फल, अंगवस्त्र आदि देकर सम्मानित भी किया। मंच पर हनुमान प्रसाद धानुका विद्यालय, वृंदावन की छात्राओं ने राष्ट्रगीत भी प्रस्तुत किया। 51 कलाकारों ने शिवोअहं प्रोडक्शन की ओर से भारत के विभिन्न राज्यों की नृत्य शैली के माध्यम से भगवान श्रीकृष्ण के विभिन्न स्वरूपों व भावों को प्रस्तुत किया। इसकी कोरियोग्राफर बीएचयू वाराणसी की कथक नृत्यांगना शिवानी मिश्रा थीं। मुख्यमंत्री ने यहां विभिन्न विभागों की तरफ से लगाए गए स्टॉलों का भी अवलोकन किया। योजनाओं की प्रगति के साथ ही महिलाओं समेत विभिन्न सामग्रियों, वस्त्रों, उत्पादों को तैयार करने वालों से कार्यों आदि के बारे में जानकारी ली।

महिला स्वयंसेवी समूहों की महिलाओं ने भी अपने कार्यों से सीएम को अवगत कराया। सीएम योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 (शहरी) व मुख्यमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत 7240 लाभार्थियों में सहायता राशि का वितरण किया। इस दौरान उन्होंने मंच पर विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र, प्रमाण पत्र, चेक-चाबी आदि प्रदान किया।

स्पेशल टीईटी में शिक्षामित्रों को शामिल करने की मांग

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। बेसिक शिक्षा विभाग उत्तर प्रदेश द्वारा जारी 'विशेष अध्यापक पात्रता परीक्षा (स्पेशल टीईटी)' की कार्ययोजना में विशेष शिक्षकों/एजुकेटर्स को तो शामिल किया गया है, लेकिन दो दशकों से अधिक समय से शिक्षण कार्य कर रहे शिक्षामित्रों को इस परीक्षा से पूरी तरह वंचित रखा गया है।

इसको लेकर उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षामित्र संघ के प्रदेश अध्यक्ष शिव कुमार शुक्ला के द्वारा अपर मुख्य सचिव, बेसिक शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश शासन को एक पत्र प्रेषित किया गया है। संघ ने मांग की है कि स्पेशल टीईटी की नियमावली में आवश्यक संशोधन कर शिक्षा मित्रों को भी इसमें अनिवार्य रूप से सम्मिलित किया जाए।

प्रदेश संगठन मंत्री कौशल कुमार सिंह ने कहा कि शिक्षामित्र पिछले लगभग 25 वर्षों से विद्यालयों में बच्चों के पठन-पाठन और शैक्षिक गतिविधियों में रीढ़ की हड्डी की भूमिका निभाई है? यदि उन्हें इस परीक्षा में अवसर नहीं मिला, तो वे अपनी पूर्ण योग्यता हासिल करने और भविष्य को सुरक्षित करने से वंचित रह जायेंगे। अध्यापकों के साथ शिक्षामित्र को भी परीक्षा में सम्मिलित किया जाना चाहिए। उच्चतम न्यायालय के आदेशों के अनुपालन में शिक्षकों के लिए स्पेशल टीईटी आयोजित करने का सरकार का निर्णय स्वागत योग्य है, किंतु इतने लंबे समय से सेवा दे रहे शिक्षामित्रों को उपेक्षा किसी भी स्थिति में न्यायसंगत नहीं है। संघठन की मांग है कि स्पेशल टीईटी की कार्ययोजना एवं नियमावली में संशोधन किया जाए ताकि प्रदेश के लाखों शिक्षामित्रों को भी इसका लाभ मिल सके।

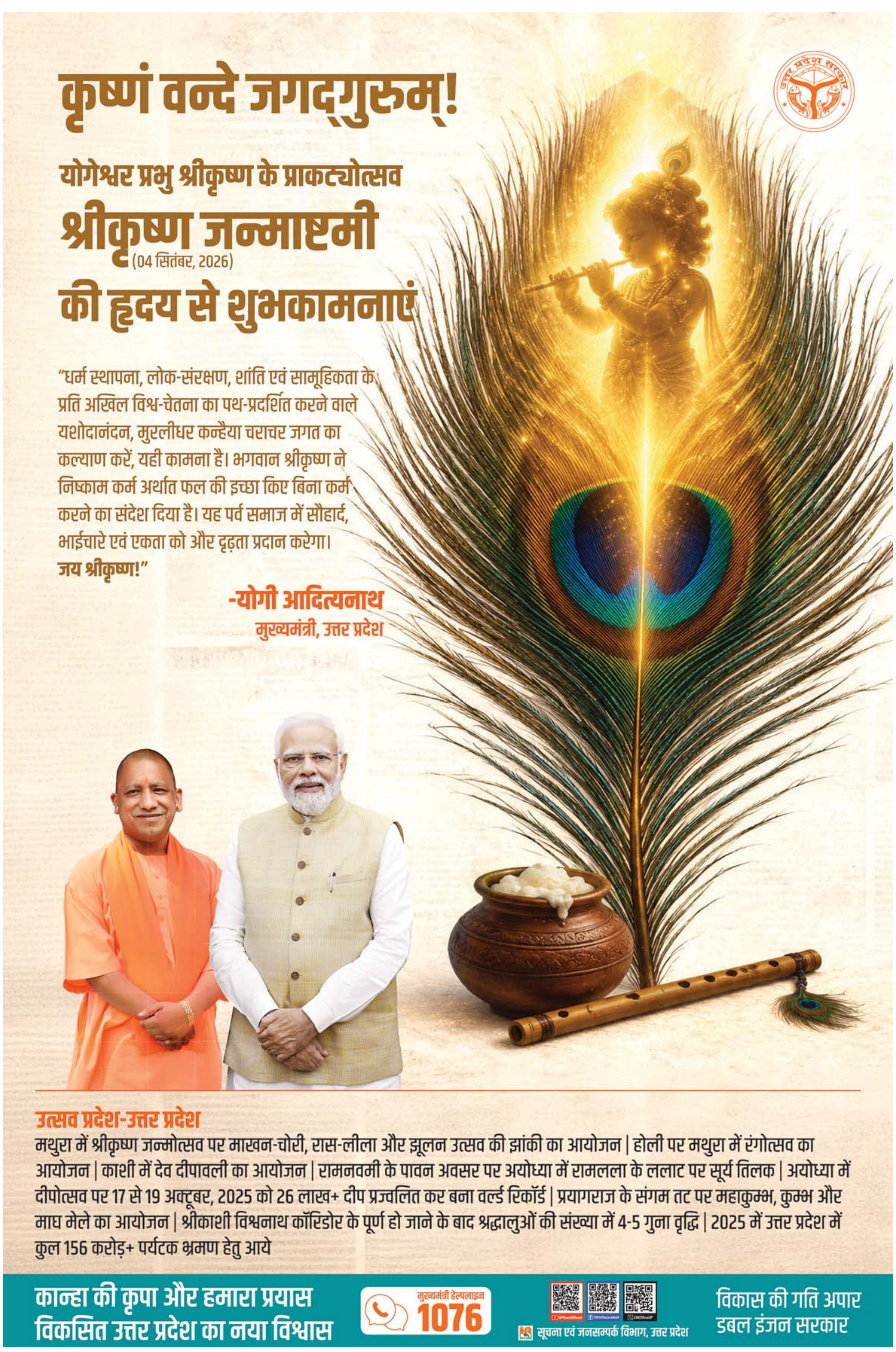

आवाज उठाने वालों को घरों में कैद कर रही सरकार

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ/मथुरा। मथुरा आगमन पर कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने गुरुवार को कांग्रेस प्रवक्ता कुंवर सिंह निषाद के आवास पहुंचकर उनसे और उनके परिजनों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने कुंवर सिंह निषाद की माता को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया तथा पूरे प्रकरण पर कहा कि पूरी कांग्रेस पार्टी आपके सम्मान में खड़ी है।

अजय राय ने सरकार पर तानाशाही का आरोप लगाते हुए कहा कि कुंवर सिंह निषाद को पुलिस द्वारा उनके ही घर में नजरबंद किया जाना उत्तर प्रदेश सरकार की कार्यशैली और लोकतंत्र के प्रति उसकी सोच को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में लोकतंत्र और संविधान द्वारा प्रदत्त अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर लगातार हमला किया जा रहा है। किसी व्यक्ति को उसके घर में पुलिस लगाकर रोक देना लोकतांत्रिक व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करता है। अजय राय ने कहा कि यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि कांग्रेस प्रवक्ता कुंवर सिंह निषाद द्वारा उनके साथ हुए कथित दुर्व्यवहार और उनकी माताजी के प्रति की गई कथित अभद्र टिप्पणी के संबंध में कार्रवाई की मांग की जा रही है लेकिन कार्रवाई की मांग करने वाले व्यक्ति को ही पुलिस के माध्यम से नियंत्रित करने का प्रयास किया जा रहा है।

उन्होंने आरोप लगाया कि महंत राजू दास द्वारा लाइव टीवी डिबेट के दौरान कुंवर सिंह निषाद एवं उनकी माताजी के प्रति कथित रूप से अभद्र भाषा का प्रयोग किया गया। उन्होंने इस पूरे मामले में निष्पक्ष और त्वरित कानूनी कार्रवाई कर राजू दास को जेल भेजने की मांग की। इस अवसर पर कांग्रेस प्रवक्ता कुंवर सिंह निषाद ने प्रदेश अध्यक्ष अजय राय का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा अन्याय और उत्पीड़न के खिलाफ खड़ी रही है। उन्होंने कहा कि यह लड़ाई केवल उनके व्यक्तिगत सम्मान की नहीं, बल्कि हर उस व्यक्ति की लड़ाई है जिसकी आवाज को दबाने का प्रयास किया जाता है।

ओबीसी युवाओं को डिजिटल ताकत दे रही योगी सरकार

लखनऊ। रोजगार की बदलती जरूरतों के बीच उत्तर प्रदेश सरकार आर्थिक रूप से कमजोर ओबीसी युवाओं को तकनीकी रूप से सक्षम बनाने पर जोर दे रही है। पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग की निशुल्क ओ-लेवल एवं सीसीसी कंप्यूटर प्रशिक्षण योजना के तहत इस वर्ष 31,602 युवक-युवतियां तकनीकी प्रशिक्षण हासिल कर रहे हैं। सरकार का दावा है कि योजना के जरिए युवाओं को डिजिटल ज्ञान के साथ रोजगारपरक कौशल उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है। वित्तीय वर्ष 2026-27 में योजना के लिए सरकार ने 40 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। इस वर्ष प्रशिक्षण के लिए 70 हजार से अधिक आवेदन प्राप्त हुए थे।

यूपीटीईटी के परिणाम से संबंधित प्रत्यावेदन अब केवल ई-मेल से होंगे स्वीकार

विशेष संवाददाता (vol)

- 10 सितंबर तक अभ्यर्थी आयोग के ई-मेल पर भेज सकेंगे अपना प्रत्यावेदन, कार्यालय में ऑफलाइन प्रत्यावेदन नहीं होंगे स्वीकार

प्रयागराज/ लखनऊ। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग द्वारा शिक्षक पात्रता परीक्षा (यूपीटीईटी-2026) के 26 अगस्त को घोषित परिणाम के संबंध में अभ्यर्थियों द्वारा अपने आपत्तियों के लिए प्रस्तुत किए जा रहे प्रत्यावेदनों के संबंध में महत्वपूर्ण सूचना जारी की गई है। आयोग के अध्यक्ष डॉ. प्रशांत कुमार ने बताया कि इच्छुक अभ्यर्थी अब अपना प्रत्यावेदन आयोग के ई-मेल upesscprayagraj@gmail.com पर भेज सकते हैं।

आयोग के अध्यक्ष डॉ. प्रशांत कुमार ने बताया कि यूपीटीईटी-2026 के घोषित परिणाम के बाद अपने अनुतोष के संबंध में प्रत्यावेदन प्रस्तुत करने के इच्छुक अभ्यर्थी अपना प्रत्यावेदन 10 सितंबर तक आयोग के ई-मेल पते पर अनिवार्य रूप से उपलब्ध करा दें।

उन्होंने स्पष्ट किया कि आज से आयोग कार्यालय में इस संबंध में ऑफलाइन माध्यम से कोई भी प्रत्यावेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा। अभ्यर्थियों को अपने प्रत्यावेदन निर्धारित अंतिम तिथि तक केवल ई-मेल के माध्यम से ही भेजने होंगे। आयोग ने अभ्यर्थियों से अपील की है कि वे निर्धारित प्रक्रिया का पालन करते हुए अपने प्रत्यावेदन समयसीमा के भीतर उपलब्ध कराएं, ताकि प्राप्त प्रत्यावेदनों पर नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही की जा सके।

विधि छात्रों ने विधानसभा अध्यक्ष से किया संवाद

विशेष संवाददाता (vol)

- विधानसभा, विधान परिषद और समितियों की कार्यप्रणाली को करीब से समझा

लखनऊ। रामा यूनिवर्सिटी, कानपुर के विधि संकाय के विद्यार्थियों ने शैक्षिक भ्रमण के तहत उत्तर प्रदेश विधानसभा का दौरा किया। इस दौरान विद्यार्थियों ने विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना से शिष्टाचार भेंट की और संसदीय व्यवस्था, विधायी प्रक्रिया तथा सदन की कार्यप्रणाली से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से संवाद किया।

उन्होंने विद्यार्थियों को विधानसभा और विधानपरिषद के बीच अंतर समझाते हुए विधानमंडल की दोनों संस्थाओं की भूमिका के बारे में बताया। साथ ही विधेयकों के निर्माण और पारित होने की प्रक्रिया, सदन में चर्चा तथा जनप्रतिनिधियों की जिम्मेदारियों से जुड़े विषयों पर भी विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया।

विधानसभा अध्यक्ष ने विद्यार्थियों को बताया कि विधानसभा केवल सदन में होने वाली बहस और कानून बनाने तक सीमित संस्था नहीं है, बल्कि यह जनता की आकांक्षाओं और समस्याओं को सरकार तक पहुंचाने तथा उन पर चर्चा का महत्वपूर्ण मंच है। उन्होंने विधानसभा की भूमिका और उसके कामकाज की जानकारी देते हुए बताया कि किस प्रकार जनप्रतिनिधि अपने क्षेत्रों से जुड़े मुद्दों को सदन में उठाते हैं। उन्होंने समझाया कि सदन की समितियां विभिन्न विषयों और सरकारी कार्यों की गहन समीक्षा करती हैं तथा संसदीय व्यवस्था को प्रभावी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। विद्यार्थियों ने समितियों के गठन, उनके कामकाज और रिपोर्ट तैयार करने की प्रक्रिया को लेकर भी जानकारी प्राप्त की। इस दौरान विद्यार्थियों ने विधानसभा भवन का भ्रमण किया और सदन की कार्यवाही तथा विधायी प्रक्रिया को नजदीक से समझा। विद्यार्थियों ने विधानसभा अध्यक्ष से अपनी जिज्ञासाएं साझा करते हुए संसदीय व्यवस्था से जुड़े सवाल भी पूछे। विद्यार्थियों ने कहा कि पुस्तकों में पढ़ी गई संवैधानिक और विधायी व्यवस्थाओं को विधानसभा में प्रत्यक्ष रूप से समझने का अवसर उनके लिए बेहद उपयोगी रहा।

भाजपा सकार ने खेती-किसानी चौपट की : अखिलेश यादव

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने गुरुवार को जारी किये बयान में कहा है कि भाजपा ने राजनीतिक फायदे के लिए संपन्न पश्चिमी उत्तर प्रदेश में साम्प्रदायिकता व जातिगत विभाजन पैदा करके सिस्टेमेटिक तरीके से अर्थव्यवस्था पर चोट की है। भाजपा सरकार ने खेती-किसानी, उद्योग चौपट कर दिया। हैंडीक्राफ्ट-एक्सपोर्ट बर्बाद कर दिया। सरकारी नौकरी में भर्ती नहीं हो रही है। खेल को प्रोत्साहन नहीं मिल रहा है। शिक्षा छीनी जा रही हैं। कला के वैकल्पिक व्यवसाय पर 18 राउंड गोली मारी जा रही है। श्रमिक असंतोष को बढ़ने दिया ताकि कारखाने खत्म हो जाए। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में किसानों पर अत्याचार हो रहा है। किसानी की जमीन को छीनने का प्रयास हो रहा है। जीएसटी के भ्रष्टाचार से छोटे व्यापारियों को मारा जा रहा है। खिलाड़ियों का अपमान हो रहा है।

दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण पर सख्ती

मुख्य सचिव ने कार्रवाई के दिए निर्देश, पराली प्रबंधन और रोड डस्ट पर विशेष फोकस

लखनऊ। दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण को लेकर मुख्य सचिव एस.पी. गोयल ने संबंधित विभागों और एनसीआर जिलों के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। उन्होंने वायु गुणवत्ता सुधार के सभी उपायों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए समयबद्ध और परिणामपरक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने गाजियाबाद और मेरठ नगर निगम तथा नोएडा और ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण को मासिक प्रगति रिपोर्ट समय से अपलोड करने के निर्देश दिए। उन्होंने थर्मल पावर प्लांटों में 5 प्रतिशत बायोमास पेलेट्स की को-फायरिंग अनिवार्य रूप से सुनिश्चित कराने को कहा। रोड डस्ट पर नियंत्रण के लिए मैकेनिकल रोड स्वीपिंग मशीनों की खरीद प्रक्रिया तेज करने और लंबित टेंडर तत्काल पूरा कर वर्क ऑर्डर जारी करने के निर्देश दिए गए। इन मशीनों में लाइव ट्रैकिंग की सुविधा और इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर से कनेक्टिविटी अनिवार्य होगी।

मुख्य सचिव ने कहा कि मानसून के बाद 15 सितंबर से एनसीआर के सभी शहरों में व्यापक सफाई अभियान चलाया जाए। साथ ही सड़कों के गड्ढों और क्षतिग्रस्त फुटपाथों की मरम्मत के लिए विशेष अभियान चलाने को कहा। धान की पराली के वैज्ञानिक एवं समयबद्ध प्रबंधन पर भी विशेष जोर दिया गया।

किसानों को उपलब्ध वैकल्पिक व्यवस्थाओं का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए। इसके अलावा ईवी सिटी बसों की खरीद, चार्जिंग स्टेशन के विकास और प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों के खिलाफ कार्रवाई तेज करने को कहा गया। मुख्य सचिव ने स्पष्ट किया कि प्रदूषण नियंत्रण के उपायों में किसी भी स्तर पर शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

राज्य कृषि विकास योजना में 286.46 करोड़ की परियोजनाएं मंजूर

लखनऊ। मुख्य सचिव एस.पी. गोयल की अध्यक्षता में राज्य कृषि विकास योजना की राज्य स्तरीय स्वीकृति समिति की बैठक हुई। इसमें कुल 286.46 करोड़ रुपये की परियोजनाओं को मंजूरी दी गई। इनमें पूर्व वर्षों की लंबित परियोजनाओं को पूरा करने के लिए 101.13 करोड़ और वित्तीय वर्ष 2026-27 की नई परियोजनाओं के लिए 185.33 करोड़ रुपये शामिल हैं।

मुख्य सचिव ने सभी स्वीकृत परियोजनाओं को निर्धारित समय में पूरा कराने और वित्तीय वर्ष 2026-27 में जारी धनराशि का शत-प्रतिशत उपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने गुणवत्ता, वित्तीय अनुशासन और प्रभावी निगरानी पर जोर देते हुए योजनाओं का अधिकतम लाभ किसानों तक पहुंचाने को कहा। बैठक में राजकीय कृषि प्रक्षेत्रों के आधुनिकीकरण के लिए 60 करोड़ रुपये, बीज भंडारण गोदामों के निर्माण के लिए 17.28 करोड़ और सहकारिता विभाग की गोदाम परियोजनाओं के लिए 54.55 करोड़ रुपये मंजूर किए गए। कृषि प्रसार प्रशिक्षण, कृषक-वैज्ञानिक संवाद, औद्यानिक विकास, मत्स्य क्षेत्र, प्रयोगशालाओं और कृषि विश्वविद्यालयों की शोध एवं अवस्थापना परियोजनाओं को भी स्वीकृति मिली।

प्रमुख सचिव कृषि ने बताया कि वर्ष 2026-27 के लिए 500 करोड़ रुपये का आउट-ले अनुमोदित है, जबकि बजट में 200 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

विधानसभा के सामने धंसी सड़क इंदिरानगर में नाले में गिरी कार

विशेष संवाददाता (vol)

- तीन दिन की बारिश से कई इलाकों में सड़कें धंसीं
- अगले दो दिन भी बारिश के आसार

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में लगातार तीसरे दिन हो रही बारिश ने शहर की सड़कों और जलनिकासी व्यवस्था की पोल खोल दी है। गुरुवार को सुबह से कई इलाकों में रुक-रुककर बारिश होती रही। दिनभर में 8.7 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुसार अगले दो दिन भी बारिश का सिलसिला जारी रहने की संभावना है।

लगातार बारिश के चलते विधानसभा के गेट नंबर-5 के सामने सड़क धंसने से गड्ढा बन गया। बताया गया कि सीवर लाइन में लीकेज के कारण सड़क का एक हिस्सा बैठ गया। इसके बाद नगर निगम, जलकल विभाग और पीडब्ल्यूडी की टीम ने मौके पर पहुंचकर मरम्मत का काम शुरू कर दिया। वहीं चिनहट, इंदिरानगर, इस्माइलगंज और विकासनगर समेत कई इलाकों में सीवर के आसपास सड़कें 8 से 12 फीट तक धंसने की शिकायत सामने आई है। इंदिरानगर में लेखराज मेट्रो स्टेशन के पास सड़क धंसने से एक कार नाले में जा गिरी। इस्माइलगंज सेकेंड वार्ड की शंकरपुरी कॉलोनी में भी सड़क धंस गई। सुरक्षा के लिए मौके पर बांस लगाकर बोरी बांधी गई है। आंकड़ों के मुताबिक 2 सितंबर तक लखनऊ में 598.2 मिलीमीटर बारिश हो चुकी है, जबकि सामान्य बारिश 539.3 मिलीमीटर है। यानी अब तक 58.9 मिलीमीटर अधिक बारिश हुई है, जो सामान्य से करीब 11 फीसदी ज्यादा है।

दिल्ली जा रहे विमान की लखनऊ में इमरजेंसी लैंडिंग

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। वाराणसी से दिल्ली जा रहे एअर इंडिया एक्सप्रेस के एक विमान को कथित तौर पर विमान के कार्गो होल्ड में धुआं पहचानने वाला अलार्म बजने के बाद बृहस्पतिवार सुबह एहतियातन लखनऊ हवाई अड्डे पर उतारा गया। सूत्रों ने यह जानकारी दी।

हालांकि उन्होंने कहा कि लखनऊहवाई अड्डे पर शुरुआती जांच में विमान में धुएं या आग का कोई निशान नहीं मिला। विमान आईएक्स 1253 ने सुबह करीब आठ बजे वाराणसी हवाई अड्डे से उड़ान भरी और उड़ान भरने के तुरंत बाद कार्गो होल्ड में धुआं पहचानने वाला अलार्म सक्रिय हो गया, जिसके बाद पायलट ने लखनऊ हवाई यातायात नियंत्रक (एटीसी) से संपर्क किया और उतरने की अनुमति मांगी। सूत्रों ने बताया कि विमान सुबह करीब 8:52 बजे लखनऊहवाई अड्डे पर उतरा, जिसके बाद हवाई अड्डे की रिस्पांस टीम, दमकल कर्मी और तकनीकी विशेषज्ञ विमान के पास पहुंचे और सभी 155 यात्रियों और चालक दल के सदस्यों को सुबह करीब 9:02 बजे विमान से उतार दिया गया।

एअर इंडिया एक्सप्रेस के प्रवक्ता ने बताया कि वाराणसी-दिल्ली उड़ान के चालक दल ने तकनीकी समस्या का पता चलने के बाद यात्रियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए एहतियात के तौर पर विमान को लखनऊ की ओर मोड़ने का फैसला किया।

विमानन कंपनी ने बताया क विमान लखनऊहवाईअड्डे पर सुरक्षित उतरा और सभी यात्रियों को वहां पहुंचने पर जलपान कराया गया। यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने के लिए प्राथमिकता के आधार पर वैकल्पिक विमान की व्यवस्था की जा रही है।

सूत्रों ने बताया कि विमान को एक हैंगर में ले जाया गया, जहां शुरुआती जांच में विमान के अंदर धुआं या आग के कोई संकेत नहीं मिले। उन्होंने कहा कि धुआं चेतावनी प्रणाली सक्रिय होने के कारणों का पता लगाने के लिए जांच जारी है।

स्वाइन फ्लू की नौ नये मरीजों में पुष्टि

लखनऊ। राजधानी में स्वाइन फ्लू के मरीजों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। गुरुवार को नौ नये मरीजों में स्वाइन फ्लू की एच1एन1 की पुष्टि की गयी, इनमें से दो मरीजों की हालत बिगड़ने पर अस्पताल में भर्ती किया गया, जबकि सात मरीज होम आईसोलेशन में आराम करने की सलाह दी गयी है। डॉक्टरों के अनुसार सभी मरीज खतरे से बाहर हैं। गुरुवार को चार भर्ती मरीजों के स्वस्थ होने के बाद उन्हें अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया। इस सीजन में स्वाइन फ्लू के एक्टिव केसों की संख्या 43 पहुंच गयी है। अस्पताल प्रशासन मरीजों की निगरानी कर रहे हैं। मुख्य चिकित्साधिकारी डा. एनबी सिंह के अनुसार फ्लू जैसे लक्षणों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। बुखार, खांसी, गले में खराश, शरीर में दर्द या सांस लेने में परेशानी होने पर समय से डाक्टर से सलाह लेना जरूरी है। हाल के दिनों में एच1एन1 के मामले लगातार सामने आ रहे हैं, इससे अस्पतालों में भी सतर्कता बढ़ाई गई है।

डिप्टी सीएम ने घूस के आरोप में डाक्टर को हटाया, ओटी अटेंडेंट बर्खास्त

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। बक्शी का तालाब (बीकेटी) स्थित राम सागर मिश्र हॉस्पिटल में छह हजार रुपये घूस न देने पर गर्भवती मरीज को ऑपरेशन थिएटर से बाहर निकाले जाने का मामला सामने आया है। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने मामले का संज्ञान लिया। आरोपी महिला डॉक्टर को अस्पताल से हटा दिया गया। जबकि ओटी अटेंडेंट को बर्खास्त कर दिया गया। मंडलीय सर्विलांस अधिकारी को जांच के आदेश दिए गए हैं। परिजनों ने वीडियो बनाकर उसे सोशल मीडिया में वायरल किया। वीडियो में पति ने आपबीती सुनाई। अस्पताल की बदइंतजामी को उजागर किया।

बीकेटी के भवानीपुर के रहने वाले लल्ला बुधवार की सुबह साढ़े आठ बजे अपनी गर्भवती पत्नी धर्मी को राम सागर मिश्र अस्पताल लेकर पहुंचे थे, जहां स्त्री रोग विशेषज्ञ डा. पूजा सिंह ने जांच की। उसके बाद आपरेशन से प्रसव कराने की सलाह दी। गर्भवती महिला को आपरेशन थिएटर में ले गए। फिर गर्भवती के पति को बुलाया। उनसे छह हजार रुपये जमा करने के लिए कहा। परिजनों ने रुपये देने में असमर्थता जताई।

पति का आरोप है कि ऑपरेशन टाल दिया गया। कुछ देर बाद गर्भवती को ओटी से बाहर कर दिया गया। सुबह तक पैसे का इंतजाम करने के लिए कहा। यदि पैसे का इंतजाम नहीं होता है तो मरीज को दूसरे अस्पताल रेफर कर दिया जाएगा। डाक्टरों से ऑपरेशन करने की गुजारिश की लेकिन उनकी सुनवाई नहीं हुई। इसके बाद पति ने वीडियो में अपनी पीड़ा बतायी। इस पर डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक के संज्ञान लिया और स्वास्थ्य विभाग के मंडलीय अपर निदेशक डा. जीपी गुप्ता को कठोर कार्रवाई के निर्देश दिये। साथ ही पूरे मामले की रिपोर्ट एक सप्ताह के भीतर तलब की है।

डिप्टी सीएम के निर्देश मिलने पर आरोपित स्त्री रोग विशेषज्ञ डा. पूजा सिंह को तत्काल राम सागर मिश्र अस्पताल से हटा दिया। उन्हें माल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया है। डा. शबा को अस्पताल में गायनी विभाग की जिम्मेदारी सौंपी गयी है। इस मामले की जांच मंडलीय सर्विलांस अधिकारी डा. उमेश सचान को सौंपी गई है। इसके अलावा ओटी अटेंडेंट देवेंद्र कुमार सिंह को बर्खास्त कर दिया गया है। कार्रवाई के बाद अस्पताल प्रशासन में हड़कंप मचा है।

जन्माष्टमी व गणेश चतुर्थी पर आज से 14 सितंबर तक फ्लैटों पर छूट

लखनऊ। राजधानी में अपना घर खरीदने का सपना देख रहे लोगों के लिए लखनऊ विकास प्राधिकरण त्योहारों के मौके पर खास ऑफर लेकर आया है। जन्माष्टमी और गणेश चतुर्थी के अवसर पर प्राधिकरण ने चुनिंदा अपार्टमेंट्स के फ्लैटों पर एक से दो लाख रुपये तक की विशेष छूट देने का फैसला किया है। फेस्टिव ऑफर 4 से 14 सितंबर 2026 तक यानी केवल 11 दिनों के लिए लागू रहेगा। एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने बताया कि त्योहारों के दौरान बड़ी संख्या में लोग नया घर खरीदना पसंद करते हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए पहले आओ-पहले पाओ योजना के तहत उपलब्ध चुनिंदा फ्लैटों पर यह विशेष छूट दी जा रही है। इच्छुक लोग छऊअ की वेबसाइट के माध्यम से निर्धारित अवधि में फ्लैट बुक कराकर ऑफर का लाभ उठा सकेंगे। ऑफर के तहत श्रवण अपार्टमेंट, सनराइज अपार्टमेंट (मृगशिरा), स्मृति अपार्टमेंट और पूर्वा अपार्टमेंट में उपलब्ध फ्लैटों को शामिल किया गया है।

चिकित्सा शिविर में 86 मरीजों को मिला उपचार

लखनऊ। मूलचंद रस्तोगी औषधालय ट्रस्ट एवं रस्तोगी स्वास्थ्य परामर्श केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में बृहस्पतिवार को नादान महल रोड स्थित औषधालय में सुबह 9 बजे से निशुल्क चिकित्सा शिविर में 86 मरीजों को उपचार मिला, इसमें सबसे ज्यादा मौसमी बीमारी से पीड़ित मरीज आये। शिविर में श्वास एवं दमा रोग के डा. विनय मिश्रा, स्त्री रोग की डा. अंशु माला रस्तोगी, फिजिशियन डा. रितु राज गुप्ता, आयुर्वेद के डा. मयंक शुक्ला, होम्योपैथी के डा. आरसी गुप्ता, फीजियोथेरेपिस्ट डा. दीपक मिश्रा एवं न्यूरोपैथी के डा. अश्वनी मौर्या ने परामर्श दिया। औषधालय के ट्रस्टी राकेश रस्तोगी ने बताया कि मूलचंद रस्तोगी औषधालय की स्थापना वर्ष 1918 में हुई थी। रस्तोगी स्वास्थ्य परामर्श केंद्र के संरक्षक हरी जीवन रस्तोगी, ट्रस्ट के राकेश, कपिल, मोहन एवं उमेश ने शिविर संचालन में सहयोग किया।

बलरामपुर अस्पताल में कार्डियोलॉजी की यूनिट शुरू करने की तैयारी

लखनऊ। बलरामपुर अस्पताल में कार्डियोलॉजी यूनिट शुरू करने की तैयारियां चल रही हैं। कार्डियोलॉजिस्ट की पुनर्नियुक्ति के बाद अस्पताल प्रशासन ने यह महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। अस्पताल में आठ साल पहले तक 25 बेड की कार्डियक यूनिट बनी थी। यहां पर तैनात कार्डियोलॉजिस्ट एक-एक करके रिटायर होने के बाद यूनिट बंद कर दी गयी थी। ओपीडी में हर दिन करीब 100 मरीज प्रतिदन आ रहे हैं। जिन्हें मेडिसिन यूनिट के डाक्टरों जरिये देखा जा रहा था। दिल की बीमारी गंभीर होने पर उन्हें लोहिया व केजीएमयू लारी रेफर किया जाता था। वर्ष 2023 में अस्पताल के इकलौते कार्डियोलॉजिस्ट के रिटायर होने के बाद यहां पर ओपीडी भी बंद हो गई थी। निदेशक डॉ. बीकेएस चौहान ने बताया कि अस्पताल में डा. प्रवीन की तैनाती पुनर्नियुक्ति कर दी गयी है।

अस्पताल पर अवैध वसूली का आरोप, जांच शुरू

लखनऊ। गुडंबा स्थित निजी अस्पताल पर इलाज के नाम पर वसूली के मामले की जांच होगी। सीएमओ ने मामले की जांच के आदेश दिए हैं। इस संबंध में अस्पताल को नोटिस जारी की गई है। मरीज के इलाज संबंधी सभी रिकार्ड तलब किए गए हैं। इलाज से जुड़े बिल भी मांगे गए हैं। जानकीपुरम गुडियापुरवा निवासी इंद्रेश कश्यप ने मां रामदर्शनी कश्यप 60 को बुखार व भूख न लगने की परेशानी पर पहले कुर्सी रोड स्थित निजी हॉस्पिल में भर्ती कराया था। वहां पर करीब एक हफ्ते तक मरीज भर्ती रही। इलाज के नाम पर 90 हजार रुपये वसूल लिए गए थे। बेटे ने दवा की ओवरडोज दिए जाने का आरोप लगाया। हालत गंभीर होने पर परिजनों ने कुर्सी रोडस्थित दूसरे निजी हॉस्पिटल में तीन जुलाई को भर्ती कराया था।

ओडिशा विधानसभा की स्टैंडिंग कमेटी ने विधानसभा अध्यक्ष से की भेंट

लखनऊ। ओडिशा विधानसभा की वर्ष 2026-27 की स्टैंडिंग कमेटी के अध्यक्ष बाबू सिंह के नेतृत्व में समिति के सदस्यों ने गुरुवार को उत्तर प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष सतीश महाना से भेंट की। इस दौरान दोनों राज्यों की विधानसभाओं की कार्यप्रणाली, संसदीय परंपराओं और विधायी समितियों की भूमिका को लेकर विचार-विमर्श हुआ।

ओडिशा विधानसभा की समिति में विधायक डॉ. ब्योमकेश राय, मानस कुमार दत्ता, सुनील कुमार महंती, नीलमाधव हिकाका सहित अन्य सदस्य शामिल हैं। समिति के साथ ओडिशा विधानसभा के डेस्क ऑफिसर ईश्वर चंद्र नायक तथा ओएसडी-कम-ज्वाइंट सेक्रेटरी (रिपोर्टिंग) निरंजन कर भी मौजूद रहे। भेंट के दौरान श्री महाना ने ओडिशा विधानसभा की समिति के सदस्यों का स्वागत किया और लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत बनाने में विधानमंडलीय समितियों की महत्वपूर्ण भूमिका पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि विधानसभाएं केवल कानून बनाने का मंच नहीं, बल्कि जनहित से जुड़े विषयों पर गंभीर मंथन और सरकार के कार्यों की समीक्षा का भी महत्वपूर्ण माध्यम हैं।

ओडिशा विधानसभा की समिति उत्तर प्रदेश के भ्रमण पर है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार समिति के सदस्य भुवनेश्वर से वाराणसी होते हुए लखनऊ पहुंचे और इसके बाद वाराणसी होते हुए भुवनेश्वर लौटेंगे। समिति के इस अध्ययन भ्रमण को दोनों राज्यों की विधायी व्यवस्थाओं और संसदीय कार्यप्रणाली को समझने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

अलीगंज में 04 कॉम्पलेक्स सील

लखनऊ। अलीगंज में आवासीय भू-उपयोग में बनी अवैध व्यावसायिक इमारतों के खिलाफ एलडीए ने लगातार तीसरे दिन भी अभियान चलाया। इस दौरान 04 अवैध कॉम्पलेक्स सील किये गये। वहीं, दुबग्गा व सुशांत गोल्फ सिटी में 11 अवैध प्लाटिंग व 01 व्यावसायिक कॉम्पलेक्स ध्वस्त किया गया। लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार की सख्ती के बाद हरकत में आयी प्रवर्तन टीम ने गुरूवार को ताबड़तोड़ कार्रवाई की। प्रवर्तन जोन-4 के जोनल अधिकारी अतुल कृष्ण सिंह ने बताया कि अलीगंज की चन्द्रलोक कालोनी के सेक्टर-ई, सेक्टर-एफ, सेक्टर-जे में कार्रवाई की गयी। जिसमें मोहम्मद सीफायत हुसैन, वंदना भार्गव एवं अभिनव भार्गव, ओम प्रकाश श्रीवास्तव, संदीप गुप्ता व अन्य की ओर से आवासीय भू-उपयोग में अवैध रूप से निर्मित की गयी 04 व्यावसायिक बिल्डिंगों को सील किया गया। जोनल अधिकारी ने बताया कि सील किये गये भवनों में शोरूम, दुकानें, हॉस्पिटल, आदि व्यावसायिक गतिविधियां संचालित थीं।

मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय बने यूपी में सेवा संकल्प अभियान के प्रभारी

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में 25 वर्षों की सेवा पूर्ण होने के अवसर पर योगी सरकार द्वारा प्रदेशभर में सेवा संकल्प अभियान का व्यापक आयोजन किया जाएगा। प्रधानमंत्री के जन्मदिवस 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर तक चलने वाले इस अभियान को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए उच्च शिक्षा मंत्री योगेन्द्र उपाध्याय को उत्तर प्रदेश का प्रभारी नियुक्त किया गया है। अभियान के अंतर्गत ग्राम पंचायत से लेकर जिला मुख्यालय और महानगरों तक विभिन्न जनसेवा, सामाजिक सरोकार तथा राष्ट्र निर्माण से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

अभियान का उद्देश्य प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 25 वर्षों के सार्वजनिक जीवन एवं जनसेवा के कार्यों से नागरिकों को अवगत कराने के साथ-साथ प्रत्येक नागरिक को विकसित भारत-2047 के सामूहिक राष्ट्रीय संकल्प से जोड़ना है। योगी सरकार की मंशा है कि अभियान का प्रभाव केवल जिला मुख्यालयों तक सीमित न रहे, बल्कि न्याय पंचायत, ग्राम पंचायत और शहरों के प्रत्येक क्षेत्र तक पहुंचे तथा व्यापक जनभागीदारी सुनिश्चित हो।

अभियान के प्रमुख कार्यक्रमों में आशीर्वाद का दीया, करोड़ बच्चों के सपनों का भारत, नमो सेवा गाथा, आंगन का उत्सव, कहानी बदलाव की, विकसित भारत संकल्प यात्रा, सेवा ज्योति यात्रा, वडनगर से वाराणसी यात्रा, सेवा मेरा योगदान, घर-घर से राष्ट्र तक रंगोली, इनोवेशन चैलेंज तथा जनसेवा महाकुंभ शामिल हैं। अभियान का शुभारंभ 17 सितम्बर को ग्राम पंचायत स्तर से लेकर शहरों तक आशीर्वाद का दीया कार्यक्रम के माध्यम से किया जाएगा। इस अवसर पर विभिन्न स्थानों पर जनभागीदारी के साथ कार्यक्रम आयोजित किए जायेंगे। इसके साथ ही दिव्यांगजनों के लिए कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरणों का वितरण भी किया जाएगा। इसी क्रम में 07 अक्टूबर को विकसित भारत संकल्प यात्रा का आयोजन किया जाएगा। प्रदेश के प्रत्येक जिले में यात्राएं निकाली जाएंगी, जिनमें नागरिकों को विकसित भारत के निर्माण में अपनी भूमिका निभाने के लिए सामूहिक संकल्प दिलाया जाएगा। विभिन्न स्थानों पर बड़ी स्क्रीन के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संबोधन का प्रसारण भी किया जाएगा।

सेवा मेरा योगदान कार्यक्रम के अंतर्गत स्वच्छता, वृक्षारोपण तथा घाटों, पार्कों, गौशालाओं आदि की सफाई एवं सौंदर्यीकरण के कार्य किए जाएंगे। इसके साथ ही रक्तदान शिविरों का आयोजन किया जाएगा। प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में आरोग्य मेलों का आयोजन कर नागरिकों को आवश्यक दवाओं के वितरण के साथ स्वास्थ्य परीक्षण एवं चिकित्सकीय परामर्श की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। नमो सेवा गाथा के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 25 वर्षों के सार्वजनिक जीवन, जनकल्याणकारी योजनाओं तथा इस अवधि में देश के विभिन्न क्षेत्रों में हुए बदलाव की कहानी जन-जन तक पहुंचाई जाएगी। वहीं बच्चों, युवाओं और नवाचार से जुड़े कार्यक्रमों के माध्यम से नई पीढ़ी को राष्ट्र निर्माण के संकल्प से जोड़ने पर भी विशेष जोर रहेगा।

शिक्षकों के लिए मुफ्त दुर्घटना बीमा

लखनऊ। शिक्षक दिवस के अवसर पर उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक (यूपीजीबी) ने शिक्षकों को बड़ा आर्थिक तोहफा दिया है। बैंक ने शिक्षकों के लिए शिक्षक विशेष यूपीजीबी सैलरी पैकेज की घोषणा की है। पैकेज में शिक्षकों को मुफ्त दुर्घटना एवं विकलांगता बीमा, जीवन बीमा और विभिन्न बैंकिंग सुविधाओं में छूट का लाभ मिलेगा। लखनऊ क्षेत्रीय कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में क्षेत्रीय प्रबंधक कौशल किशोर ने कहा कि बैंक का उद्देश्य केवल वेतन खाते उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि शिक्षकों के साथ दीर्घकालिक वित्तीय संबंध स्थापित करना है। पैकेज के तहत 1.10 करोड़ रुपये तक का दुर्घटना एवं विकलांगता बीमा पूरी तरह मुफ्त रहेगा 10 लाख रुपये का जीवन बीमा, होम, कार और पर्सनल लोन पर शून्य प्रोसेसिंग फीस रहेगी कार्यक्रम में शिक्षकों को सम्मानित भी किया गया। इस दौरान उप क्षेत्रीय प्रबंधक अखिलेश उपाध्याय, मुख्य प्रबंधक अभय कुमार सिंह, वरिष्ठ प्रबंधक शशि सिंह, मोहम्मद रऊफ, शिक्षक अजय सिंह और शाखा प्रबंधक निराजन आनंद समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

रामरथ श्रवण यात्रा निकली

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह की पहल पर ग्राम सरसवां, अर्जुनगंज मंडल से निकली 63वीं रामरथ श्रवण अयोध्या यात्रा श्रद्धा और भक्ति के बीच अयोध्या धाम के दर्शन के साथ संपन्न हुई। यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं ने प्रभु श्रीरामलला के दर्शन के साथ अयोध्या के प्रमुख मंदिरों और पवित्र तीर्थस्थलों में पूजा-अर्चना की।

डॉ. राजेश्वर सिंह के नेतृत्व में संचालित इस सेवा अभियान के तहत अब तक 8,800 से अधिक श्रद्धालु अयोध्या धाम पहुंचकर रामलला के दर्शन कर चुके हैं। यात्रा का उद्देश्य वरिष्ठ नागरिकों, मातृशक्ति और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को निःशुल्क अयोध्या धाम ले जाकर तीर्थ दर्शन कराना है।

रामरथ श्रवण अयोध्या यात्रा की शुरूआत 27 सितंबर 2022 को डॉ. राजेश्वर सिंह ने अपनी माताजी स्वर्गीय तारा सिंह की स्मृति में की थी। इसके बाद से यह अभियान लगातार जारी है। डॉ. राजेश्वर सिंह ने कहा कि रामरथ यात्रा का उद्देश्य केवल तीर्थ दर्शन कराना नहीं, बल्कि प्रभु श्रीराम के मयार्दा, त्याग, सेवा, कर्तव्य और राष्ट्रधर्म के आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाना भी है। 63वीं यात्रा के साथ यह अभियान 8,800 से अधिक श्रद्धालुओं तक पहुंचने का महत्वपूर्ण पड़ाव पार कर चुका है। आयोजकों के अनुसार, सरोजनीनगर में यह पहल अब धार्मिक आयोजन से आगे बढ़कर सेवा, संस्कार, बुजुर्ग सम्मान और सामाजिक समरसता का अभियान बन चुकी है।

अफजाल अंसारी की कोठी पर गृहकर-जलकर बकाया

लखनऊ। डालीबाग स्थित अफजाल अंसारी की कोठी पर करीब छह साल से गृहकर और जलकर-सीवर कर का भुगतान नहीं हुआ है। करीब 6,700 वर्गफीट में बनी यह संपत्ति दस्तावेजों में अफजाल अंसारी की पत्नी फरहत अंसारी के नाम दर्ज है। नगर निगम के रिकॉर्ड के मुताबिक वर्तमान में इस पर 56,130 रुपये गृहकर और 48,270 रुपये जलकर-सीवर कर, यानी कुल करीब 1.04 लाख रुपये बकाया है। तिलक मार्ग के पास प्लॉट नंबर 14बी पर स्थित इस कोठी का वार्षिक गृहकर 4,941 रुपये है। लंबे समय तक भुगतान नहीं होने के कारण 12 प्रतिशत सालाना ब्याज जुड़ता रहा और बकाया बढ़कर 56,130 रुपये हो गया। वहीं, जलकर-सीवर कर 4,118 रुपये सालाना है। इसमें 7,912 रुपये सरचार्ज जुड़ने के बाद कुल देनदारी 48,270 रुपये पहुंच गई। गाजीपुर के मुहम्मदाबाद थाने में दर्ज गैंगस्टर एक्ट के मामले में करीब चार साल पहले इस संपत्ति को कुर्क किया गया था। प्रशासन ने संपत्ति को बेनामी बताते हुए आरोप लगाया था कि इसे वर्ष 1998 में संगठित अपराध से अर्जित धन से पत्नी फरहत अंसारी के नाम लीज पर लिया गया था। परिवार ने कुर्की के खिलाफ अदालत का रुख किया। 7 अप्रैल 2025 को एमपी-एमएलए स्पेशल कोर्ट ने कुर्की आदेश रद्द करते हुए संपत्ति मुक्त करने का आदेश दिया। शासन की अपील पर हाईकोर्ट ने 7 अगस्त 2026 को पांच सप्ताह में मामले का निस्तारण करने का निर्देश दिया।

विधिक माप विज्ञान में सुधारों पर मंथन

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। विधिक माप विज्ञान व्यवस्था को सरल, पारदर्शी और तकनीक आधारित बनाने के लिए केंद्र और राज्य सरकारों ने सुधारों की दिशा में कदम तेज कर दिए हैं। भारत सरकार के उपभोक्ता मामले विभाग और उत्तर प्रदेश सरकार के विधिक माप विज्ञान विभाग की ओर से लखनऊ में आयोजित एक दिवसीय सम्मेलन में जन विश्वास (प्रावधानों में संशोधन) अधिनियम, 2026, कारोबार सुगमता, डिजिटल शासन और जोखिम आधारित प्रवर्तन पर चर्चा हुई। सम्मेलन में करीब 250 प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया।

उपभोक्ता मामले विभाग की सचिव निधि खरे ने कहा कि विधिक माप विज्ञान का उद्देश्य लेन-देन में सटीकता, निष्पक्षता और उपभोक्ता विश्वास सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि व्यवस्था को अनुमति आधारित मॉडल से निकालकर सुविधा आधारित, जोखिम आधारित और तकनीक संचालित बनाया जाना चाहिए। अनावश्यक अनुमतियां और दोहराव वाली प्रक्रियाएं खत्म कर प्रवर्तन को वास्तविक उपभोक्ता जोखिम वाले क्षेत्रों पर केंद्रित करने की जरूरत है। अपर सचिव अनुपम मिश्रा ने बताया कि जन विश्वास अधिनियम के तहत कुछ अपराधों का गैर-अपराधीकरण, सुधार नोटिस और दंड प्रावधानों का युक्तिकरण किया गया है। सरकारी अनुमोदित परीक्षण केंद्रों की संख्या भी बढ़ाई गई है। सुधारों के तहत पेट्रोल-डीजल डिस्पेंसर के पुनःसत्यापन की अवधि एक से बढ़ाकर दो वर्ष की गई है। ई-माप डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए व्यवस्था को अधिक पारदर्शी बनाने पर भी जोर दिया गया। सम्मेलन में राज्यों से एकरूप नियम अपनाने और जोखिम आधारित निरीक्षण व्यवस्था लागू करने की अपील की गई।

40 प्रशिक्षु अधिकारियों ने देखी दौलतगंज एसटीपी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के 40 ट्रेनी असिस्टेंट एनवायर्नमेंटल इंजीनियर एवं असिस्टेंट साइंटिफिक ऑफिसर ने लखनऊ स्थित 56 एमएलडी दौलतगंज एसटीपी का एक्सपोजर विजिट किया। इस दौरान प्रशिक्षु अधिकारियों ने सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट की कार्यप्रणाली, संचालन व्यवस्था और सीवेज के उपचार की विभिन्न प्रक्रियाओं को करीब से समझा। दौलतगंज एसटीपी के प्लांट इंचार्ज अमरेश सिन्हा ने प्रशिक्षु अधिकारियों को प्लांट के संचालन एवं सीवेज ट्रीटमेंट की पूरी प्रक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

अयोध्या विकास प्राधिकरण, अयोध्या

संदर्भ संख्या : 84/अ.वि.प्रा.-अयो./2026-27 दिनांक: 03.09.2026

निविदा आमंत्रण सूचना

कार्यालय अयोध्या विकास प्राधिकरण द्वारा 02 ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। उक्त निविदाओं से सम्बन्धित विस्तृत जानकारी प्राधिकरण के वेबसाइट www.ayodhya.in एवं ई-क्योरमेन्ट की वेबसाइट www.//etender.up.nic.in के साथ-साथ कार्यालय कार्य दिवस में अभियन्त्रण अनुभाग से प्राप्त की जा सकती है। निविदाएं प्राधिकरण में पंजीकृत फर्मों की ही मान्य होगी। 02 ई-निविदा जमा करने की अंतिम तिथि 18.09.2026 को अपराहन 04.00PM तक है। टेण्डर डालने से पूर्व टेण्डर कास्ट व अर्नेस्टमनी https://emdasdaayodhyeda.in/loginWithotp के माध्यम से ऑनलाइन जमा किया जाना ही मान्य होगा।

सचिव

महत्वपूर्ण नंबर
वूमेन पावर लाइन 1090
पुलिस 100
2629999
पुलिस स्टेशन गंज 2622556

फायर स्टेशन
हजरतगंज- कंट्रोल रूम
9454418642
गोमती नगर-9454418657

एम्बुलेंस
मेडिकल सेवा- 102, 108

हाईकोर्ट ने यूपी पुलिस के खुफिया विभाग को सौंपी गोपनीय जांच

लखनऊ कचहरी में दिल्ली के वकीलों व वादी से मारपीट का मामला

विधि संवाददाता (vol)

लखनऊ। लखनऊ जिला न्यायालय परिसर में गत दिनों दिल्ली से आए अधिवक्ताओं और एक वादी के साथ कथित मारपीट तथा न्यायिक कार्यवाही में बाधा डालने के मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने अपने पूर्व आदेश में महत्वपूर्ण संशोधन करते हुए अब संबंधित कथित रूप से दोशी अधिवक्ताओं की पृष्ठभूमि और गतिविधियों की गोपनीय जांच की जिम्मेदारी केंद्रीय खुफिया ब्यूरो के बजाय उत्तर प्रदेश पुलिस के खुफिया विभाग को सौंपी है।

जांच पुलिस महानिदेशक (खुफिया), उत्तर प्रदेश की निगरानी में कराई जाएगी। अदालत ने इस मामले की अगली सुनवाई 15 सितंबर 2026 को नियत की है। न्यायमूर्ति राजन राय और न्यायमूर्ति मंजीव शुक्ला की पीठ ने मामले की सुनवाई के दौरान 28 जुलाई के अपने आदेश में किए गए उस निर्देश को संशोधित किया, जिसमें स्थानीय केंद्रीय खुफिया ब्यूरो को गोपनीय जांच करने के लिए कहा गया था। केंद्र सरकार की ओर से पेश उप सॉलिसिटर जनरल एसबी पांडेय ने अदालत को बताया कि केंद्रीय खुफिया ब्यूरो के कार्य और प्रकृति अलग हैं और 28 जुलाई के आदेश के तहत जिस तरह की जांच का निर्देश दिया गया था, वह उसके कार्यक्षेत्र से बाहर है।

कोर्ट ने इस दलील को स्वीकार करते हुए निर्देश दिया कि उक्त गोपनीय जांच अब उत्तर प्रदेश पुलिस का खुफिया विभाग कराएगा। पीठ ने कार्यालय को पुलिस महानिदेशक (खुफिया), उत्तर प्रदेश, लखनऊ को मामले में विपक्षी पक्षकार बनाने का निर्देश दिया है। अदालत ने मौजूद सरकारी अधिवक्ता डॉ. वीके सिंह को भी आदेश की जानकारी पुलिस महानिदेशक (खुफिया) तक पहुंचाने को कहा। मामले में पहले हाईकोर्ट ने घटना में कथित रूप से शामिल अधिवक्ताओं के संबंध में विभिन्न जानकारियां और विवरण दाखिल करने का निर्देश दिया था। बुधवार की सुनवाई में पीठ ने कहा कि संबंधित अधिवक्ताओं की ओर से मांगे गए शपथपत्र और खुलासे अभी तक दाखिल नहीं किए गए हैं। अदालत ने कहा कि इस पहलू पर अगली सुनवाई में विचार किया जाएगा। वहीं पीठ ने पुलिस आयुक्त और पुलिस उपायुक्त की ओर से दाखिल किए गए दो जवाबी हलफनामों को भी रिकॉर्ड पर ले लिया। यह मामला 21 जुलाई 2026 को जिला न्यायालय परिसर में हुई घटना पर हाईकोर्ट द्वारा स्वतः संज्ञान से संबंधित है। उक्त घटना में दिल्ली से आए अधिवक्ताओं और एक वादी के साथ कथित मारपीट तथा न्यायिक कार्यवाही में बाधा डालने के मामले में पीठ ने कड़ा संज्ञान लिया था। पूर्व आदेश में अदालत ने घटना की गंभीरता को देखते हुए संबंधित अधिवक्ताओं के संबंध में विस्तृत जांच और उनके विरुद्ध लगाए गए आरोपों की पड़ताल के निर्देश दिए थे।

सूचना के अधिकार के तहत सीसीटीवी फुटेज सीधे आवेदक को नहीं दी जा सकती : हाईकोर्ट

लखनऊ। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने एक अहम फैसले में कहा है कि सूचना के अधिकार के तहत मांगी गई सीसीटीवी फुटेज सीधे आवेदक को उपलब्ध नहीं कराई जा सकती, क्योंकि इसमें संवेदनशील जानकारी हो सकती है और यह सूचना का अधिकार अधिनियम में दिए गए अपवाद के अंतर्गत आती है। हालांकि, कोर्ट ने साफ किया कि संबंधित व्यक्ति किसी सक्षम न्यायालय या आयोग के समक्ष शिकायत करता है तो वहां से सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित रखने और आवश्यक होने पर उसे मंगाने का आदेश दिया जा सकता है। न्यायमूर्ति शेखर बी. सराफ और न्यायमूर्ति अब्देश कुमार चौधरी की पीठ ने यह आदेश षैभवि कष्यप की ओर से दाखिल एक रिट याचिका का निस्तारण करते हुए पारित किया है। मामले में याचिकाकर्ता ने 20 मार्च 2025 को दाखिल सूचना के अधिकार आवेदन के आधार पर पूरी सूचना उपलब्ध कराने तथा सीसीटीवी फुटेज देने की मांग की थी। इसके अलावा सूचना न देने वाले संबंधित अधिकारी पर 25 हजार रुपये का अधिकतम जुर्माना लगाने और कथित उत्पीड़न के लिए मुआवजा दिलाने की भी मांग की गई थी। याचिका पर सुनवाई के दौरान राज्य सूचना आयोग की ओर से अदालत को बताया गया कि मांगी गई सीसीटीवी फुटेज में संवेदनशील जानकारी है। इसलिए इसे सूचना का अधिकार अधिनियम की धारा 8(1)(छ) के तहत सीधे आवेदक को नहीं दिया जा सकता। हालांकि, न्यायालय या आयोग के निर्देश पर फुटेज उपलब्ध कराई जा सकती है। याचिकाकर्ता की ओर से उच्चतम न्यायालय के एक मामले में दिए गए फैसले का हवाला देते हुए कहा गया कि सीसीटीवी फुटेज को सुरक्षित रखना नागरिक का अधिकार है। इस पर हाईकोर्ट ने कहा कि उच्चतम न्यायालय के फैसले के अनुसार न्यायालय अथवा आयोग के पास सीसीटीवी फुटेज मंगाने और उसे सुरक्षित रखने का निर्देश देने की शक्ति है। पीठ ने कहा कि वर्तमान मामले में याचिकाकर्ता ने अभी तक किसी न्यायालय अथवा आयोग के समक्ष कोई शिकायत दाखिल नहीं की है। उसने केवल सीसीटीवी फुटेज उपलब्ध कराने की मांग की है। ऐसी स्थिति में फुटेज सीधे उसे नहीं दी जा सकती। अपने आदेष में पीठ ने स्पष्ट किया कि यदि याचिकाकर्ता उचित न्यायालय या सक्षम फोरम के समक्ष शिकायत दाखिल करता है तो संबंधित न्यायालय या फोरम सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित रखने तथा शिकायत की जांच के लिए वास्तविक फुटेज मंगाने का निर्देश दे सकता है।

हाई कोर्ट ने नये सिरे से जांच का दिया आदेश

59 एकड़ जमीन के कथित अवैध हस्तांतरण का मामला

विधि संवाददाता (vol)

लखनऊ। इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ ने मोदी रबर लिमिटेड को दी गई 117 एकड़ जमीन में से 59 एकड़ जमीन के कथित अवैध हस्तांतरण की नए सिरे से जांच का आदेश दिया है। अदालत ने राजस्व परिषद के अधिकारियों की एक समिति को छह सप्ताह के भीतर अपनी रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया है। इसके अलावा, अदालत ने राज्य सरकार को जांच रिपोर्ट मिलने के तीन सप्ताह के भीतर एक विचारित निर्णय लेने का निर्देश दिया है। इसके साथ ही, अदालत ने अपने पहले के निर्देशों का पालन करने में हुई देरी पर कड़ी आपत्ति जताते हुए राज्य पर 25,000 रुपये का हर्जाना भी लगाया, जिसे मामले की जनहित में पैरवी कर रहे याचिकाकर्ता को भुगतान किया जाना है।

न्यायमूर्ति राजन राय और न्यायमूर्ति मंजिव शुक्ला की पीठ ने लोकेश कुमार खुराना द्वारा दायर एक जनहित याचिका पर यह आदेश पारित किया। इस मामले की अगली सुनवाई 18 नवंबर, 2026 को तय की गई है। पिछले आदेश के अनुपालन में, राजस्व विभाग की प्रमुख सचिव अर्पणा यू. 2 सितंबर को अदालत के समक्ष उपस्थित हुईं और पीठ को अवगत कराया कि शुरूआती जिला स्तरीय जांच में जमीन के हस्तांतरण के संबंध में आरोप सही पाए गए थे। चूंकि राज्य स्तर पर निर्णय लिया जाना था, इसलिए 24 फरवरी, 2024 को राजस्व परिषद के अधिकारियों को जांच सौंपी गई थी। अपर्णा यू. ने आगे बताया कि 3 जून, 2025 को जांच रिपोर्ट प्राप्त हुई थी, लेकिन वह अनिर्णायक पाई गई। इसके बाद, 3 दिसंबर, 2025 के एक पत्र के माध्यम से समिति के सदस्यों को एक और रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया था।

हालांकि, याद दिलाने के बावजूद, अब तक रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं की गई है। जनहित याचिका में आरोप लगाया गया है कि ग्रांट्स एक्ट के तहत मोदी रबर लिमिटेड को दी गई 117 एकड़ जमीन में से लगभग 59 एकड़ जमीन राज्य सरकार की अनुमति लिए बिना हस्तांतरित कर दी गई थी। हालांकि, कंपनी का इस मामले में अपना पक्ष है। मामले की सुनवाई करते हुए, पीठ ने टिप्पणी की कि 8 अक्टूबर, 2025 को अपने आदेश के बावजूद पूरक जवाबी हलफनामा दाखिल करने में विफलता का कोई औचित्य नहीं हो सकता है। अदालत ने राजस्व परिषद के अधिकारियों वाली जांच समिति द्वारा समय पर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत न करने और मामले को दबाए रखने का भी कोई औचित्य नहीं पाया। अदालत को बताया गया कि नई जांच समिति में उत्तर प्रदेश राजस्व परिषद के विशेष कार्य अधिकारी राज कुमार द्विवेदी, अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) मेरठ, मुख्य कोषाधिकारी मेरठ और उपजिलाधिकारी सरधना शामिल हैं। इसका संज्ञान लेते हुए, पीठ ने समिति को निर्देश दिया है कि वह जांच करे और सकारात्मक रूप से छह सप्ताह के भीतर राज्य सरकार को अपनी रिपोर्ट सौंपे। इसके बाद राज्य सरकार को अगले तीन सप्ताह के भीतर एक विचारित निर्णय लेना होगा। अदालत ने स्पष्ट कर दिया कि यदि निर्धारित अवधि के भीतर जांच पूरी नहीं की जाती है, तो जांच समिति के सभी सदस्यों को व्यक्तिगत रूप से अदालत के समक्ष उपस्थित होना होगा। पीठ ने राजस्व परिषद की प्रमुख सचिव अर्पणा यू. को भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कार्यवाही में शामिल होने का निर्देश दिया। राज्य को 10 दिनों के भीतर लंबित पूरक जवाबी हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया गया है। अदालत ने कहा कि यदि निर्धारित अवधि के भीतर जांच रिपोर्ट प्राप्त हो जाती है, तो एक और जवाबी हलफनामा दाखिल करना होगा। पूरक जवाबी हलफनामा दाखिल करने में देरी के लिए अदालत ने राज्य सरकार पर 25,000 रुपये का हर्जाना लगाया, साथ ही सरकार के लिए यह विकल्प खुला छोड़ा कि वह देरी के लिए जिम्मेदार अधिकारियों से इस राशि की वसूली कर सकती है। पीठ ने राजस्व परिषद के प्रमुख सचिव को यह भी निर्देश दिया कि वे अदालत के आदेशों के अनुपालन की व्यक्तिगत रूप से निगरानी करें ताकि ऐसी स्थिति दोबारा न आए।

दो महिला टप्पेबाज गिरफ्तार

लखनऊ। ठाकुरगंज पुलिस ने ई-रिक्शा में वृद्ध महिला के गले से सोने की चैन चोरी करने वाली दो शातिर महिला को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से चोरी की गई सोने की चैन को बेचकर प्राप्त धनराशि में से 5,450/- नगद बरामद हुए हैं। यह सफलता सीसीटीवी फुटेज, साक्ष्य संकलन के आधार पर मिली है।

सूचना

सूचित हो कि मैने अपने पुत्र गुरजीत सिंह को उसके चाल चलन ठीक न होने के कारण अपनी समस्त चल अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उसके द्वारा किये गये किसी भी कृत्य की जिम्मेदारी मेरी व मेरे परिवार की नहीं होगी। **प्रितपाल सिंह पुत्र ध्यान सिंह नि.- म.सं. 114/चंदर नगर, आलमबाग, लखनऊ।**

सूचना

सूचित हो कि मेरा वास्तविक नाम रिजवान अब्दुल रज्जाक है जब कि पासपोर्ट में भूलवश रिजवान दर्ज हो गया है। जबकि वास्तविक नाम रिजवान अब्दुल रज्जाक है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाए। रिजवान अब्दुल रज्जाक C/o हलीमुन निवासी ग्राम व पोस्ट सवाईन तहसील बीघापुर जिला उन्नाव।

न्यायालय सूचना

इत्तिलानामा बनाम रेस्पांडेटबावत इत्तिला तारीख मुकर्रर समाअत अपील बदालत श्रीमान अपर आयुक्त द्वितीय महोदय चित्रकूटधाम मंडल, बांदा
वाद संख्या-1327/2023, अपील संख्या-सी202307000001327 सन्-2023
रामप्यारी बनाम श्रीमती लीलम आदि
अपील बनाराजी आदेश अदालत मुबारिखा महीना सन ई.

बनाम रेस्पान्डेट

1. श्रीमती रामकली पत्नी बालाप्रसाद निवासी ग्राम-मकरांव, तह. व जिला-महोबा
2. श्री नन्हें पुत्र टेरा, नि.ग्रा.-ग्योंड़ी, तह. व जिला-महोबा

मुत्तिला हो कि अपील बनाराजी डिग्री इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश किया और यह अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत ने तारीख 15 महीना 09 सन 2026 ई. वास्ते समाअत इस अपील से मुकर्रर की है। अगर खुद आप या आपके वकील या अन्य शख्स जो कानूनन आपकी तरफ अपील हाजा में जवाब इस सवाल करने का मजाज हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समाअत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा की जाएगी।

आज बतारीख 01 महीना 09 सन 2026 ई. को मेरे दस्खत और मोहर अदालत हवाले किया गया।

आज्ञा से
अपर आयुक्त द्वितीय
चित्रकूटधाम मंडल, बांदा
दस्खत हाकिम

गन्ना किसानों के बकाये पर हाईकोर्ट सख्त 1936 करोड़ रुपये की वसूली बाकी

विधि संवाददाता (vol)

लखनऊ। गन्ना किसानों के बकाये की वसूली और उस पर देय ब्याज के मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने सख्त रुख अपनाया है। कोर्ट ने पाया कि गन्ना आयुक्तों द्वारा जारी वसूली प्रमाणपत्रों में 15 प्रतिशत के बजाय 12 प्रतिशत ब्याज दर्शाए जाने से करीब 170 करोड़ रुपये की अतिरिक्त राशि की वसूली प्रभावित हुई। कोर्ट ने इस मामले में चार गन्ना आयुक्तों को व्यक्तिगत रूप से पक्षकार बनाते हुए उनसे जवाब मांगा है कि हाईकोर्ट के 23 दिसंबर 2021 के फैसले के बावजूद 12 प्रतिशत ब्याज वाले वसूली प्रमाणपत्र क्यों जारी किए गए और उनके विरुद्ध अवमानना की कार्रवाई क्यों न की जाए।

न्यायमूर्ति राजन राय और न्यायमूर्ति मंजीव शुक्ला की पीठ ने यह आदेश किसान मजदूर संगठन के संयोजक वीएम सिंह की ओर से दाखिल जनहित याचिका पर पारित किया। कोर्ट को बताया गया था कि जिन चार अधिकारियों के कार्यकाल में ऐसे वसूली प्रमाणपत्र जारी हुए, उनमें संजय आर. भूसरेड्डी, प्रभु एन. सिंह, प्रमोद कुमार उपाध्याय और मिनिस्थी एस. शामिल हैं। संजय आर. भूसरेड्डी जून 2025 में सेवानिवृत्त हो चुके हैं। मामले की अगली सुनवाई 15 अक्टूबर 2026 को होगी। गन्ना आयुक्त की ओर से दाखिल चार्ट के अनुसार विभिन्न वसूली प्रमाणपत्रों के तहत करीब 4405 करोड़ रुपये मूल गन्ना बकाया था। इसमें से लगभग 3318.50 करोड़ रुपये की वसूली हो चुकी है, जबकि करीब 1087 करोड़ रुपये मूलधन अभी बाकी है। 15 प्रतिशत की दर से देय ब्याज करीब 849.52 करोड़ रुपये बैठता है और कोर्ट को बताया गया कि इस ब्याज की राशि में से अभी तक कोई वसूली नहीं हुई है। इस प्रकार कुल करीब 1936 करोड़ रुपये की वसूली लंबित है। इस पर कोर्ट ने प्रदेश के सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिया है कि संशोधित वसूली प्रमाणपत्रों के आधार पर गन्ना किसानों को देय राशि की वसूली के लिए हरसंभव प्रयास करें। कोर्ट के समक्ष पेश आंकड़ों के मुताबिक वर्ष 2023-24 में 36 जिलों में राज्य परामर्शित मूल्य के आधार पर कुल करीब 35,893 करोड़ रुपये का गन्ना मूल्य देय था। इसमें से लगभग 17,478 करोड़ रुपये यानी 48.70 प्रतिशत राशि किसानों को निर्धारित 14 दिन की वैधानिक अवधि के भीतर दी गई। वहीं करीब 18,391 करोड़ रुपये यानी 51.24 प्रतिशत राशि का भुगतान निर्धारित अवधि के बाद किया गया। इस विलंबित भुगतान पर 15 प्रतिशत की दर से करीब 614.74 करोड़ रुपये ब्याज देय है। कोर्ट ने विशेष रूप से इस बात पर चिंता जताई कि इस ब्याज राशि में से एक भी पैसा वसूल नहीं किया गया है। पीठ ने गन्ना आयुक्त से यह भी बताने को कहा है कि किसानों का पूरा बकाया कितने समय में वसूल होगा तथा ब्याज मूल राशि के देय होने की तारीख से वास्तविक भुगतान तक लगेगा या केवल वसूली प्रमाणपत्र जारी होने तक। कोर्ट ने गन्ना आयुक्त को सभी जिलों से बकाये का आंकड़ा जुटाकर संभव हो तो मिलवार विवरण भी प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। जिलाधिकारियों द्वारा जानकारी उपलब्ध नहीं कराने पर कोर्ट ने उनके विरुद्ध कार्रवाई के संकेत दिए हैं।

अतिक्रमण हटाने के आदेश के लिए लंबी निष्पादन प्रक्रिया जरूरी नहीं: हाईकोर्ट

विधि संवाददाता (vol)

लखनऊ। ग्राम पंचायत की जमीन पर अवैध कब्जा हटाने के मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता की धारा 67 के तहत पारित बेदखली के आदेश को लागू करने के लिए सिविल प्रक्रिया संहिता (सीपीसी) के आदेश 21 के तहत लंबी और पेचीदा निष्पादन प्रक्रिया अपनाना जरूरी नहीं है। धारा 67 और उससे संबंधित नियमों में ही आदेश के क्रियान्वयन की पर्याप्त व्यवस्था है। न्यायमूर्ति राजन राय और न्यायमूर्ति मंजीव शुक्ला की पीठ ने सुलतानपुर की एक चकमार्ग भूमि पर अतिक्रमण से संबंधित पूजा देवी की जनहित याचिका पर यह फैसला सुनाया। कोर्ट ने कहा कि धारा 67 के तहत कार्यवाही स्वयं संक्षिप्त प्रकृति की है। इसलिए उसके तहत पारित आदेश के क्रियान्वयन को भी लंबी प्रक्रिया में नहीं बदला जा सकता। पीठ ने कहा कि धारा 67(3) के तहत यदि नोटिस के बावजूद कब्जाधारी जमीन खाली नहीं करता है तो सहायक कलेक्टर आवश्यकतानुसार बल का इस्तेमाल कर उसे बेदखल कर सकता है। वहीं, अतिक्रमण के कारण हुए नुकसान या गलत कब्जे के लिए निर्धारित क्षतिपूर्ति को भू-राजस्व के बकाये की तरह वसूल किया जा सकता है। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि राजस्व न्यायालय मैनुअल के पैरा 460 में आदेश 21 सीपीसी का पूरा प्रावधान लागू करने की बात नहीं है। पैरा 137 का उपयोग केवल निष्पादन आवेदन की प्रक्रिया तक सीमित है। आदेश 21 के तहत लंबी निष्पादन कार्यवाही करना कानून की मंशा के विपरीत होगा। पीठ ने कहा कि यदि कब्जे वाली भूमि पर फसल खड़ी है तो नियम 67(5) में निर्धारित प्रक्रिया अपनाई जाएगी। अन्यथा वैधानिक शर्तें पूरी होने पर भूमि का कब्जा संबंधित ग्राम पंचायत या भूमि प्रबंधन समिति को सौंपा जा सकता है। हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को राजस्व न्यायालय मैनुअल के पैरा 460 की समीक्षा कर उसे राजस्व संहिता और 2016 के नियमों के अनुरूप बनाने की सलाह दी।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी भारतीय संस्कृति, संगीत और लोकपरंपराओं के उत्सव का पर्व : विभा सिंह

लखनऊ। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी की उपाध्यक्ष विभा सिंह ने प्रदेशवासियों, कलाकारों, संगीतज्ञों, नृत्य एवं रंगमंच से जुड़े सभी साधकों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। विभा सिंह ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण भारतीय संस्कृति के ऐसे विराट नायक हैं, जिनके जीवन में दर्शन, संगीत, नृत्य, नाट्य, लोकपरंपरा और मानवीय संवेदनाओं का अद्भुत समन्वय दिखाई देता है। उनकी बांसुरी की मधुर तान से लेकर ब्रज की रासलीला तक, श्रीकृष्ण भारतीय कला-संस्कृति की आत्मा में रचे-बसे हैं। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत में श्रीकृष्ण से जुड़ी परंपराओं का विशेष स्थान है। ब्रज की रासलीला, लोकगीत, कथक, शास्त्रीय संगीत तथा विभिन्न लोककलाओं में श्रीकृष्ण की लीलाओं और जीवन-दर्शन की सुंदर अभिव्यक्ति देखने को मिलती है।

पारस अंतरराष्ट्रीय दृश्य कला प्रदर्शनी का समापन

लखनऊ। शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में कला दीर्घा, अंतरराष्ट्रीय दृश्य कला पत्रिका एवं कला स्त्रोत कलावीथिका के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित पारस अंतरराष्ट्रीय दृश्य कला प्रदर्शनी का समापन हुआ। प्रदर्शनी का उद्घाटन 01 सितंबर को प्रख्यात लेखक एवं विद्वान आचार्य सूर्य प्रसाद दीक्षित ने किया था। गुरुओं को समर्पित इस प्रदर्शनी की संकल्पना भारतीय सांस्कृतिक चेतना में निहित उस रूपांतरणकारी प्रतीक पारस से प्रेरित है, जिसके स्पर्श से साधारण असाधारण और लौह स्वर्ण में परिवर्तित हो जाता है। इसी भाव को गुरु के संदर्भ में देखा जाए तो गुरु वह पारस है, जो अपने ज्ञान, अनुभव, स्नेह, अनुशासन और संस्कार के स्पर्श से शिष्य के भीतर छिपी प्रतिभा और संभावनाओं को पहचानकर उन्हें विकसित होने की दिशा प्रदान करता है। प्रदर्शनी का आयोजन डॉ. अनीता वर्मा एवं सुमित कुमार के समन्वय एवं संयोजन में किया गया। इसमें कुल 48 कलाकारों की कलाकृतियाँ प्रदर्शित की गईं। प्रदर्शनी में समकालीन कला की नवीनतम प्रवृत्तियों से संबद्ध विविध कलात्मक प्रयोग देखने को मिले। चित्रकला और छापाचित्र से लेकर सिरामिक, टेक्सटाइल कोलाज, छायाचित्र एवं बुनाई जैसे विभिन्न माध्यमों में सृजित कलाकृतियों ने कला स्त्रोत कलावीथिका के परिसर में एक बहुवर्णी और बहुआयामी दृश्य-संसार का निर्माण किया। विभिन्न माध्यमों और कलाभाषाओं में व्यक्त ये कृतियाँ एक-दूसरे से संवाद करती हुई भारतीय समकालीन कला की विविधता और प्रयोगशीलता को रेखांकित करती हैं।

महिला की चाकू मारकर हत्या मामले में दोषी करार गुलफाम को उम्रकैद

लखनऊ। चाकू मारकर हत्या करने के दोषी गुलफाम को अपर सत्र न्यायाधीश ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही दोषी पर 55 हजार रुपये का जुमार्ना लगाया है। न्यायालय के समक्ष सरकारी वकील सीमा सिंह ने बताया कि वादी अमित अग्रवाल ने 31 मार्च 2021 को थाना गोमतीनगर में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जिसमें बताया कि वादी का भाई डा. हर्ष अग्रवाल पत्नी रुचि अग्रवाल व दो बेटियों के साथ गोमती नगर में रहते हैं। उनके घर में फर्नीचर का काम चल रहा था। फर्नीचर का काम करने वाले गुलफाम ने वादी के भाई की पत्नी रुचि से व्यापार शुरू करने के लिए कुछ पैसे की मांग की। उन्होंने पैसे देने से मना कर किया तो दोषी ने चाकू से वार कर रुचि को गंभीर रूप से घायल कर दिया था। इलाज के लिए उन्हें डा. राम मनोहर लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी मृत्यु हो गई। विवेचना के दौरान हत्या में प्रयोग किए गए चाकू व हथौड़ी को दोषी की निशानदेही पर बरामद कर लिया गया था।

गोंडा मंडलायुक्त के खिलाफ अवमानना मामले में नई पीठ करेगी सुनवाई

लखनऊ। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने गोंडा में सिविल जज को कथित तौर पर प्रभावित करने के प्रयास से जुड़े स्वतः संज्ञान आपराधिक अवमानना मामले को दूसरी पीठ के समक्ष भेजने का निर्देश दिया है। गुरूवार को मामले की सुनवायी से पहले ही दो जजों की पीठ के एक न्यायमूर्ति प्रमोद कुमार श्रीवास्तव ने अपने आपको इस केस से अलग अलग करने का निर्णय ले लिया। हांलाकि आदेष में उक्त निर्णय का कोई कारण इंगित नहीं किया गया है। मुख्य न्यायाधीश अथवा वरिष्ठ न्यायाधीश से नामांकन प्राप्त करने के बाद मामले को दूसरी पीठ के समक्ष सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया गया है।

तालाब में नहा रहा युवक डूबा, दूसरे दिन मिला शव

लखनऊ। काकोरी क्षेत्र के रेवरी गांव में बुधवार शाम युवक तालाब में नहाते समय डूब गया। ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने गोताखोर और एसडीआरएफ की मदद से युवक की तलाश शुरू की, लेकिन रात तक उसका कोई अता-पता नहीं चला। युवक की पहचान बल्लू यादव (35) के रूप में हुई है।

इससे पूर्व युवक को तालाब में डूबता देख ग्रामीणों ने शोर मचाया। परिजनों और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने गोताखोर और एसडीआरएफ टीम के जरिए तालाब में युवक की खोजबीन के लिए सर्च ऑपरेशन चलाया, लेकिन रात तक युवक का पता नहीं चला। काकोरी इंस्पेक्टर सतीश चंद्र राठौर ने बताया कि स्थानीय रेवरी गांव में किसान बल्लू बुधवार शाम को गांव में बने तालाब में नहाने के लिए कूदा था। मूसलाधार हो रही बारिश से तालाब में अधिक पानी भरा है। बल्लू तालाब में नहाते समय डूबने लगा। उसने तालाबा से बाहर निकलने के लिए काफी प्रयास किया। पुलिस ने स्थानीय गोताखोरों की मदद से युवक की तालाब के गहरे पानी में तलाश की। वहीं, एसडीआरएफ की टीम ने भी पहुंचकर सर्च ऑपरेशन चलाया। बुधवार रात तक तालाब में डूबा बल्लू टीम को नहीं मिला। दूसरे दिन उसका शव मिला।

ट्रेन की चपेट में आकर व्यक्ति की मौत: काकोरी क्षेत्र में ट्रेन की चपेट में आकर कटे व्यक्ति की पहचान रईस अहमद (51) पुत्र मकसूद अहमद के रूप में हुई है। पुलिस को गुरुवार सुबह करीब 06:45 बजे सूचना प्राप्त हुई कि रेलवे लाइन के पोल संख्या 1086/11-13 पर एक व्यक्ति ट्रेन की चपेट में आकर कट गया है।

इस सूचना पर काकोरी पुलिस मौके पर पहुंची। मौके पर एक व्यक्ति का शव रेलवे ट्रैक के मध्य पड़ा मिला, जिसका सिर धड़ से अलग था। मौके पर मौजूद जीआरपी एवं ट्रैकमैन की सहायता से शव के धड़ को रेलवे ट्रैक के किनारे सुरक्षित रखा गया। मृतक की तलाशी लेने पर उसकी जेब से प्राप्त आधार कार्ड के आधार पर मृतक की पहचान रईस अहमद पुत्र मकसूद अहमद निवासी वली नगर, थाना काकोरी के रूप में हुई। परिजनों को सूचना दी गई। मौके पर पहुंचे मृतक के बेटे उस्मान ने शव की पहचान अपने पिता के रूप में की गई। पुलिस ने शव को शव किट में रखकर एम्बुलेंस से मोर्चरी हाउस भेज दिया।

सड़क हादसे में घायल व्यक्ति की उपचार के दौरान मौत: आशियाना क्षेत्र में हुए सड़क हादसे में घायल व्यक्ति की उपचार के दौरान मौत हो गयी। पुलिस का कहना है कि बुधवार को प्रातः करीब 07:00 बजे सूचना मिली कि पावर हाउस चौराहे के पास एक व्यक्ति घायल अवस्था में पड़ा हुआ है। सूचना पर आशियाना पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घायल व्यक्ति को उपचार के लिए लोकबंधु अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों द्वारा उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान राम बाकी (31) पुत्र राधा चरण, निवासी उमरा, थाना गेग, जनपद डीग, राजस्थान के रूप में हुई। मृतक होटल वीनस में कार्य करता था। प्रारंभिक जांच में ज्ञात हुआ कि मृतक मोटरसाइकिल से जा रहा था। मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर स्लिप हो गई, जिससे वह घिसटते हुए एक अन्य वाहन से टकरा गया।

महिला लेखपाल के निलंबन के विरोध में किया धरना-प्रदर्शन

लखनऊ। मोहनलालगंज तहसील में महिला लेखपाल रूचि मौर्या के निलंबन के विरोध में बुधवार को उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ के बैनर तले लेखपालों ने धरना-प्रदर्शन किया विरोध के चलते तहसील में राजस्व संबंधी कार्य प्रभावित रहे लेखपालों ने निलंबन को अनुचित बताते हुए इसे तत्काल वापस लेने की मांग की और एसडीएम को ज्ञापन सौंपा। संघ के तहसील अध्यक्ष अमरीश कुमार और मंत्री विकास दीक्षित ने आरोप लगाया कि रूचि मौर्या को बिना नोटिस निलंबित किया गया उनका कहना है कि सर्पदंश से मृत व्यक्ति के मामले में आवश्यक अभिलेख उपलब्ध कराकर अगले ही दिन आवेदन का निस्तारण कर दिया गया था वारिसों के बाहरी निवासी होने और तकनीकी कारणों से प्रक्रिया में विलंब हुआ, जिसके बावजूद कार्रवाई की गई। ज्ञापन में महिला लेखपाल नेहा कपूर का भी मामला उठाया गया संघ का आरोप है कि गंभीर रूप से बीमार पिता के बावजूद उन्हें अल्प सूचना पर बैठक में बुलाया गया जबकि बाद में उनके पिता का निधन हो गया। इसके अलावा छुट्टी के दिनों में बैठकें बुलाने 12 लेखपालों का वेतन रोके जाने तथा बिल एरियर और मेडिकल भुगतान लंबित होने जैसे मुद्दे भी उठाए गए। लेखपाल संघ ने चेतावनी दी है कि यदि महिला लेखपाल का निलंबन वापस नहीं लिया गया तो शुक्रवार से तहसील के सभी लेखपाल पूर्ण कार्यबहिष्कार करेंगे तहसील अध्यक्ष अमरीश कुमार ने कहा कि लेखपालों के साथ अमानवीय व्यवहार बंद किया जाए और निलंबन तत्काल वापस लिया जाए।

हत्या के पीछे राजनैतिक रंजिश को लेकर पुलिस कर रही जांच

लखनऊ। महाराणा प्रताप चैरिटेबल फाउंडेशन के अध्यक्ष धीरेंद्र प्रताप सिंह की अपहरण के बाद हत्या के मामले में पुलिस की जांच अब राजनीतिक रंजिश के एंगल पर भी आगे बढ़ रही है। पुलिस को जानकारी मिली है कि धीरेंद्र विधानसभा चुनाव की तैयारी कर रहा था और क्षेत्र में लगातार क्षेत्र में सक्रिय होने के चलते उससे कई लोगों की राजनैतिक रंजिश थी। हत्या को लेकर सांसद व विधायक भी जांच के घेरे में हैं। उसी दौरान वह जमीन से जुड़ी शिकायतों को लेकर कई प्रशासनिक अधिकारियों के संपर्क में था। पूरे मामले में पड़ोसी जिले के एक सांसद और विधायक की भूमिका को लेकर पुलिस आंतरिक जांच कर रही है। पुलिस जांच कर रही है कि धीरेन्द्र की सक्रियता और आगामी चुनाव की तैयारी से किन लोगों को परेशानी हो सकती थी।

विदित हो कि बीते शनिवार को धीरेंद्र प्रताप सिंह का अपहरण कर अज्ञात कार में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इसके बाद करीब 22 किलोमीटर दूर दुबग्गा के पास नहर किनारे उसका शव बरामद हुआ था। पुलिस ने चालक रवि और उसके दोस्त ओमकार साहू को गिरफ्तार कर पूछताछ की तो कई अहम जानकारियां सामने आई थीं। इसी आधार पर पुलिस ने हत्या की साजिश में शामिल संदिग्धों को लेकर जांच शुरू की तो मामला राजनीतिक रंजिश तक जा पहुंचा। पुलिस सूत्रों के मुताबिक जांच के दौरान पांच लोगों के नाम सामने आए थे। इन सभी के धीरेंद्र से संबंध और घटना से पहले व बाद की गतिविधियों की पड़ताल की गई। पुलिस ने उनके मोबाइल नंबर, संपर्क और संभावित ठिकानों के बारे में जानकारी जुटाई। जांच में एक व्यक्ति की भूमिका संदिग्ध मानी जा रही है।

उसके संभावित ठिकानों पर दबिश भी दी गई, लेकिन वह पुलिस के पहुंचने से पहले फरार हो चुका था।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की पूर्व संध्या पर सजधज कर तैयार पुलिस लाइन

कान्हा के रूप में सजे नन्हे-मुन्ने बच्चे

सुंदर झाकियों से सजी पुलिस लाइन

फोटो-अमित वर्मा

आज आधी रात जन्मेंगे कान्हा, महाभिषेक के साथ लगेगा 56 भोग

बाजारों में लड्डू गोपाल, झूला, मुकुट, कपड़े की भक्तों ने खूब की खरीदारी, रंग-बिरंगी लाइटों से सजे घर और मंदिर

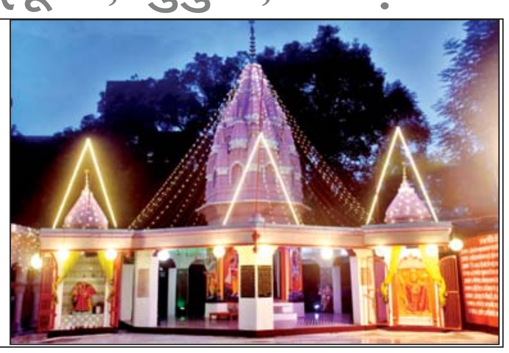

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी 4 सितंबर को शहर भर में हर्षोल्लास के साथ मनाई जाएगी। जिसको लेकर तैयारी तेजी से हो रही है। मंदिरों में पंडाल लग रहे है, रंग-बिरंगी झालरों से सजावट की जा रही है। वृन्दावन से आए कारीगर भगवान का भव्य श्रृंगार करेंगे। आधी रात को जैसे जगत के पालनहार अवतरित होंगे हर तरफ कान्हा की जयकार गूंजने लगेगी। इस मौके पर राधा-कृष्ण का जलाभिषेक और 56 भोग लगाया जायेगा। भक्त घर से ही प्रभु के दर्शन कर सकें इसके लिए पूजन और आरती का ऑनलाइन प्रसारण भी किया जाएगा। वहीं पुलिस लाइन में भी कार्यक्रम को लेकर तैयारी तेजी से चल रही है।

जन्माष्टमी पर मंदिरों से लेकर घरों तक कान्हा के जन्म उत्सव की तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। कहीं पर भगवान रत्नजड़ित कपड़े पहनेंगे तो कहीं पर चांदी के पालने में उनको झुलाया जाएगा। शहर के विभिन्न मंदिरों में श्री कृष्ण जन्मोत्सव के आयोजन होंगे, जिसमें हरि नाम संकीर्तन के साथ भगवान का अभिषेक होगा। गणेशगंज में थ्रीडी इफेक्ट के साथ कृष्ण के जन्म से लेकर महाभारत में गीता उपदेश तक की लीलाओं पर लोग झांकी देख सकेंगे। इस्कॉन मंदिर में वृंदावन के कलाकारों के भजन होंगे, पुलिस लाइन में मथुरा के कलाकारों द्वारा मयूर नृत्य कर सांस्कृतिक संध्या होगी। माधव मंदिर डालीगंज में बांके बिहारी के दरबार को गुब्बारों से सजाया जाएगा। पीएसी में होने वाले कृष्ण जन्मोत्सव कार्यक्रम में कान्हा के जन्म का सजीव चित्रण होगा।

कृष्ण के जन्म पर घरों में भी झांकियां सजाई जाएंगी। इसे लेकर बाजार में दिन भर चहल पहल रही। भक्त नंद गोपाल की मूर्ति, लड्डू गोपाल, झूला, मुकुट, कपड़े आदि सामान खरीदते दिखे। महिलाओं ने झांकियां सजाने के लिए बाजार से खिलौने, फूलों के गुलदस्ते, झालर, कलरफुल लाइटें खरीदी। शाम होते ही शहर के अमीनाबाद, चौक, निशातगंज, नरही, कपूरथला, हजरतगंज में झांकियों का सामान खरीदने वाले लोगों की भीड़ लगी रही।

जन्माष्टमी पर द्वापर युग जैसे दो संयोग: श्रीकृष्ण जन्माष्टमी इस साल चार सितंबर को मनाई जा रही है। इस दिन भगवान का प्रिय नक्षत्र भी लग रहा है और चंद्रमा की स्थिति भी वैसी ही हैजैसी द्वापर युग में थी। इसके अलावा इस साल 4 सितंबर को क्या योग बन रहे हैं, इसके बारे में आप यहां जानकारी ले सकते हैं। इनके जन्म की बात की जाए तो आपको बता दें कि श्रीकृष्ण का जन्म लगभग 5000 वर्ष पूर्व मथुरा में भाद्रपद कृष्ण पक्ष अष्टमी को हुआ था। उस दिन बुधवार और तिथि में वृष राशि के चंद्रमा और रोहिणी नक्षत्र भी विद्यमान थे। इस साल ऐसे योग बन रहे हैं जो श्रीकृष्ण के जन्म के समय बने थे, इनमें सबसे पहले चंद्रमा की स्थिति है और दूसरा रोहिणी नक्षत्र है।

अगर भाद्रपद मास की अष्टमी तिथि के दिन रोहिणी नक्षत्र पड़ जाए तो उसी दिन की जन्माष्टमी करनी चाहिए। क्योंकि इसी नक्षत्र में कान्हा का जन्म हुआ था। आपको बता दें कि इस दिन चंद्रमा का अपनी उच्च राशि वृषभ में गोचर करना है। इसके अलावा इस दिन सर्वार्थसिद्ध और हर्षण योग भी बनेंगे। अष्टमी को रोहिणी नक्षत्र भी पर्याप्त समय तक रहेगा। हालांकि रोहिणी नक्षत्र की समाप्ति मध्यरात्रि से कुछ समय पूर्व हो जाएगी। गत वर्ष की भांति इस बार भी शैव, वैष्णव एवं स्मार्त एक ही दिन श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का उत्सव मनाएंगे।

पुलिस लाइन में तैयारी जोरों पर: पुलिस लाइन में जन्माष्टमी को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं। पंडाल बनकर तैयार हो रहा है। भगवान कृष्ण के जन्म के बाद बंटने वाला प्रसाद भी बनना शुरू हो गया है। पुलिस मॉडर्न स्कूल व सीएमएस समेत विभिन्न स्कूलों के बच्चे सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति देंगे। साथ ही प्रदेश स्तर के कलाकार भी अपनी प्रस्तुति देंगे।

श्रीमाधव मंदिर में जन्मोत्सव पर फूटेंगे पटाखे

लखनऊ। डालीगंज स्थित श्रीमाधव मंदिर में श्री कृष्ण प्राकट्योत्सव पर श्रीराधामाधव भव्य फूलों का श्रंगार, ब्रजरुपी कलाकारो द्वारा महारास एवम बाल लीलाओं का मंचन, इलेक्ट्रॉनिक झालरो व गुब्बारें का डेकोरेशन, दक्षिणावर्त श्रीलक्ष्मी शंख से भगवान श्रीकृष्ण का पंचाभिषेक, 56 प्रकार के भोग झाकी, दही हाडी फोडने, श्री कृष्ण जन्मोत्सव पर भजन संध्या, लॉर्ड कृष्णा संग सेल्फी प्वाइंट तथा आनंद उत्सव पर खुशी में जमकर प्रसाद लुटाने का कार्यक्रम ब्रज की तर्ज पर आयोजन किया गया जाएगा ये जानकारी संयोजक अनुराग साहू ने दिया।

श्री कृष्ण जन्माष्टमी पर कटेगा 108 किलो का मिल्ककेक: बीरबल साहनी मार्ग स्थित श्री श्याम मंदिर में 4 सितंबर को श्री कृष्णा प्राकट्य उत्सव का आयोजन बड़ी धूमधाम से आयोजित किया जाएगा। महामंत्री रुपेश अग्रवाल ने बताया कि इस बार जन्माष्टमी पर पहली बार मन्दिर का पूरा गर्भगृह शीशा लगाया गया जिसमें भक्तों को हर स्थान से दर्शन हो सके। जन्मोत्सव पर 108 किलो का मिल्क केक काटा जाएगा। कलकत्ता से श्रृंगार के लिए फूलों मंगवाया गया है मनोरम झांकी सजाई जाएगी जिसमें बाल गोपाल श्री कृष्ण पर आधारित अनेक लीलाएं दिखाई जाएगी वही कार्यक्रम साय 7 बजे से प्रारंभ होकर मध्य रात्रि जन्मोत्सव तक चलेगा जिसमें भक्तों के लिए एक लाख से अधिक प्रसाद की व्यवस्था की गई है। कोषाध्यक्ष आशीष अग्रवाल ने बताया कि सुप्रसिद्ध भजन गायक पवन मिश्र भजनों की प्रस्तुति देंगे। पूरे मन्दिर प्रांगण में जन्मोत्सव थीम पर सजाया जाएगा जिसमें दस हजार गुब्बारा और श्री कृष्ण की लीलाओं का कटआउट्स लगाया जाएगा।

वृंदावन में झूलेंगे कृष्ण और राधा: यहियागंज बिहारी जी मंदिर में बाल गोपाल की झांकी सजकर तैयार है। यहां पर कृष्ण और राधा की सुंदर पेंटिंग तैयार की गई है, जिसमें उन्हें वृंदावन में एक साथ मनोहरी दृश्य में झूलते हुए दिखाया गया है। इसमें माखन चुराते हुए बाल गोपालए गोवर्धन पर्वत उठाते हुए श्रीकृष्ण को भी दिखाया है।

कान्हा जी के साथ सेल्फी लें: हर बार की तरह न्यू गणेशगंज में डिजिटल झांकी दर्शकों के लिए सजाई गई है। इस बार यहां आप श्रीकृष्ण के साथ सेल्फी भी ले सकते हैं। सेल्फी विद कान्हा का क्रेज लोगों पर खूब चढ़ेगा। डिजिटल झांकी गुरुवार से रात 8 से 12 बजे तक दर्शक देख सकेंगे। झांकी कृष्ण के जन्म से लेकर उनकी छठी तक चलेगी। डिजिटल झांकी में हर दिन कृष्ण के जीवन की अलग.अलग लीलाओं का प्रदर्शन होगा।

इस्कॉन मंदिर में जरी, मोती माणिक से सजेंगे कान्हा

लखनऊ। सुशांत गोल्फ सिटी स्थित श्री श्री राधा रमण बिहारी मंदिर इस्कॉन में 4 सितंबर को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महा महोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा। इस मौके पर श्रीराधा रमण जी का जरी, मोती, मणि माणिक की विशेष पोशाक से श्रृंगार होगा। वहीं सुबह से मध्यरात्रि तक धार्मिक व सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शृंखला अविरल जारी रहेगी। इस दौरान दोपहर 12 बजे से रात 12 बजे तक दूध, दही, घी, शहद व 1008 तीर्थों से लाए गए जल से श्री राधाकृष्ण जी का महाअभिषेक होगा। इसके साथ ही दोपहर में युवाओं के आध्यात्मिक मार्ग दर्शन के लिए दिव्य चेतना जागृति कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। सुबह 4:30 से नौ बजे मंगला आरती, तुलसी आरती, गुरू पूजा होगी। इसके बाद शाम तक अविरल भजनों की शृंखला जारी रहेगी। संध्या आरती, प्रवचन, महाअभिषेक, छप्पन भोग लगेगा व रात 12 बजे महाआरती होगी।

भगवान श्रीकृष्ण के रंग-बिरंगे वस्त्रों की खूब हुई खरीदारी

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी को लेकर बाजारों में रौनक बढ़ गई है। कान्हा के जन्मोत्सव मनाने के लिए हर कोई लालायित है। घरों में इसकी तैयारी जोरों पर चल रही हैं। वहीं अमीनाबाद, आलमबाग, चौक, भूतनाथ मार्केट में लड्डू गोपाल के साथ विभिन्न लीलाओं की मूर्तियों के लिए खरीदारों की भीड़ उमड़ रही है। साथ ही ठाकुर जी के झूलों, सिंहासनों, ज्वेलरी व पोशाकों से सज गया है। सराफा बाजार में भी सोने-चांदी के गोपाल, बांसुरी की बिक्री बढ़ गई। भगवान श्रीकृष्ण रंग बिरंगे वस्त्रों में सजे हैं। जहां पीतल के लड्डू गोपाल सुंदर वस्त्रों में सजकर पालने में झूल रहे हैं। वहीं मनमोहक बांसुरी बजाते कन्हैया भक्तों को रिझाते नजर आ रहे हैं।

सोने-चांदी के हल्के झूले और सिंघासन की मांग अधिक: बाजार में उपलब्ध भगवान श्रीकृष्ण की मूर्तियां वाराणसी सहित मथुरा व मुंबई में तैयार की गई हैं। वहीं सराफा बाजार में चांदी के झूलों की कीमत 20 हजार रुपये से लेकर एक लाख रुपये तक हैं। वहीं सोने के लडडू गोपाल की कीमत 30 हजार रुपये से लेकर दो लाख रुपये तक है। सर्राफ कारोबारी विनोद महेश्वरी ने बताया कि सोने-चांदी के हल्के झूले और सिंघासन की मांग अधिक है। अधिकांश लोग चांदी का सिंघासन अपने लडडू गोपाल के लिए ले रहे हैं। उन्होंने बताया कि चांदी का सिंघासन पर लडडू गोपाल भी चांदी के ही बने लोग मांग रहे हैं। वहीं सराफा कारोबारी आदिश जैन ने बताया कि अधिकांश ग्राहक 50 हजार रुपये से कम कीमत वाले सोने के झूले खरीदना पसंद कर रहे हैं।

पंच धातु के लड्डू गोपाल: पालने में बैठे नन्हें लड्डू गोपाल, बगल में बैठी सुंदर सी राधा रानी के साथ अब अष्टधातु, पंच धातु में भी मिल रहे हैं। गोर वर्ण, पीतांबरी वर्ण के अलावा श्याम सुंदर, सांवली सूरत और नील वर्ण ठाकुर जी भी भक्तों से सेवा करा रहे हैं। इनका पूरा शृंगार भी दुकानों पर है। नीलगिरि चौराहा में सराफा कारोबारी राघव रस्तोगी ने बताया कि कान्हा जी के लिए चांदी के झूले व चांदी के लड्डू गोपाल, राधा-कृष्ण मूर्तियां है। उन्होंने बताया कि कुछ श्रृद्धालुओं ने लडडू गोपाल और झूला सोना की बांसुरी और मुकुट चांदी का बनवाया है।

खिलौने वाले आइटमों की ज्यादा मांग: जन्माष्टमी पर ठाकुरजी की झांकी सजाने के लिए भक्तों में खिलौनों की बहुत मांग है। अमीनाबाद के कारोबारी लोकेश रस्तोगी ने बताया कि लड्डू गोपाल के लिए लकड़ी का झूला, पोशाक, मुरली, घुंघुराले बाल, शीशा, जूतियां, पालना लाइटिंग गुब्बारे, सिंहासन, चारपाई, सिंहासन, नग से सजा चश्मा, माखन मटकी, लाइट झालर, कालिया नाग व अन्य खिलौने हैं। पिछले काफी समय से मंदी के दौर से गुजर रहा मुकुट पोशाक के कारोबार से जुडे.लोगों को श्री कृष्ण जन्माष्टमी पर्व से खासी उम्मीदें हैं। यही कारण है कि बाजार में इन दिनों नई डिजाइन की पोशाकें पहुंच गईं हैं। सुंदर और सजीली पोशाकों को श्रृद्धालु खरीद भी रहे हैं।

डिजायनर झूलों की धूम: इस बार बाजार में श्रीकृष्ण भगवान के झूलों व पोशाकों की खूब खरीदारी कर रहे हैं। बाजार में इस बार राधा कृष्ण की तरह-तरह की ड्रेस आयी हैं, जिन्हें लोग बड़ी संख्या में खरीद रहे हैं। दुकानदार विजय ने बताया कि इस बार सबसे ज्यादा डिमांड डिजायनर झूलों की है। इस बार झूलों में बहुत ज्यादा वैरायटी आयी है। ग्राहक राधा कृष्ण की पोशाकों के साथ-साथ अपने बच्चों को भी राधा-कृष्ण के रूप में सजाते हैं जिसके लिए हमने बड़े साइज के भी कपड़े बनवा रखें। लोग उन्हें भी बड़ी संख्या में खरीद रहे हैं।

मोरपंख राधा-कृष्ण के प्रेम का प्रतीक: जन्माष्टमी के खास मौके पर हर घरों में तैयारियां चल रही है। खूब पकवान बनाए जा रहे हैं और कृष्ण के पालकी से लेकर मंदिर को फूलों से सजाया जा रहा है। लड्डू गोपाल के जन्म के बाद गोपाल को स्नान करा के नन्हें नंद के लाला का श्रृंगार किया जाता हैं। नन्हे बाल गोपाल की सजावट में कोई कमी ना रह जाए। इसके लिए ये बेहद जरूरी है कि कान्हा के जन्मोत्सव पर उनका श्रृंगार उनकी प्रिय और शुभ चीजों से कैसे किया जाए। इसके लिए आपको शुभ चीजों से बाल गोपाल का श्रृंगार करें। मोरपंख के बिन कृष्ण की कल्पना नहीं की जा सकती। मान्यता है कि मोरपंख राधा.कृष्ण के प्रेम का प्रतीक है इसलिए कान्हा हमेशा इसे अपने सिर पर सजाते हैं। उनके मुकुट में मोरपंख सदैव लगा होता है। श्रीकृष्ण के मुकुट की सजावट मोर पंख के बिना अधूरी है।

गणेशगंज की डिजिटल मूविंग झांकी में दिखेगी भगवान कृष्ण की लीला

लखनऊ। मित्तल परिवार की ओर से न्यू गणेशगंज अमीनाबाद रोड की डिजिटल मूविंग जन्माष्टमी झांकी शुक्रवार शाम 6 बजे से शुरू होगी। छह दिन तक अलग-अलग लीलाओं का प्रदर्शन किया जाएगा। कल पहले दिन कान्हा की गोकुल भ्रमण लीला का लाइट एंड साउंड और बिजली से चलने वाली मूर्तियों के जरिए सजीव प्रदर्शन किया जाएगा। इसके साथ राधा कृष्ण को झूला झुलाने वाली परंपरागत झांकी के साथ सीना चीरते हनुमान जी झांकी भी लग रही है। 20 फुट के शिवलिंग के साथ सेल्फी प्वाइंट इस बार की झांकी के खास आकर्षण होंगे। बंदर नचाता मदारी, भालू का नाच और स्नेक चार्मर जैसी बिजली से चलने वाली झांकियां बच्चों को लुभाने के लिए तैयार हैं। एलईडी लाइट वाले गेट पर कान्हा का दर्शन सबको लुभाने को तैयार है। इस दौरान नाका चौराहे से न्यू गणेशगंज तक के मुख्य मार्ग पर मेले सा माहौल दिखेगा। तरह तरह के झूले, चाट पकौड़ी की दुकानें, खिलोने और अन्य सामग्री बेचने वाले यहां अपनी दुकानें सजाएंगे। जहां से लोग मनपसंद सामग्री खरीद सकेंगे।

ऋषि का सद्साहित्य न्याय व्यवस्था के पथ पर चलने की शक्ति प्रदान करता है : उमानन्द शर्मा

● 471वें युगऋषि वाङ्मय की स्थापना सम्पन्न

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। गायत्री ज्ञान मंदिर इंदिरा नगर, लखनऊ के विचार क्रान्ति ज्ञान यज्ञ अभियान के अन्तर्गत न्यायमूर्तिगण पुस्तकालय, उच्च न्यायालय, लखनऊ खण्डपीठ, लखनऊ, उ०प्र० में गायत्री परिवार के संस्थापक युगऋषि पं. श्रीराम शर्मा आचार्य द्वारा रचित सम्पूर्ण 79 खण्डों का 471वाँ ऋषि वाङ्मय की स्थापना का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

बीपी सविता ने अपने सम्मानित पूर्वजों की स्मृति में ज्ञानदान के रुप में उपरोक्त पुस्तकालय में यह सम्पूर्ण युगऋषि वाङ्मय साहित्य भेंट किया साथ-साथ उपस्थित लोगों को अखण्ड ज्योति (हिन्दी) पत्रिका भेंट की गयी तथा मुख्य प्रलेखीकरण अधिकारी-सह-मुख्य पुस्तकालयाध्यक्ष हेमन्त शुक्ला एवं उनके समीक्षा अधिकारी विजय प्रताप सिंह को अमृतवाणी कैलेण्डर भेंट किया गया। इस अवसर पर वाङ्मय स्थापना अभियान के मुख्य संयोजक उमानंद शर्मा ने कहा कि ऋषि का सद्साहित्य न्याय व्यवस्था के पथ पर चलने की शक्ति प्रदान करता है।

बीपी सविता ने भी अपने विचार रखे। मुख्य प्रलेखीकरण अधिकारी-सह-मुख्य पुस्तकालयाध्यक्ष हेमन्त शुक्ला ने धन्यवाद ज्ञापित किया। वाङ्मय साहित्य स्थापना के इस अवसर पर गायत्री ज्ञान मंदिर के प्रतिनिधि उमानंद शर्मा, बीपी सविता, सावित्री शर्मा, सरस्वती सिंह एवं न्यायमूर्तिगण पुस्तकालय के मुख्य प्रलेखीकरण अधिकारी-सह-मुख्य पुस्तकालयाध्यक्ष हेमन्त शुक्ला, समीक्षा अधिकारी विजय प्रताप सिंह, समीक्षा अधिकारी सुदीप्त श्रीवास्तव, समीक्षा अधिकारी नीलेश पटेल, समीक्षा अधिकारी हेमन्त कुमार, सेक्शन आफिसर श्वेता श्रीवास्तव, सेक्शन आफिसर प्रीति मिश्रा इत्यादि मौजूद रहे।

लखनऊ के शौभिनव ने 'हनुमान अंश' में बिखेरा अपने अभिनय का जलवा

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। शहर के ओपुलेंट स्कूल ऑफ एक्टिंग एंड फिल्म्स के पूर्व छात्र, फैकल्टी एवं टीम सदस्य शौभिनव सत्या ने हनुमान अंश में अपने अभिनय से हर किसी का दिल जीत रहे हैं।

ओपुलेंट स्कूल ऑफ एक्टिंग एंड फिल्म्स ने फिल्म हनुमान अंश की उल्लेखनीय सफलता के लिए उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। संस्थान के संस्थापक मनीष नंदन ने कहा कि शौभिनव सत्या की सफलता पूरे ओपुलेंट परिवार के लिए गर्व का विषय है। छोटे शहरों और सामान्य पृष्ठभूमि से आने वाले प्रतिभाशाली युवाओं के लिए शौभिनव की यात्रा एक प्रेरणा है। उन्होंने कहा कि मेहनत, ईमानदारी, अनुशासन और प्रतिभा के बल पर शौभिनव ने अपनी अलग पहचान बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि फिल्म इंडस्ट्री में नए कलाकारों के लिए अपनी पहचान बनाना चुनौतीपूर्ण है। ऐसे में शौभिनव की उपलब्धियां इस बात का प्रमाण हैं कि निरंतर मेहनत और प्रतिभा के दम पर स्थापित धारणाओं और पारंपरिक सीमाओं को चुनौती दी जा सकती है। ओपुलेंट स्कूल ऑफ एक्टिंग एंड फिल्म्स के सह-संस्थापक एवं फिल्म निर्देशक नितिश नंदन ने कहा कि ओपुलेंट की स्थापना 15 मई 2011 को हुई थी और यह लखनऊ के शुरूआती प्रमुख फिल्म एवं एक्टिंग ट्रेनिंग संस्थानों में से एक है। उन्होंने बताया कि संस्थान के संस्थापक सदस्यों में से प्रशिक्षित स्वर्गीय अलोपी वर्मा जी के नाट्य समूह से जुड़े कलाकारों के साथ-साथ फिल्म अभिनेता आलोक नाथ, अभिनेत्री सीमा बिस्वास, टीवी के लोकप्रिय कलाकार योगेश त्रिपाठी, जो दरोगा हप्पू सिंह के किरदार के लिए जाने जाते हैं, तथा आशीष श्रीवास्तव सहित कई प्रतिष्ठित कलाकार एवं रंगकर्मी शामिल रहे हैं। नितिश नंदन ने बताया कि अपनी स्थापना से अब तक 1,500 से अधिक कलाकार ओपुलेंट से प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके हैं, जिनमें अनेक कलाकारों ने थिएटर, टेलीविजन और फिल्म के क्षेत्र में अपनी पहचान बनाई है। उन्होंने कहा कि शौभिनव सत्या के साथ विद्यार्थी और फैकल्टी के रूप में ओपुलेंट ने कई प्रोजेक्ट्स पर काम किया है। शौभिनव संस्थान से अपने जुड़ाव के दौरान न केवल कलाकार के रूप में सक्रिय रहे, बल्कि नई प्रतिभाओं के साथ अपने अनुभव साझा करते हुए एक फैकल्टी सदस्य के रूप में भी योगदान दिया है। नितिश नंदन ने आगे कहा, शौभिनव आज अपने व्यस्त पूर्व-निर्धारित शूटिंग शेड्यूल के कारण लगातार व्यस्त हैं। हमें उम्मीद है कि वे अपने व्यस्त कार्यक्रम से समय निकालकर भविष्य में ओपुलेंट मीडिया एंड एंटरटेनमेंट के साथ भी फिल्म एवं अन्य रचनात्मक प्रोजेक्ट्स में काम करेंगे। ओपुलेंट परिवार के साथ उनका यह जुड़ाव हमारे लिए हमेशा विशेष रहेगा। मनीष नंदन ने कहा कि शौभिनव सत्या की सफलता ओपुलेंट के विद्यार्थियों और देशभर के उन युवाओं के लिए प्रेरणा है, जो छोटे शहरों से निकलकर सिनेमा की दुनिया में अपना भविष्य बनाना चाहते हैं।

उन्होंने कहा, शौभिनव आज एक उभरते हुए सितारे हैं और हमें विश्वास है कि आने वाले समय में वे एक बड़े कलाकार और सुपरस्टार के रूप में अपनी पहचान स्थापित करेंगे। उनकी यात्रा अभी शुरू हुई है और हमें उनकी आने वाली उपलब्धियों का इंतजार है। ओपुलेंट स्कूल ऑफ एक्टिंग एंड फिल्म्स परिवार ने शौभिनव सत्या को उनके आगामी प्रोजेक्ट्स एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

संक्षेप

हाईकोर्ट ने एसपी को किया तलब

जौनपुर। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पुलिस अधीक्षक को कोर्ट के आदेश की कथित अवहेलना के मामले में तलब किया है। अदालत ने प्रथम दृष्टया माना है कि 13 जुलाई को जारी किए गए आदेश का अनुपालन नहीं किया गया। मामले में कोर्ट ने कड़ा रुख अपनाते हुए एसपी को 3 सितंबर को व्यक्तिगत रूप से हाईकोर्ट के समक्ष उपस्थित होने का निर्देश दिया है। अदालत ने मामले की गंभीरता को देखते हुए वाराणसी जोन के अपर पुलिस महानिदेशक को भी 3 सितंबर को कोर्ट में उपस्थित रहने का निर्देश दिया है। कोर्ट के इस आदेश के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप की स्थिति है। सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि कानून के राज को बनाए रखने के लिए न्यायालय के आदेशों की अवहेलना स्वीकार नहीं की जा सकती। अदालत के रुख से संकेत मिल रहे हैं कि आदेश के अनुपालन में लापरवाही पाए जाने पर अवमानना की कार्रवाई भी हो सकती है।

करंट से विवाहिता की मौत

जौनपुर। सुजानगंज थाना क्षेत्र के नाहरमऊ गांव में गुरुवार को एक दर्दनाक हादसे में 35 वर्षीय विवाहिता की करंट लगने से मौत हो गई। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। कंचन घर में झाड़ू लगा रही थीं। इसी दौरान उन्होंने पंखे को दूसरे स्थान पर रखने का प्रयास किया। पंखा हटाते समय वह अचानक करंट की चपेट में आ गईं और गंभीर रूप से झुलस गईं। परिजन आनन-फानन में उन्हें उपचार के लिए ले जाने की तैयारी में जुटे, लेकिन उनकी मौत हो गई। हादसे की खबर मिलते ही गांव में मातम पसर गया। कंचन की मौत से उनके दो मासूम बच्चों के सिर से मां का साया उठ गया। घटना ने परिवार के साथ-साथ ग्रामीणों को भी झकझोर कर रख दिया।

संदिग्ध परिस्थिति में युवक की मौत

मड़िहान, मीरजापुर। थाना क्षेत्र के ग्राम सभा बेदौली में मंगलवार/बुधवार की देर रात एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में अचानक मौत हो गई। अचानक तबीयत बिगड़ने पर परिजन उसे अस्पताल ले जाने की तैयारी कर रहे थे, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। इसी दौरान क्षेत्र में तेज बारिश होने के कारण परिजनों को अस्पताल ले जाने में भी परेशानी का सामना करना पड़ा। बताया गया कि मृतक जीतू पुत्र स्वर्गीय अच्छेबर, निवासी ग्राम सभा बेदौली के माता-पिता का पहले ही निधन हो चुका था। माता-पिता के निधन के बाद उसके बड़े भाई सीताराम ही उसकी देखरेख करते थे। जीतू की अचानक मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया और गांव में शोक की लहर दौड़ गई। युवक की मौत को लेकर ग्रामीणों में तरह-तरह की चर्चाएं हैं। मौत के वास्तविक कारणों का स्पष्ट पता नहीं चल सका है।

निःशुल्क नेत्र शिविर 6 को

मीरजापुर। राष्ट्रवादी मंच की ओर से जरूरतमंद लोगों के लिए निःशुल्क नेत्र परीक्षण एवं मोतियाबिंद जांच शिविर का आयोजन 6 सितंबर 2026, रविवार को किया जाएगा। शिविर का आयोजन प्रातः 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक किया जाएगा। शिविर में नेत्र रोग विशेषज्ञों द्वारा मरीजों की आंखों की जांच की जाएगी तथा मोतियाबिंद से पीड़ित मरीजों को ऑपरेशन के लिए चिन्हित किया जाएगा। राष्ट्रवादी मंच द्वारा यह शिविर आरजे शंकरा आई हॉस्पिटल, यूनिट ऑफ श्री कांची कामकोटी मेडिकल ट्रस्ट के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है।

मासूम की मौत पर परिजनों ने लगाया लापरवाही का आरोप

सोनभद्र। सदर कोतवाली क्षेत्रांतर्गत धर्मशाला रोड स्थित एक निजी अस्पताल में बृहस्पतिवार को दोपहर में इंजेक्शन लगने के बाद एक मासूम बच्ची की मौत हो गई। इस घटना से आक्रोशित परिजनों ने अस्पताल परिसर में हंगामा शुरू कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने परिजनों को समझाकर शांत कराया और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

परिजनों की ओर से रॉबर्ट्सगंज थाना प्रभारी को दी गई तहरीर के मुताबिक, चुर्क वार्ड नंबर-1 निवासी सुरेंद्र की दो वर्षीय पुत्री को बुधवार को तेज बुखार था। देर रात बुखार अधिक बढ़ने पर वृहस्पतिवार को करीब तीन बजे भोर में वह बच्ची को लेकर धर्मशाला रोड स्थित निजी अस्पताल पहुंचे। चिकित्सकों ने बच्ची का परीक्षण करने के बाद कई जांच कराई। करीब दोपहर 12 बजे जांच रिपोर्ट आने के बाद डॉक्टर ने एक इंजेक्शन लिखकर उसे लगाने के लिए कहा। तहरीर में आरोप है कि सुरेंद्र ने मेडिकल से इंजेक्शन लेकर अस्पताल की नर्स को दिया। इंजेक्शन लगाते ही बच्ची की हालत बिगड़ गई और उसकी तत्काल मौत हो गई। इस घटना की जानकारी होने पर अन्य परिजन भी अस्पताल पहुंच गए। करीब तीन बजे दिन में परिजनों ने अस्पताल परिसर में हंगामा शुरू कर दिया।

सूचना पर रॉबर्ट्सगंज थाना प्रभारी धर्मेंद्र कुमार सिंह और महिला थाना प्रभारी सविता सरोज पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और परिजनों को समझाकर ढांढस बंधाते हुए शांत कराया। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिजनों ने प्रार्थना पत्र देकर अस्पताल बंद कराने और मामले में कानूनी कार्रवाई किये जाने की मांग की है। जबकि पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

शिवम को अध्यक्ष की जिम्मेदारी

दुद्धी, सोनभद्र। स्थानीय भाऊ राव देवरस राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुद्धी में हिंदी विभाग के तत्वावधान में हिंदी छात्र परिषद का गठन उत्साहपूर्ण एवं गरिमामय वातावरण में किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. प्रीति कुमारी ने किया। उन्होंने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए विद्यार्थियों को संबोधित किया तथा उन्हें अध्ययन, अनुशासन, रचनात्मकता एवं नेतृत्व के प्रति प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी केवल ज्ञान के अर्जक नहीं, बल्कि समाज के भावी दिशा-निर्धारक हैं; आवश्यकता है कि उनकी ऊर्जा को सृजनात्मक दिशा प्रदान की जाए।

डीएम ने सीएम युवा उद्यमी विकास योजना की प्रगति के बारे में ली जानकारी

मीरजापुर। डीएम पवन कुमार गंगवार की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास योजना की जनपद स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में योजना की प्रगति, ऋण स्वीकृति, ऋण वितरण, लंबित आवेदनों के निस्तारण तथा पात्र युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने के लिए किए जा रहे प्रयासों की विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक में डीएम ने कहा कि मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास योजना प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है, जिसका उद्देश्य युवाओं को रोजगार मांगने वाला नहीं बल्कि रोजगार देने वाला बनाना है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक पात्र युवक एवं युवती को समयबद्ध तरीके से योजना का लाभ उपलब्ध कराना सभी संबंधित विभागों एवं बैंक अधिकारियों की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने निर्देशित किया कि योजना के अंतर्गत प्राप्त होने वाले प्रत्येक आवेदन का गुणवत्तापूर्ण एवं पारदर्शी परीक्षण किया जाए तथा अनावश्यक रूप से किसी भी आवेदन को लंबित न रखा जाए। पात्र अभ्यर्थियों के आवेदन निर्धारित समय सीमा के भीतर स्वीकृत कर ऋण वितरण की प्रक्रिया पूर्ण कराई जाए।जिलाधिकारी ने बैंकवार प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों से लक्ष्य के सापेक्ष उपलब्धियों की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि जिन बैंक शाखाओं में आवेदन लंबित हैं, वहां विशेष अभियान चलाकर शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि बैंक अधिकारी आवेदकों को बार-बार चक्कर लगाने के लिए विवश न करें। यदि किसी आवेदन में कोई कमी हो तो संबंधित अभ्यर्थी को तत्काल सूचित करते हुए निर्धारित समय में कमी पूर्ण कराई जाए। डीएम ने सभी बैंक अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि आपके बैंकों में 662 आवेदन पेंडिंग हैं। उन्होंने कहा कि जो निस्तारण योग्य हैं उसका निस्तारण करें तथा जिन आवेदनों में कतिपय कमियां हैं उसकी सूची बनाकर एक सप्ताह के अन्दर उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने उद्योग विभाग के अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि जो आवेदन बैंकों द्वारा अस्वीकृत कर दिया गया है उसे अपने स्तर पर कमियां दूर कर पुनः बैंकों को भेजें। उन्होंने प्रबंधक लीड बैंक को निर्देशित करते हुए कहा कि जो भी आवेदन लम्बित हैं उसे बैंकवार क्लस्टरवार सूची बनाकर उपलब्ध कराएं ताकि उसका निस्तारण कराया जा सके।बैठक में डीएम ने कहा कि युवाओं को स्वरोजगार स्थापित करने के लिए शासन द्वारा बेहतर अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। ऐसे में सभी विभाग आपसी समन्वय स्थापित कर अधिक से अधिक पात्र युवाओं को योजना से जोड़ें।

मटका फोड़ प्रतियोगिता, कृष्ण की बाल लीलाओं की झांकी ने मोहा मन

आजमगढ़। शहर के प्रतिष्ठित सेंट जेवियर्स हाई स्कूल, समेदा के परिसर में गुरुवार को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की पूर्व संध्या पर मटका फोड़ प्रतियोगिता का आयोजन धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत विद्यालय के प्रबंध निदेशक प्रशांत चंद्रा, आवासीय प्रबंध निदेशक अनिरुद्ध जायसवाल, प्रधानाचार्य विननंज शर्मा, उप प्रधानाचार्या संगीता राय और समन्वयक कुणाल गुप्ता ने भगवान श्रीकृष्ण और राधा की वंदना के साथ की। मटका फोड़ प्रतियोगिता में मटके को करीब 25 फीट की ऊंचाई पर बांधा गया था। विद्यार्थियों ने गोविंदाओं का रूप धारण कर पिरामिड बनाते हुए मटके तक पहुंचने का प्रयास किया। रोमांचक मुकाबले में रेड हाउस के विद्यार्थियों ने महज 13 सेकंड में मटका फोड़कर प्रतियोगिता में विजय हासिल की। इस अवसर पर विद्यालय के प्रबंध निदेशक प्रशांत चंद्रा ने भगवान श्रीकृष्ण के जीवन चरित्र पर प्रकाश डालते हुए कहा कि श्रीकृष्ण ने अपने जीवन में अनेक लीलाएं कीं और सदैव सत्य के मार्ग पर चलने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने सत्य का साथ देते हुए पांडवों को महाभारत के युद्ध में विजय दिलाई। उनका जीवन विद्यार्थियों के लिए सत्य, कर्तव्य और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। आवासीय प्रबंध निदेशक अनिरुद्ध जायसवाल ने विद्यार्थियों और शिक्षकों को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने विद्यार्थियों से सदैव सत्य के मार्ग पर चलने तथा अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से निर्वहन करने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दीं। बच्चों ने भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं पर आधारित सुंदर झांकी प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम के समापन पर प्रधानाचार्य विननंज शर्मा ने सभी शिक्षकों और विद्यार्थियों को जन्माष्टमी की शुभकामनाएं दीं तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

मशाल जुलूस निकाल कर ग्रामीण महिलाओं ने दिया बदलाव का संदेश

आजमगढ़। प्रगतिशील शायर कैफी आजमी के पैतृक गांव मेजवा में चल रही शूटिंग के अंतिम दिन बृहस्पतिवार को मशहूर फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा की टीम ने कैफी आजमी स्पोर्ट्स स्टेडियम और कैफी रोड के आसपास की हरियाली को कैमरे में कैद किया। शूटिंग के दौरान गांव के प्राकृतिक परिवेश और हरियाली को विशेष रूप से फिल्माया गया। इसके पूर्व बुधवार की देर शाम ग्रामीण महिलाओं ने मशाल जुलूस निकालकर सामाजिक बदलाव का संदेश दिया। मंदिर परिसर से निकला जुलूस कैफी आजमी गर्ल्स इंटर कॉलेज होते हुए कैफी आजमी स्पोर्ट्स स्टेडियम पहुंचा। इस दौरान महिलाओं ने कमाने वाला खाएगा, लूटने वाला जाएगा, नया जमाना आएगा का नारा लगाया। मशाल जुलूस के साथ कैफी आजमी गर्ल्स इंटर कॉलेज की प्रधानाचार्य शेख समीना आजमी, बोर्ड मेंबर विकास और मिजवां सोसायटी के उप प्रबंधक मनोज कुमार भी चल रहे थे। जुलूस को लेकर ग्रामीणों में खासा उत्साह दिखाई दिया। मिजवां सोसायटी के उप प्रबंधक मनोज प्रजापति ने बताया कि आगामी 26 सितंबर को मुंबई में बारहवां फैशन शो आयोजित होना है। इसी की तैयारियों के मद्देनजर मेजवा में शूटिंग की गई है। उन्होंने बताया कि शूटिंग के दौरान गांव के प्राकृतिक सौंदर्य और हरियाली को भी कैमरे में कैद किया गया।

जेसीबी के सामने लेटकर महिलाओं का विरोध

जौनपुर। मड़ियाहूं कस्बे के ददरा गांव में स्थित पब्लिक स्कूल के सामने एक निजी भूमि में खुदाई करवाकर नाला बनवा रहे राजस्वकर्मियों के विरोध में किसानों की महिलाओं ने जेसीबी के सामने लेटकर विरोध प्रदर्शन किया जिससे मौके पर हड़कंप की स्थिति बनी रही। किसान महिलाओं का आरोप है कि नाला बन जाने से सैकड़ो किसानों की मक्के की फसल पूरी तरह नष्ट हो जाएगी। सुरक्षा के लिए मौके पर लगाई गई पुलिस प्रशासन भी दर्जनों महिलाओं के आगे बेबस नजर आई। मौके की नजाकत देखकर राजस्व कर्मी जेसीबी लेकर उल्टे पांव वापस चले आए। महिलाओं ने राजस्व कर्मियों की मंशा पर जेसीबी रुकवा कर पानी फेर दिया है। दो दिनों से मूसलाधार बरसात होने के कारण किशुनपुर ददरा समेत तमाम गांवों की बरसात की पानी निकासी नहीं होने के कारण किसानों की खेत डूब गई है वहीं ददरा प्राइमरी स्कूल भी डूब गया है। जिसके कारण शिक्षण कार्य बंद है। बरसात की पानी की निकासी ददरा बाईपास बनने से रुक गई है जिसके कारण पश्चिम तरफ का पानी सड़क के किनारे मदर जुबैदा पब्लिक स्कूल के आसपास लगी हुई है। ग्रामीणों की शिकायत पर गुरुवार को हल्का लेखपाल एवं कानूनगो अपने चार-पांच लेखपालों के साथ पहुंचकर पहले पैमाइश किया उसके बाद एक विवादित भूमि के बगल जेसीबी लगाकर खुदाई करने लगे। पट्टे के विवादित भूमि के बगल खुदाई कर रहे जगह पर रजिस्ट्री मालकिन का बेटा जावेद भी पहुंचा और अपनी भूमि बताते हुए खुदाई रोकने का प्रयास किया। जावेद की माना जाए तो वह 2006 में उक्त जमीन की रजिस्ट्री कराई थी। नाला बनाने की समाचार जैसे ही भंडारिया मोहल्ले में पहुंची मोहल्ले की दर्जनों महिलाएं खुदाई वाले स्थान पर पहुंचकर जेसीबी के सामने लोटकर विरोध करना शुरू कर दिया इसके बाद लेखपाल एवं कानूनगो और भारी संख्या में पहुंची पुलिस प्रशासन के हाथ पांव फूल गए। प्रशासन ने खुदाई रुकवा दिया और महिलाओं को समझाना बुझाना शुरू किया लेकिन महिलाएं बोली कि अगर पश्चिम तरफ के गांव का पानी हमारे खेतों में जाती है तो धान एवं मक्के की फसल समेत अन्य फसले सड़ जाएंगे इसके साथ ही हम लोगों का घर भी डूब जाएगा इससे जानमाल की भी नुकसानी हो सकती है। प्रशासन काफी महिलाओं को समझाया लेकिन महिलाएं एक बात भी मानने को तैयार नहीं रही जिसके कारण राजस्व निरीक्षक जेसीबी लेकर उल्टे पाव लौट आएं।

सामाजिक मूल्यों और मानवीय संवेदनाओं को आद्या प्रसाद ने दिया महत्व : पंकज

आजमगढ़। भाजपा के प्रदेश मंत्री सहजानंद राय के पिता स्व. आद्या प्रसाद राय की पांचवीं पुण्यतिथि पर गुरुवार को दुवार्सा धाम में श्रद्धांजलि कार्यक्रम, विशाल रक्तदान शिविर और पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चैधरी तथा उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चैधरी की गरिमामयी उपस्थिति रही। कुसुम चैरिटेबल ब्लड एंड कम्पोनेंट सेंटर की ओर से आयोजित रक्तदान शिविर का शुभारंभ भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चैधरी ने फीता काटकर किया। उन्होंने रक्तदाताओं से संवाद कर उनका उत्साहवर्धन किया और रक्तदान जैसे पुनीत कार्य में सहभागिता के लिए आयोजकों एवं रक्तदाताओं की सराहना की।

प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने कहा कि स्व. आद्या प्रसाद राय की पुण्यतिथि पर आयोजित सेवा कार्य उनके संस्कारों और समाज के प्रति समर्पण की भावना को आगे बढ़ाने वाला है। रक्तदान केवल सामाजिक सेवा नहीं, बल्कि जरूरतमंद व्यक्ति का जीवन बचाने का संकल्प है। उन्होंने कहा कि भाजपा का मूल मंत्र सेवा, समर्पण और अंत्योदय है और ऐसे आयोजन इसी भावना को मजबूत करते हैं। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चैधरी ने स्व. आद्या प्रसाद राय को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उन्होंने अपने जीवन में सामाजिक मूल्यों और मानवीय संवेदनाओं को महत्व दिया। उनकी पुण्यतिथि पर रक्तदान शिविर का आयोजन समाजसेवा की परंपरा को आगे बढ़ाने का सार्थक प्रयास है। भाजपा प्रदेश मंत्री सहजानंद राय ने अपने पिता को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि स्व. आद्या प्रसाद राय शिक्षक थे और उन्होंने जीवनभर सेवा, संस्कार तथा समाज के प्रति जिम्मेदारी का मार्ग दिखाया। उनकी स्मृति में जरूरतमंदों की सेवा करना उनके लिए सच्ची श्रद्धांजलि है। उन्होंने रक्तदाताओं, कार्यकताओं और शुभचिंतकों के प्रति आभार जताया। शिविर में भाजपा कार्यकताओं, युवाओं, सामाजिक कार्यकताओं और क्षेत्रीय नागरिकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। रक्तदाताओं का चिकित्सकीय परीक्षण करने के बाद रक्त संग्रह की समुचित व्यवस्था की गई। वहीं पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया गया।

स्पा सेंटर में छापेमारी से मचा हड़कम्प

आजमगढ़। रानी की सराय थाना क्षेत्र के बेलइसा सब्जी मंडी के सामने स्थित एक स्पा सेंटर में संदिग्ध गतिविधियों की सूचना पर बुधवार को पुलिस और प्रशासन की संयुक्त टीम ने छापेमारी की। कार्रवाई अपर पुलिस अधीक्षक नगर के नेतृत्व में की गई। बताया गया कि एसडीएम सदर, क्षेत्राधिकारी नगर और क्षेत्राधिकारी सदर पर्याप्त पुलिस बल के साथ स्पा सेंटर पहुंचे और मौके पर जांच-पड़ताल की। छापेमारी के दौरान सेंटर में 7 पुरुष और 3 महिलाएं मौजूद मिलीं। पुलिस के अनुसार, महिलाओं को समझा-बुझाकर वहां से वापस भेज दिया गया। वहीं, मौके पर मिले 7 पुरुषों के खिलाफ संबंधित धाराओं में नियमानुसार विधिक कार्रवाई की गई। पुलिस की इस कार्रवाई से स्पा सेंटरों में हड़कंप मच गया। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि संदिग्ध गतिविधियों की शिकायत मिलने पर ऐसे प्रतिष्ठानों की जांच और नियमानुसार कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

आउटसोर्सिंग व्यवस्था बेहतर हुई, लेकिन युवाओं के भविष्य की स्थिरता कब

सोनभद्र। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा 2 सितंबर,2026 को आउटसोर्सिंग कर्मचारी सेवा निगम का विधिवत शुभारंभ किए जाने का स्वागत करते हुए संयुक्त अधिवक्ता महासंघ उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष एवं सामाजिक कार्यकर्ता राकेश शरण मिश्र ने सरकार की रोजगार नीति को लेकर कई महत्वपूर्ण सवाल उठाए हैं। श्री मिश्र ने कहा कि आउटसोर्स कर्मचारियों को बेहतर वेतन, सामाजिक सुरक्षा और अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में सरकार की पहल स्वागत योग्य है, लेकिन सवाल यह है कि क्या यह व्यवस्था उत्तर प्रदेश के युवाओं के लिए स्थायी रोजगार का विकल्प बन सकती है? उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश को ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में सरकार बड़े निवेश, औद्योगिक विकास और बुनियादी ढांचे की बात कर रही है। ऐसे में प्रदेश के युवाओं के रोजगार का मॉडल भी स्पष्ट होना चाहिएकृस्थायी नौकरी या वर्षों तक आउटसोर्सिंग? कहा कि सरकारी विभागों में अनेक कर्मचारी वर्षों से लगातार वही जिम्मेदारियां निभा रहे हैं। जब काम स्थायी है, आवश्यकता स्थायी है और जिम्मेदारी भी स्थायी है, तो रोजगार अस्थायी क्यों रखा जाए? श्री मिश्र ने सरकार से मांग की कि आउटसोर्स व्यवस्था को बेहतर बनाने के साथ-साथ नियमित भर्तियों में तेजी लाई जाए, रिक्त सरकारी पदों को शीघ्र भरा जाए और वर्षों से कार्यरत संविदा कर्मचारियों के भविष्य के लिए स्पष्ट एवं न्यायपूर्ण नीति बनाई जाए। उन्होंने आउटसोर्सिंग एजेंसियों के चयन, सेवा शुल्क, भुगतान व्यवस्था और कर्मचारियों को मिलने वाले वास्तविक वेतन में पूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित करने की भी मांग की। कहा कि वे आउटसोर्स कर्मचारियों के विरोध में नहीं हैं, बल्कि ऐसी व्यवस्था पर सवाल उठा रहे हैं जिसमें प्रदेश का युवा अपने जीवन के महत्वपूर्ण वर्षों को नौकरी की असुरक्षा के बीच गुजारने के लिए मजबूर हो जाता है। मनरेगा संविदा कर्मचारियों के लिए भी स्पष्ट नीति की मांग। श्री मिश्र ने विशेष रूप से मनरेगा में संविदा पर कार्यरत कर्मचारियों का मुद्दा उठाते हुए कहा कि ग्रामीण विकास व्यवस्था में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाने वाले अनेक कर्मचारी 20-20 वर्षों से लगातार अपनी सेवाएं दे रहे हैं। ऐसे कर्मचारियों के लिए भी सरकार को स्थायीकरण अथवा कम से कम मजबूत नौकरी सुरक्षा की स्पष्ट नीति बनानी चाहिए। उन्होंने कहा कि वर्षों से सेवा दे रहे कर्मचारियों के अनुभव और सेवाओं को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। सरकार को उनके भविष्य को सुरक्षित करने के लिए न्यायपूर्ण और मानवीय नीति बनानी चाहिए।

कमलापति त्रिपाठी की मनायी जयंती

सोनभद्र। जिले के कांग्रेसजनों द्वारा कचहरी परिसर के पत्रकारिता व राजनीति के प्रतिमान पुरुष उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलापति त्रिपाठी की 121वीं जयंती गोष्ठी के रूप में मनाई गई। गोष्ठी को संबोधित करते हुए अधिवक्ता एवं युवक कांग्रेस के पूर्व प्रदेश महासचिव धीरज पांडेय ने कहा कि मात्र 15 साल की आयु में 1920 के असहयोग आंदोलन में जेल जाने वाले कमलापति त्रिपाठी जी महात्मा गांधी द्वारा भारत की आजादी के लिए सुरु किए गए विभिन्न आंदोलनों में करीब छह वर्ष जेल में रहे, वह पत्रकारिता जगत से भी जुड़े रहे जेल में रहते वक्त स्व0त्रिपाठी ने बापू और मानवता, बापू और भारत, इस्लामी दुनिया का सिरताज जैसे ग्रंथ लिखे, आचार्य नरेंद्र देव और संपूर्णानंद के शिष्य के रूप में काशी विद्यापीठ से शास्त्री की उपाधि ली, प्रसिद्ध संपादक बाबू राव पड़ाकर के शिष्य के रूप में सन 1932 से अपनी पत्रकारिता करने वाले त्रिपाठी ने आगे चलकर आज और संसार जैसे प्रतिष्ठित पत्रों का संपादन किया एक हिंदी सेवी और साहित्यकार के रूप में उनका अहम योगदान रहा उनका संपादकीय कार्य 1952 के आम चुनाव तक जारी रहा उसके बाद तो वह विधायक व उप्र मन्त्रिमण्डल के सदस्य के तौर पर सत्ता की राजनीति से जुड़े रहे उसके अगले पांच दसक उप मुख्यमंत्री, मुख्यमंत्री, केंद्रीय मंत्री, राज्य सभा के नेता विपक्ष जैसी भूमिकाएं उनके नाम रही।

आशुतोष पाठक ने कहा की कमलापति त्रिपाठी अपने राजनीतिक दौर में एक दक्ष प्रशासक और विकास के राजनीति के लिए जाने गए उत्तर प्रदेश में सिंचाई और बिजली विभाग और केंद्र में रेल, सड़क, परिवहन मंत्री के रूप में उन्होंने अपने काम काज से हर क्षेत्र में गहरी छाप छोड़ी,उनके संगठन क्षमता का ही सम्मान था कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने उन्हें कार्यकारी अध्यक्ष के रुप मे स्वीकार्य किया, साथ ही साथ पंडित जी एक धर्मनिष्ठ व्यक्ति थे वो लगभग तीन घण्टे पूजा करते थे सनातन में उनकी गहरी आस्था थी।

राधा कृष्ण बनकर लोगों का मन मोहा

जौनपुर। जफराबाद क्षेत्र केराजकीय उच्चतर माध्यमिक हाई स्कूल परियावां में झूलन उत्सव एवं मटकी फोड़ कार्यक्रम का हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ आयोजन किया गया। कक्षा 10 के छात्र अनुराग ने भगवान श्रीकृष्ण तथा कक्षा 9 की छात्रा आकांक्षा ने राधा के रूप में अपनी मनमोहक एवं मनोहारी छवि प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। उनके सुंदर रूप-सज्जा एवं प्रस्तुति ने कार्यक्रम को विशेष आकर्षण प्रदान किया। प्रधानाध्यापिका शशिकला सिंह ने कहा कि हमारी संस्कृति और सांस्कृतिक विरासत हमारी पहचान है। नई पीढ़ी को अपनी गौरवशाली परंपराओं, लोकाचार एवं संस्कारों से जोड़ना हम सभी का दायित्व है। उन्होंने विद्यार्थियों को अपनी सांस्कृतिक विरासत को सुरक्षित रखने, उसका सम्मान करने तथा आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने का संदेश दिया।कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में भारतीय संस्कृति, परंपराओं, संस्कारों एवं सांस्कृतिक विरासत के प्रति सम्मान और जुड़ाव की भावना विकसित करना तथा विद्यालयी शिक्षा के साथ-साथ उन्हें अपनी जड़ों से जोड़ना है।

जनपद के बाढ़ प्रभावित ग्रामों में राहत व बचाव कार्यों की जा रही प्रभावी कार्यवाही

मीरजापुर। जनपद में बाढ़ से प्रभावित ग्रामों में डीएम पवन कुमार गंगवार के निर्देश के क्रम में बचाव राहत के कार्य सक्रिय रूप से किया जा रहा है। डीएम ने आज ओझला पुल के पास गंगा नदी के किनारे केन्द्रीय जल आयोग बोर्ड के द्वारा लगाए गए पानी के जल स्तर के मापक स्थल का निरीक्षण कर जानकारी ली गई। डीएम ने तहसील सदर व चुनार के उपजिलाधिकारी, खण्ड विकास अधिकारियों तथा बाढ़ राहत व बचाव में लगाए गए समस्त अधिकारियों कर्मचारियों को निर्देशित किया कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में सभी बाढ़ चौकियों को सक्रिय करते हुए प्रभावित ग्रामों में राहत व बचाव का कार्य युद्ध स्तर पर किया जाए किसी भी स्तर पर लापरवाही क्षम्य नहीं होगी। कलेक्ट्रेट में स्थित कंट्रोल रूम से प्राप्त सूचना के अनुसार जनपद मीरजापुर में संभावित बाढ़ का परिदृश्य वर्तमान जलस्तर- 76.04 मीटर, वृद्धि,घटोत्तरी दर- 0.5 सेमी, घंटा, चेतावनी बिंदु का जलस्तर- 76.724 मीटर, खतरे के बिंदु का जलस्तर- 77.724 मीटर, कुल प्रभावित ग्राम- 12, विभिन्न विभागों द्वारा संचालित राहत कार्य, 1. कुल संचालित साधारण नाव -10, 2. कुल संचालित मोटर बोट -1, 2. कुल वितरित लंच पैकेट- 600, गठित मेडिकल टीम -38, बाढ़ के दौरान वितरित ओआरएस पैकेट -509, बाढ़ के दौरान वितरित क्लोरीन टैबलेट - 4340, लार्विसाइडल छिड़काव किए गए ग्रामों की संख्या - 221, बाढ़ पूर्व एवं दौरान किए जा रहे घर-घर पशु टीकाकरण की संख्या -92250, संचालित बाढ़ चौकी -37 (बाढ़ चौकी पर राजस्व विभाग, ग्राम विकास विभाग, पुलिस विभाग, स्वास्थ्य विभाग, पशुपालन विभाग के कर्मचारी तैनात रहते हैं सदर-14, चुनार-23) बाढ़ रेस्क्यू कार्य में लगी टीम -2 (एसडीआरएफ- 1 टीम, पीएसी-1 टीम), बाढ़ राहत बचाव हेतु आरक्षित एम्बुलेंस-8, बाढ़ चौकियों पर बाढ़ के दौरान अब तक उपचारित मानव-93, बाढ़, अतिवृष्टि में अब तक रेस्क्यू टीम द्वारा बचाये गए लोगों की संख्या-60 है।

नवविवाहित दंपती की संदिग्ध परिस्थिति में मौत

जौनपुर। खुटहन थाना क्षेत्र के तिसौली गांव में बुधवार की रात पति-पत्नी के बीच हुए विवाद के बाद नवविवाहित दंपती की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। गुरुवार सुबह कमरे का दरवाजा तोड़कर परिजनों ने देखा तो पत्नी का शव बेड पर पड़ा था, जबकि पति का शव दुपट्टे के फंदे से लटक रहा था। एक ही कमरे में दोनों के शव मिलने से गांव में सनसनी फैल गई। तिसौली गांव निवासी मिठाईलाल के 23 वर्षीय पुत्र गोविंद की शादी करीब तीन माह पहले 10 मई को 21 वर्षीय नेहा के साथ हुई थी। ग्रामीणों के मुताबिक शादी के बाद से ही दोनों के बीच किसी न किसी बात को लेकर विवाद होता रहता था। विवाद के चलते नेहा कई बार मायके भी चली जाती थी।बताया जा रहा है कि बुधवार को भी पति-पत्नी के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। इसके बाद दोनों रात में अपने कमरे में चले गए। सुबह काफी देर तक कमरे का दरवाजा नहीं खुला तो परिजनों ने आवाज लगाई, लेकिन अंदर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। आशंका होने पर दरवाजा तोड़ा गया। कमरे के भीतर का दृश्य देखकर परिजनों के होश उड़ गए।नेहा का शव बेड पर पड़ा था, जबकि गोविंद का शव फंदे से लटक रहा था। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।बताया गया कि घर में गोविंद, उसके पिता मिठाईलाल और पत्नी नेहा रहते थे। गोविंद का छोटा भाई धर्मेंद्र परदेश में रहता है, जबकि उसकी मां का पहले ही निधन हो चुका है।थानाध्यक्ष विक्रम लक्ष्मण सिंह ने बताया कि दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस दंपती की मौत के कारणों की जांच कर रही है।

क्षेम जी की रचनाओं ने प्रेम व आत्मीयता का संदेश दिया

जौनपुर। 'एक पल ही जियो, फूल बनकर जियो, शूल बनकर ठहरना नहीं..' जैसी जीवनदृष्टि को अपनी रचनाओं के माध्यम से समाज तक पहुंचाने वाले जौनपुर के कालजयी रचनाकार श्रीपाल सिंह क्षेम की 104वीं जयंती पर बुधवार की शाम साहित्य प्रेमियों ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उनकी स्मृति में नगर के सिद्धार्थ उपवन सभागार में पुण्य स्मरण कार्यक्रम एवं कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में साहित्य, शिक्षा, प्रशासन एवं सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों ने सहभागिता करते हुए क्षेम जी के व्यक्तित्व और कृतित्व को याद किया तथा उनकी रचनाओं को नई पीढ़ी तक पहुंचाने की आवश्यकता पर जोर दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एसपी नगर आयुष श्रीवास्तव ने डॉ. क्षेम को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनकी रचनाओं ने समाज को प्रेम और

आत्मीयता का संदेश दिया है। उन्होंने कहा, ह्लक्षेम जी जौनपुर की साहित्यिक धरोहर हैं। उनकी रचनाओं को संरक्षित करने के साथ ही उन्हें विस्तार देने और नई पीढ़ी तक पहुंचाने की जरूरत है। साहित्यकारों की रचनाएं समाज को दिशा देने का कार्य करती हैं और क्षेम जी का साहित्य आज भी प्रासंगिक है।ह्व उन्होंने कहा कि ऐसे साहित्यकारों की स्मृतियों को जीवंत रखना हम सभी की जिम्मेदारी है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे लोक सेवा आयोग के पूर्व सदस्य डॉ. आर.एन. त्रिपाठी ने कहा कि क्षेम जी ने अपनी साहित्यिक रचनाओं के माध्यम से छायावाद काल में हिंदी भाषा को मजबूती प्रदान की। उन्होंने कहा, जौनपुर के हिंदी जगत का स्वर्णिम काल पंडित रूप नारायण त्रिपाठी और क्षेम जी की रचनाओं का काल रहा है। क्षेम जी का साहित्य जौनपुर की गौरवशाली साहित्यिक परंपरा का महत्वपूर्ण हिस्सा है और उनकी रचनाओं को व्यापक स्तर पर सामने लाने की आवश्यकता है। विशिष्ट अतिथि पूर्वांचल विवि के पत्रकारिता विभाग के अध्यक्ष डॉ. मनोज मिश्र ने क्षेम जी की दुर्लभ रचना का सस्वर पाठ कर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने पढ़ा, ह्लआंधियों में बसेरे मिलेंगे, डूबता सूर्य यह कह गया है, फिर सबेरे-सबेरे मिलेंगे...उनकी भावपूर्ण प्रस्तुति से सभागार का वातावरण साहित्यिक और भावुक हो उठा। श्रोताओं ने तालियों की गड़गड़ाहट के बीच क्षेम जी के साहित्य को नमन किया। विशिष्ट अतिथि एवं पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष दिनेश टंडन ने कहा कि साहित्यकारों की स्मृतियों को चिरस्थायी बनाए रखना समाज की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि क्षेम जी की स्मृतियों को चिरस्थायी रखने के लिए नगर पालिका की ओर से नगर के शेषपुर तिराहे पर क्षेम उपवन की स्थापना कराई गई है। इसी परिसर में उनकी आदमकद प्रतिमा भी स्थापित कराई गई है।

किसानों की सुविधा के लिए बढ़ेंगे धान क्रय केंद्र

सोनभद्र। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ की अध्यक्षता में जनसुनवाई कक्ष में खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में मूल्य समर्थन योजना के अन्तर्गत धान खरीद की तैयारियों की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने किसानों की सुविधा एवं धान खरीद की सुचारू व्यवस्था के लिए क्रय केन्द्रों की संख्या बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने खाद्य विभाग के अनुमोदित 38 क्रय केन्द्रों को बढ़ाकर 50 करने तथा मण्डी समिति एवं भारतीय खाद्य निगम के 02-02 क्रय केन्द्रों के अतिरिक्त 02-02 केन्द्र बढ़ाने के निर्देश दिए। साथ ही जिला पीसीएफ को अपने 30 धान क्रय केन्द्रों का प्रस्ताव तत्काल उपलब्ध कराने को कहा। जिलाधिकारी ने गतवर्ष की वास्तविक धान खरीद 1,25,837.34 मीट्रिक टन तथा जनपद में धान की उत्पादकता को देखते हुए इस वर्ष खरीद लक्ष्य में वृद्धि के निर्देश दिए।

संक्षेप

दरोगा ने खुद को मारी गोली, मौत

मथुरा। गोकुल बैराज के पास गुरुवार शाम करीब पौने चार बजे एसपी ट्रैफिक के पेशकार ने सरकारी पिस्टल से खुद को गोली मार ली। माथे में गोली घुसने से उनकी मौके पर ही मृत्यु हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस विभाग में सनसनी फैल गई। पुलिस अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया और मामले की जानकारी जुटाई। मृतक की पहचान दारोगा पंकज यादव के रूप में हुई है। वह वर्तमान में एसपी ट्रैफिक के पेशकार के पद पर तैनात बताए जा रहे थे। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार पंकज यादव मूल रूप से एटा जिले के निवासी बताए जा रहे हैं। घटना के समय वह गोकुल बैराज के पास मौजूद थे। इसी दौरान उन्होंने सरकारी पिस्टल से खुद को गोली मार ली। गोली चलने की आवाज से आसपास मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक उनकी मृत्यु हो चुकी थी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजने की कार्रवाई शुरू कर दी है। इधर जिले में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के होने के चलते महकमे में इस घटना से खलबली मच गई है।

नाबालिग से दुष्कर्म का आरोप, केस दर्ज

चौमुहां। थाना जैत क्षेत्र के एक गांव में पंद्रह वर्षीय नाबालिग किशोरी के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पीड़ित पक्ष की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता, पॉक्सो एक्ट और एससी-एसटी एक्ट की सुसंगत धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरोपी घटना के बाद से फरार बताया जा रहा है। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमें संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही हैं। पुलिस के अनुसार, गांव की रहने वाली किशोरी को आरोपी युवक द्वारा सुनसान स्थान पर ले जाकर उसके साथ जबरन दुष्कर्म किए जाने का आरोप है। घटना के बाद पीड़िता ने घर पहुंचकर परिजनों को आपबीती बताई। जानकारी मिलते ही परिजन उसे लेकर थाना जैत पहुंचे और पुलिस को तहरीर दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू की। पीड़िता का चिकित्सकीय परीक्षण कराया गया है। पुलिस घटनास्थल और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर मामले की जांच कर रही है। थानाध्यक्ष सोनू सिंह ने बताया कि पीड़ित पक्ष की तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमें लगातार दबिश दे रही हैं। जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर

द्वारकाधीश मंदिर में रहेगी विशेष व्यवस्था

मथुरा। पुष्टिमार्ग संप्रदाय के प्रसिद्ध ठाकुर द्वारकाधीश मंदिर के विधि एवं मीडिया प्रभारी राकेश तिवारी एडवोकेट ने बताया कि मंदिर प्रशासन द्वारा जन्माष्टमी पर्व एवं नंद महोत्सव के अवसर पर श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं जिसके अनुसार मंदिर में केवल मुख्य द्वार से ही प्रवेश दिया जाएगा, जबकि अन्य दो द्वारों का उपयोग केवल निकास (बाहर निकलने) के लिए किया जाएगा। महिलाओं और पुरुषों के लिए दर्शन हेतु अलग-अलग कतारों की व्यवस्था की गई है। अत्यधिक भीड़ को देखते हुए बुजुर्गों, छोटे बच्चों और गर्भवती महिलाओं से अनुरोध है कि वे मंदिर परिसर के भीतर आने से बचें। श्रद्धालु बाहर लगाई गई टीवी/एलईडी स्क्रीन के माध्यम से दर्शन कर स्वयं को सुरक्षित रखें।

श्यामा-श्याम मिलन की लीला देख भाव-विभोर हुए भक्त

मथुरा। श्रीकृष्ण जन्मभूमि स्थित सिद्ध लीलामंच पर आज तृतीय दिवस पर भक्ति और विरट के मिले-जुले भावों की ऐसी बयार बढी कि हर आंख नम हो गई। श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान के तत्वावधान में प्रसिद्ध लीला मर्मज्ञ स्वामी देवकीनंदन जी महाराज की मंडली द्वारा कुरुक्षेत्र में हुए श्यामा-श्याम मिलन की अलौकिक लीला का मंचन किया गया। लीला की कथा का प्रारंभ द्वारका से होता है। मंच पर दिखाया गया कि द्वारका में नारद जी आकर सूर्यग्रहण पर कुरुक्षेत्र स्नान के महत्व का वर्णन करते हैं। श्रीकृष्ण, बलराम जी, मटारानी रुक्मिणी, सत्यभामा सहित समस्त यदुवंश कुरुक्षेत्र के लिए प्रस्थान करते हैं।

मैया यशोदा की ममता और राधा रानी के मौन विरह दर्शन कर श्रद्धालुजन अपने आंसू नहीं रोक पाए। रासाचार्य स्वामी देवकीनंदन जी महाराज ने लीला के मध्य बताया कि फुरुक्षेत्र की यात्रा केवल शरीर की नहीं, बल्कि बृजवासियों के हृदय की यात्रा थी, जो वर्षों से अपने कन्हैया से मिलने के लिए व्याकुल थे। लीला का चरमोत्कर्ष वढ था जब कुरुक्षेत्र के ब्रह्म सरोवर पर कृष्ण श्री राधा जी और ब्रजवासियों के समक्ष आते हैं। द्वारिकाधीश भगवान श्रीकृष्ण जैसे ही अपने माता-पिता नंद-यशोदा और गोप सखाओं को देखते हैं, दौड़ पड़ते हैं मिलने को। कृष्ण का स्वरूप धारण किया था, उसने इस भाव को इतनी सजीवता से निभाया कि पंडाल में जय दो-जय होष्के स्वर गूंज उठे। मैया यशोदा का अपने कन्टैया को गले लगाना और नंद बाबा के अश्रु देखकर कई श्रद्धालु भी रो पड़े। इस लीला का सबसे दिव्य प्रसंग श्यामा-श्याम मिलन का रहा। बताया गया कि रुक्मिणी जी और द्वारका की अन्य रानियों ने जब सुना कि बृज की एक गोपी के प्रेम के आगे द्वारकाधीश सब कुछ भूल जाते हैं, तो वे राधा जी से मिलने को आतुर हो गई। कन्दैया से मिलने पर श्री राधा रानी न कुछ कहती हैं और न ही कोई उलाहना देतीं। वे बस अश्रुपूर्ण नेत्रों से अपने श्याम को निहारती हैं। कृष्ण भी मौन हैं। दोनों के बीच का यह मौन संवाद टी बृज के निःस्वार्थ एवं पवित्र प्रेम का दर्शन है। श्यामा श्याम मिलन की दिव्य रसमयी लीला के दर्शन के मध्य श्रीकृष्ण जन्मभूमि प्रांगण राधे राधे - जय श्री कृष्ण के जयकारों से गुंजायमान हो उठा। संस्थान के सचिव कपिल शर्मा एवं सदस्य गोपेश्वरनाथ चतुर्वेदी ने बताया कि श्रीकृष्ण जन्मस्थान के सिद्ध लीलामंच पर ठाकुर जी की लीलाओं का दर्शन अनेकानेक भगवत प्राप्त संत और महापुरुयों ने कर रासबिहारी की पानुभूति प्राप्त की है।

अभेद्य किले में तब्दील हुई जन्मभूमि चप्पे-चप्पे पर कमांडो का पहरा

मथुरा। भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव को लेकर ब्रज नगरी मथुरा पूरी तरह सजकर तैयार है। कान्हा के आगमन से पूर्व ही श्रीकृष्ण जन्मभूमि और पूरे मथुरा शहर को सुरक्षा के लिहाज से अभेद किले में तब्दील कर दिया गया है। देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा के चाकचौबंद इंतजाम किए हैं। श्रीकृष्ण जन्मस्थान की सुरक्षा में कमांडो के साथ-साथ सिविल पुलिस,

पीएसी, एलआईयू, सीआईएसएफ, डॉग स्क्वायड और बम स्क्वायड की तैनाती की गई है। शहर की हर गतिविधि पर नजर रखने के लिए खुफिया विभाग पूरी तरह मुस्तैद है। आसमान से लेकर धरातल तक सुरक्षा के कड़े पहरे के बीच पुलिस के आलाधिकारी लगातार मंदिर परिसर का निरीक्षण कर रहे हैं, ताकि यातायात, भीड़ नियंत्रण और सुरक्षा की निगरानी की व्यवस्था दुरुस्त बनी रहे। सुरक्षा के पुख्ता इंतजामों के तहत शहर के सभी होटलों, गेस्ट हाउस और धर्मशालाओं में निरंतर चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या वस्तु पर तुरंत नजर रखने के लिए प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। भगवान श्रीकृष्ण का इस बार 5253वां जन्मोत्सव बेहद भव्य और दिव्य तरीके से मनाया जा रहा है। श्रीकृष्ण जन्मस्थान मंदिर के सचिव कपिल शर्मा ने जानकारी दी है कि जन्मोत्सव की सभी तैयारियां उच्च स्तर पर पूरी कर ली गई हैं। श्रीकृष्ण के अलौकिक जन्म के साक्षी बनने के लिए, मथुरा-वृंदावन में देश के कोने-कोने से ही नहीं, बल्कि विदेशों से भी भारी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं।

एशियन इंटरनेशनल स्कूल में मनायी गयी श्रीकृष्ण जन्माष्टमी

टूंडला। नगर के एशियन इंटरनेशनल स्कूल में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व बड़े ही हर्षोल्लास एवं श्रद्धा के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के विद्यार्थियों ने भगवान श्रीकृष्ण के जीवन एवं उनकी बाल लीलाओं पर आधारित विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ देकर सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान श्रीकृष्ण के पूजन एवं वंदना के साथ हुआ। इसके पश्चात विद्यार्थियों ने श्रीकृष्ण के जीवन एवं उनके आदर्शों पर आधारित भाषण मनमोहक नृत्य तथा सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ प्रस्तुत कीं। बच्चों ने श्रीकृष्ण एवं राधा के स्वरूप में सजकर अपनी आकर्षक प्रस्तुतियों से पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं माखन चोरी एवं राधा-कृष्ण की मनमोहक प्रस्तुतियों ने उपस्थित सभी लोगों को भाव-विभोर कर दिया। बच्चों के उत्साह, आत्मविश्वास और प्रतिभा की सभी ने जमकर सराहना की। इस अवसर पर मैनेजिंग डायरेक्टर तनय कुमार प्रधानाचार्य ललित सिसोदिया एवं कोऑर्डिनेटर अली अब्बास सहित विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएँ एवं समस्त स्टाफ उपस्थित रहे। विद्यालय प्रबंधन ने विद्यार्थियों की शानदार प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए उन्हें प्रोत्साहित किया। विद्यालय प्रबंधन ने कहा कि इस प्रकार के सांस्कृतिक आयोजन विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति एवं परंपराओं से जोड़ने के साथ-साथ उनकी रचनात्मक प्रतिभा आत्मविश्वास और व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

आलू उत्पादक किसानों को मिलेगा अनुदान ऑनलाइन पंजीकरण अनिवार्य

फिरोजाबाद। आलू उत्पादक किसानों को राहत देने के उद्देश्य से उद्यान विभाग द्वारा भामाशाह भाव स्थिरता कोष के तहत दो योजनाएं संचालित की जा रही हैं। इनमें आलू की न्यूनतम उत्पादन लागत और विक्रय मूल्य के अंतर पर अनुदान तथा निजी शीतगृहों में भंडारित आलू के भंडारण प्रभार पर अनुदान दिया जाएगा। जिला उद्यान अधिकारी सीपी अवस्थी ने बताया कि दोनों योजनाओं का लाभ लेने के लिए किसानों को potato.uphorticulture.in पोर्टल पर ऑनलाइन पंजीकरण कराना अनिवार्य है। पंजीकरण के दौरान मोबाइल नंबर आधार कार्ड खसरा-खतौनी और बैंक पासबुक का विवरण दर्ज करना होगा। निजी शीतगृहों में भंडारित आलू के भंडारण प्रभार पर अनुदान के लिए शीतगृह से जारी आलू आमद/तकपट्टी आलू निकासी का प्रमाण अथवा गेट पास तथा भंडारण शुल्क भुगतान की रसीद पोर्टल पर अपलोड करनी होगी। वहीं भामाशाह भाव स्थिरता कोष योजना के तहत मंडी अथवा शीतगृह के माध्यम से आलू विक्रय का प्रमाण पत्र और बैंक खाते में आलू का मूल्य प्राप्त होने का प्रमाण अपलोड करना होगा।

अधिकतम 200 क्विंटल पर मिलेगा लाभ : जिला उद्यान अधिकारी के अनुसार शीतगृह भंडारण प्रभार पर 100 रुपये प्रति क्विंटल अधिकतम 200 क्विंटल प्रति किसान के लिए अनुदान देय है। इसी प्रकार भामाशाह भाव स्थिरता कोष योजना में सरकार द्वारा घोषित न्यूनतम उत्पादन लागत और विक्रय मूल्य के अंतर अथवा न्यूनतम उत्पादन लागत के 25 प्रतिशत, दोनों में जो कम होगा, उसके बराबर अधिकतम 200 क्विंटल आलू पर अनुदान दिया जाएगा। सभी प्रकार के अनुदान का भुगतान डीबीटी के माध्यम से किसान के आधार प्रमाणित बैंक खाते में किया जाएगा। जिला उद्यान अधिकारी ने जनपद के आलू उत्पादक किसानों से पोर्टल पर पंजीकरण कर योजनाओं का लाभ लेने की अपील की है। योजनाओं की विस्तृत जानकारी के लिए किसान किसी भी कार्य दिवस में जिला उद्यान अधिकारी कार्यालय के कक्ष संख्या 218 एवं 221 में संपर्क कर सकते हैं।

दो लुटेरे गिरफ्तार, तमंचा कारतूस बरामद

फिरोजाबाद । अपराध एवं अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना अरांव पुलिस ने लूट के मामले में वांछित दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से दो अवैध तमंचे, दो जिंदा कारतूस और 1,930 रुपये नकद बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार, मुखबिर की सूचना पर थाना अरांव पुलिस टीम ने अरांव पेट्रोल पंप के पास टोडरपुर-बोथरी जाने वाले रास्ते से लूट के मुकदमे से संबंधित अभियुक्त रणजीत पुत्र गजवीर सिंह तथा लालू पुत्र गजवीर सिंह निवासी नसूरपुर सजैती थाना जसराना को गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि तलाशी के दौरान दोनों आरोपियों के कब्जे से एक-एक तमंचा और एक-एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ। इसके अलावा आरोपियों से 1,930 रुपये नकद भी बरामद किए गए। बरामदगी के आधार पर अभियुक्तों के विरुद्ध आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस के मुताबिक दोनों आरोपियों के खिलाफ पूर्व में भी चोरी लूट गैंगस्टर एक्ट आर्म्स एक्ट सहित विभिन्न धाराओं में कई मुकदमे दर्ज हैं। रणजीत के विरुद्ध इटावा और फिरोजाबाद जनपद के विभिन्न थानों में कई आपराधिक मामले दर्ज हैं, जबकि लालू के खिलाफ भी जसराना व अरांव थानों में मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ आवश्यक विधिक कार्रवाई करते हुए न्यायालय के समक्ष पेश किया है।

फर्जी दस्तावेज तैयार कर जमीनों के फर्जी बैनामे कराने के आरोप में पप्पू लाल भू-माफिया घोषित

फिरोजाबाद। सरकारी व निजी जमीनों के कूटरचित दस्तावेज तैयार कर धोखाधड़ी और षड्यंत्र के जरिए फर्जी बैनामा कराने जैसे अपराधों में संलिप्त रहने के आरोप में थाना उत्तर पुलिस ने गैंगलीडर पप्पू लाल झा को भू-माफिया घोषित किया है। पुलिस ने थाना उत्तर पर उसका पंजीकरण करते हुए निगरानी शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आदित्य लांग्हे के निर्देशन में आदतन एवं संगठित अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई है। पुलिस का आरोप है कि पप्पू लाल झा अपने साथियों तथा अपने पुत्र सुन्दर झा के साथ मिलकर सरकारी और निजी जमीनों के फर्जी दस्तावेज तैयार कराकर अवैध रूप से जमीनों पर कब्जा करने तथा उन्हें क्रय-विक्रय करने की गतिविधियों में संलिप्त रहा है। पुलिस के मुताबिक, पप्पू लाल झा पुत्र स्व.शंकर लाल झा निवासी संतोष नगर रैपुरा रोड थाना उत्तर को गैंगलीडर के रूप में चिन्हित किया गया है। वहीं उसका पुत्र सुन्दर झा भी हिस्ट्रीशीटर अभियुक्त है और गैंग के सदस्य के रूप में दर्ज है। भू-माफिया घोषित किए गए पप्पू लाल झा की थाना पुलिस और सर्विलांस टीम द्वारा सघन निगरानी की जाएगी। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार पप्पू लाल झा के विरुद्ध थाना सिरसागंज में वर्ष 2022 में धारा 447, 419, 420, 467, 468 व 471 के तहत मुकदमा दर्ज है। वर्ष 2023 में थाना सिरसागंज में गैंगस्टर एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज हुआ था। इसके अलावा वर्ष 2026 में थाना उत्तर में धारा 318(4), 351(2), 352 व 115(2) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जनपद में कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने तथा अपराधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए ऐसे अपराधियों के खिलाफ लगातार कार्रवाई जारी रहेगी।

अवैध तमंचा व कारतूस सहित गिरफ्तार

टूंडला। थाना टूंडला पुलिस ने अवैध शस्त्रों की बरामदगी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत एक अभियुक्त को अवैध तमंचा व कारतूस सहित गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की है। पुलिस के अनुसार मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम ने बन्ना रोड स्थित निर्मल आवासीय कॉलोनी के पास घेराबंदी कर कुर्बान पुत्र सलीम निवासी लाल मस्जिद का नगला धनौली थाना मलपुरा जनपद आगरा को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से एक अवैध तमंचा और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ। गिरफ्तारी व बरामदगी के संबंध में थाना टूंडला पर आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध पूर्व में भी जीआरपी आगरा थाने में चोरी गैंगस्टर एक्ट एवं आर्म्स एक्ट सहित विभिन्न धाराओं में कई मुकदमे दर्ज हैं।

कैबिनेट मंत्री ने नगाड़ा बजाकर शोभायात्रा शुरू की

मथुरा। भगवान श्रीकृष्ण के 5253वें जन्मोत्सव से पहले गुरुवार को एक भव्य नगर शोभायात्रा निकाली गई। यह यात्रा जन्माष्टमी से एक दिन पहले श्री कृष्ण जन्म सेवा संस्थान की तरफ से निकाली गई। सुबह करीब 9रू30 बजे श्रीकृष्ण जन्मभूमि स्थित जन्मस्थान से यात्रा शुरू हुई। कैबिनेट मंत्री चैधरी लक्ष्मी नारायण ने नगाड़ा बजाकर इसका शुभारंभ किया। इस मौके पर जिलाधिकारी सीपी सिंह और तीर्थ विकास परिषद की सीईओ लक्ष्मी नागप्पन समेत कई अधिकारी और खास लोग मौजूद थे। शोभायात्रा शुरू होते ही पूरा माहौल भगवान श्रीकृष्ण के जयकारों से गूंज उठा। बड़ी संख्या में भक्त इस यात्रा में शामिल हुए। बैंड-बाजों और भक्ति संगीत की धुन पर श्रद्धालु नाचते-गाते हुए चल रहे थे। उनके हाथों में धार्मिक झंडे थे और वे लगातार भगवान श्रीकृष्ण के जयकारे लगा रहे थे, जिससे पूरा रास्ता कृष्ण भक्ति में डूबा नजर आया। इस शोभायात्रा में मथुरा के स्थानीय कलाकारों के अलावा देश के अलग-अलग राज्यों से आए कलाकारों ने भी हिस्सा लिया। इन कलाकारों ने अपनी धार्मिक और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं और ब्रज की संस्कृति को जीवंत कर दिया। कई सुंदर झांकियां और कलाकारों के प्रदर्शन भक्तों के लिए खास आकर्षण का केंद्र रहे। शोभायात्रा के रास्ते में जगह-जगह स्थानीय लोगों और भक्तों ने फूलों की बारिश कर इसका स्वागत किया। यात्रा देखने के लिए सड़क के दोनों तरफ बड़ी संख्या में लोग खड़े थे। भक्तों के जोश और उत्साह से मथुरा का माहौल पूरी तरह भक्तिमय हो गया था। शोभायात्रा के लिए पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा के पूरे इंतजाम किए थे। रास्ते में बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात था। पुलिसकर्मी भीड़ को काबू करने, ट्रैफिक संभालने और सुरक्षा बनाए रखने में लगे थे। संवेदनशील जगहों पर खास नजर रखी गई थी। भगवान श्रीकृष्ण के 5253वें जन्मोत्सव के लिए देशभर से भक्त मथुरा पहुंच रहे हैं। इस नगर शोभायात्रा के साथ ही जन्माष्टमी के त्योहार का जोश और भक्ति का रंग पूरे शहर में दिखने लगा है।

संस्कृति विवि में तैयार हुई कृष्ण के प्रिय व्यंजनों की स्वादिष्ट थाली

मथुरा। संस्कृति स्कूल आफ टूरिज्म एंड हास्पिटलिटी में जन्माष्टमी की पूर्व बेला में जन्माष्टमी उत्सव मनाया। इस मौके पर विभाग के जयका क्लब के छात्र-छात्राओं ने भगवान श्री कृष्ण को प्रिय व्यंजनों से युक्त एक थाली सजाई। इन व्यंजनों की खास बात यह थी कि ये पाक कला की सभी युक्तियों का प्रयोग कर नए अंदाज में बनाए गए थे। जन्माष्टमी के महोत्सव के रूप में मनाए गए इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों की छह टीमों ने मिलकर इन व्यंजनों को तैयार किया। इन व्यंजनों में वासुंधी पुलाव, खाजा(एक विशेष प्रकार की मिठाई), लुची(विशेष प्रकार की पूरी), मसाला आलू, पूरन पोली (जिसे दाल और गुड़ की मिक्सिंग से भरकर तैयार किया गया), परंपरागत पंजीरी और मेवा से भरपूर पंचामृत शामिल था। इन सभी टीमों के सदस्यों ने कड़े परिश्रम और कुशलता के साथ दो-तीन घंटों में विभाग की किचन में ही यह सभी व्यंजन बनाए। व्यंजन तैयार होने के बाद भोग लगाया गया और प्रसाद के रूप में थालियां वितरित कीं। इस प्रसाद को एक निर्धारित कीमत पर विद्यार्थियों ने विवि के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों में वितरित किया। विवि में होटल मैनेजमेंट के विद्यार्थियों के इस अनूठे आयोजन की सभी ने प्रशंसा की। विद्यार्थियों के द्वारा तैयार किए गए व्यंजन उत्कृष्ट पाक कला के उपयोग के कारण सभी को बहुत स्वादिष्ट लगे। अधिकारियों और कर्मचारियों ने स्वाद लेकर इस प्रसाद की प्रशंसा की और विद्यार्थियों के इस आयोजन की खूब सराहना भी की। जन्माष्टमी महोत्सव के उपलक्ष्य में आयोजित इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने शेफ विकास, शेफ कपिल की देखरेख में इन सभी व्यंजनों को तैयार किया। असिस्टेंट प्रोफेसर शुभांगी सक्सैना, गगन शर्मा, विजय शर्मा, मोहित रस्तोगी के निरंतर सहयोग से सारे व्यंजन त्रुटि रहित तैयार किए गए। व्यंजन तैयार करने में विद्यार्थियों ने चावल, ड्राई फ्रूट्स, मैदा, गुड़, दाल, भारतीय मसाले, दूध, दही और शुद्ध घी का इस्तेमाल किया।

सेठ चंदामल सरस्वती विद्या मंदिर तरौली में धूमधाम से मना श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव

मथुरा, छाता। गांव तरौली स्थित सेठ चंदामल सरस्वती विद्या मंदिर में श्री कृष्ण जन्मोत्सव मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय की प्रधानाध्यापक बबीता शर्मा एवं विद्यालय स्टाफ द्वारा दीप प्रज्वलित कर भगवान श्रीकृष्ण की पूजा-अर्चना के साथ किया गया। जन्माष्टमी के अवसर पर विद्यालय परिसर को रंग-बिरंगी झालरों, फूलों एवं मोरपंखों से आकर्षक ढंग से सजाया गया। नन्हे-मुन्ने बच्चे राधा-कृष्ण, गोप एवं गोपियों की वेशभूषा में विद्यालय पहुंचे, जिन्हें देखकर विद्यालय परिसर भक्तिमय वातावरण से सराबोर हो गया। कार्यक्रम में नर्सरी से कक्षा द्वितीय तक के बच्चों ने बाल कृष्ण के रूप में मटकी फोड़ लीला का सुंदर मंचन किया। वहीं छात्र-छात्राओं ने वसुदेव सुतं देवं और ह्यमाखन चोर नंद किशोर सहित विभिन्न भजनों पर मनमोहक नृत्य प्रस्तुत कर उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। बच्चों की प्रस्तुतियों पर विद्यालय परिसर तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। इस अवसर पर प्रधानाध्यापक बबीता शर्मा ने कहा कि श्रीकृष्ण जन्माष्टमी केवल धार्मिक पर्व ही नहीं, बल्कि बच्चों को भगवान श्रीकृष्ण के जीवन, उनके आदर्शों एवं संस्कारों से परिचित कराने का भी अवसर है। ऐसे कार्यक्रमों से बच्चों में भारतीय संस्कृति और संस्कारों के प्रति रुचि बढ़ती है। कार्यक्रम के समापन पर सभी बच्चों को पंचामृत एवं प्रसाद वितरित किया गया। महोत्सव को सफल बनाने में विद्यालय के समस्त स्टाफ एवं अभिभावकों का विशेष सहयोग रहा।

झमाझम बारिश से श्रद्धालुओं सहित स्थानीय लोगों को मिली राहत

मथुरा। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महापर्व के लिए भारी भीड़ के बीच गुरुवार दोपहर करीब 3 बजे अचानक मौसम बदल गया। सुबह से पड़ रही भीषण गर्मी और उमस से परेशान स्थानीय लोगों के साथ-साथ देश के अलग-अलग हिस्सों से आए श्रद्धालुओं को कुछ ही देर की झमाझम बारिश से बड़ी राहत मिली। बारिश के बाद तापमान कम होने से मौसम सुहावना हो गया और लोगों ने गर्मी से चैन की सांस ली।

दरअसल, भगवान श्रीकृष्ण के 5253वें जन्मोत्सव में शामिल होने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु मथुरा पहुंच रहे हैं। श्रीकृष्ण जन्मभूमि, द्वारकाधीश मंदिर, विश्राम घाट समेत शहर के मुख्य धार्मिक स्थलों और बाजारों में श्रद्धालुओं की भीड़ दिख रही है। सुबह से तेज धूप और उमस के कारण श्रद्धालुओं को काफी दिक्कत हो रही थी। गर्मी से बचने के लिए लोग छाया में खड़े थे और ठंडी चीजें पी रहे थे। इसी बीच दोपहर करीब 3 बजे आसमान में अचानक बादल छा गए और कुछ ही देर में बारिश शुरू हो गई। देखते ही देखते तेज बारिश होने लगी। हालांकि बारिश कुछ ही मिनट तक हुई, लेकिन इसका असर मौसम पर साफ दिखा। बारिश के बाद मौसम ठंडा हो गया और उमस से भी लोगों को काफी आराम मिला। बारिश के दौरान सड़कों पर चल रहे श्रद्धालु बचने के लिए दुकानों और दूसरी जगहों पर रुक गए। वहीं, बारिश रुकने के बाद बड़ी संख्या में श्रद्धालु अपनी मंजिल की ओर बढ़ने लगे। जन्माष्टमी के चलते शहर में पहले से ही भारी भीड़ है, ऐसे में बारिश ने जहां लोगों को गर्मी से राहत दी, वहीं प्रशासन के लिए जलभराव और ट्रैफिक संभालना मुश्किल हो सकता है। फिलहाल बारिश रुकने के बाद मौसम अच्छा बना हुआ है और श्रद्धालु राहत महसूस कर रहे हैं।

योगी बाबा आयो है, एक हजार इक्यावन करोड़ रूपैया लायौ है: श्रीकांत शर्मा

मथुरा। पूर्व मंत्री व विधायक श्रीकांत शर्मा ने मुख्यमंत्री का स्वागत करते हुए कहा कि ब्रज से लेकर गोरखपुर तक सतत विकास हो रहा है। उन्होंने कहा, योगी बाबा आयो है, एक हजार इक्यावन करोड़ रूपैया लायौ है। वर्ष 2017 से पहले ब्रज की स्थिति जर्जर थी, लेकिन केंद्र में नरेंद्र मोदी और राज्य में योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व से क्षेत्र का कायाकल्प हुआ है। उन्होंने बताया कि पूर्व में यमुना में गिरने वाले मथुरा के 36 में से 32 नालों को बंद कर दिया गया है और शेष 4 नाले भी अक्टूबर तक पूरी तरह बंद हो जाएंगे। साथ ही सूरदास ब्रजभाषा अकादमी की स्थापना और ब्रज चैरासी कोस परिक्रमा मार्ग पर पड़ाव स्थलों के निर्माण का कार्य तेजी से जारी है।

विश्वभर के कलाकारों को मिलेगा नया मंच : हेमा

मथुरा। सांसद हेमा मालिनी ने राधे-राधे के संबोधन के साथ प्रेक्षागृह को ब्रज की कला, संगीत, नृत्य और साहित्य का जीवंत प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि यह प्रेक्षागृह स्थानीय प्रतिभाओं को बड़ा मंच प्रदान करेगा और आने वाले समय में विश्वभर के कलाकार यहां अपनी प्रस्तुतियां देंगे। यह केंद्र ब्रज की महान परंपरा और भाषा को भावी पीढ़ियों तक पहुंचाने का एक सशक्त माध्यम बनेगा। इसके उपरांत केबिनेटमंत्री चैधरी लक्ष्मीनारायण, उप्र ब्रज तीर्थ विकास परिषद के उपाध्यक्ष शैलजाकांत मिश्र, आदि ने भी संबोधित किया। इससे पूर्व कार्यक्रम का शुभारंभ हनुमान प्रसाद धानुका विद्यालय की छात्राओं द्वारा राष्ट्रगीत से हुआ। इसके बाद ब्रज के कलाकारों ने राधा-कृष्ण की लीलाओं, गुजरात के गरबा और ब्रज के प्रसिद्ध मयूर नृत्य की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं।

दो दिवसीय राष्ट्रीय किसान चिंतन शिविर

- राकेश टिकैत ने केंद्र और राज्य सरकार की नीतियों पर किया कड़ा प्रहार

मथुरा। डैंपियर नगर स्थित किसान भवन में भारतीय किसान यूनियन का दो दिवसीय राष्ट्रीय किसान चिंतन शिविर भव्यता और अनुशासन के साथ संपन्न हो गया। भगवान श्रीकृष्ण की पावन जन्मभूमि पर आयोजित इस शिविर के दूसरे दिन देश और प्रदेशभर से पहुंचे हजारों किसानों ने शिरकत की।

शिविर के मुख्य वक्ता और भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता चैधरी राकेश टिकैत ने केंद्र और राज्य सरकार की नीतियों पर कड़ा प्रहार किया। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार सोची-समझी रणनीति के तहत किसानी और किसानों को कुछ चुनिंदा उद्योगपतियों के हवाले करना चाहती है। देश में बढ़ती बेरोजगारी पर चिंता जताते हुए उन्होंने कहा कि युवाओं का भविष्य अंधकारमय हो गया है। छाता शुगर मिल का विशेष जिक्र करते हुए टिकैत ने कहा कि जिस जनपद में प्रदेश के गन्ना मंत्री मौजूद हों, उसी जिले में आज तक छाता शुगर मिल का चालू न हो पाना किसानों के साथ सीधा छल है। इसके अलावा उन्होंने आलू किसानों की बदहाली और समस्याओं पर भी गंभीर चिंता व्यक्त की। राष्ट्रीय महासचिव चैधरी युद्धवीर सिंह ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि संगठन में अनुशासन सर्वोपरि है और किसी भी संगठन विरोधी गतिविधि में लिप्त पाए जाने वाले पदाधिकारी पर कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। वहीं प्रदेश अध्यक्ष पंडित राजपाल शर्मा और प्रदेश प्रवक्ता गजेंद्र सिंह परिहार ने संयुक्त रूप से आह्वान किया कि किसान विरोधी नीतियों का मुकाबला करने के लिए पूरी किसान बिरादरी को आपसी मतभेद भुलाकर एकजुट होना होगा तथा गांव-गांव जाकर संगठन का व्यापक विस्तार करना होगा।

चिंतन शिविर के दौरान गन्ना भुगतान, छाता शुगर मिल के जल्द संचालन, आलू किसानों की समस्याओं और विभिन्न स्थानीय प्रशासनिक मुद्दों पर गहन मंथन किया गया। कार्यक्रम के अंत में किसानों ने तहसीलदार सदर अमित त्रिपाठी को अपनी विभिन्न मांगों से जुड़ा 11 सूत्रीय मांग-पत्र सौंपा, जिस पर उन्होंने उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। इस अवसर पर मंच संचालन प्रदेश मीडिया प्रभारी ललित शर्मा ने किया तथा अध्यक्षता दादा हुकम सिंह ने संभाली। कार्यक्रम में विजेंद्र सिंह यादव, परविंदर अवाना, विमल तोमर, बबली त्यागी, कैप्टन बच्चू सिंह सहित पश्चिमी उत्तर प्रदेश, एनसीआर और स्थानीय स्तर के तमाम प्रमुख पदाधिकारी एवं हजारों अन्नदाता किसान मौजूद रहे।

शांति का आह्वान

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहले भी कहा था कि यह युद्ध का समय नहीं है। अब एक बार फिर बड़ी ही दृढ़ता के साथ दोहराया है कि दुनिया को अनवरत युद्ध के बजाय युद्ध समाप्त कर शांति की तरफ बढ़ना चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी ने रूस के राष्ट्रपति पुतिन से कहाकि 'अंतहीन युद्ध' से निकल कर 'युद्ध के अंत' की ओर बढ़ें। बिश्केक में ही ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान ने प्रधानमंत्री मोदी को पश्चिम एशिया में शांति के प्रयासों और संवाद की शुरूआत के लिए मध्यस्थ भूमिका निभाने का अनुरोध किया है। किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में 'शंघाई सहयोग संगठन' के शिखर सम्मेलन में युद्ध-समाप्ति की ऐसी ही आवाजें बुलंद होती रहीं, लेकिन उसके समानांतर अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान पर एक बार फिर हमला करवा दिया। होर्मुज जलडमरूमध्य के करीब लारक द्वीप पर हमला कर दो लॉन्चर्स को तबाह करने का दावा किया गया है। दो मौतों के अलावा नुकसान काफी हुआ है। यह द्वीप फारस और ओमान खाड़ी के बीच स्थित है और बेहद महत्वपूर्ण, संवेदनशील संकरा जलमार्ग है। दुनिया के करीब 20 फीसदी तेल और गैस इसी रास्ते से सप्लाई होते रहे हैं। यहां से जहाजों पर पैनी निगरानी भी रखी जा सकती है। अमरीका इसे भी बर्बाद करने पर आमादा है। राष्ट्रपति ट्रंप ने सोशल मीडिया की पोस्ट में लिखा है कि ईरान द्वारा

बिछाई जा रही बारूदी सुरंगों को उड़ाने के लिए यह हमला किया गया। ट्रंप ने यह भी लिखा है कि हम ईरान को बुरी तरह मारेंगे। ईरान एक नाकाम देश है। उसके पास करेंसी भी नहीं बची है। महंगाई दर 300 फीसदी है और ईरान अपने सैनिकों और पुलिस को वेतन तक नहीं दे पा रहा है। दूसरी तरफ ईरान ने पलटवार कर जॉर्डन और संयुक्त अरब अमीरात समेत कतर, कुवैत, बहरीन में अमरीकी ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन हमले कर अमरीका को बता दिया है कि ईरान की ताकत अब भी मौजूद है। राष्ट्रपति ट्रंप पहले दावा कर चुके हैं कि अमरीका ने होर्मुज क्षेत्र को बारूदी सुरंगों से मुक्त करा दिया है। फिर यह हमला क्यों किया गया? हमले के बावजूद होर्मुज में अब भी 100 से अधिक बारूदी सुरंगें बताई जाती हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने करीब एक माह की खामोशी और हमलों को रोकने के बाद तब हमले के आदेश दिए हैं, जब अमरीका के कई सैन्य कमांडरों ने युद्ध को बढ़ाने पर 'असहमति' जताई है। 'व्हाइट हाउस' के आधा दर्जन बड़े अधिकारियों ने इस्तीफे दे दिए हैं। प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट, अमरीकी सेना के सचिव डैन ड्रीस्कॉल समेत उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार, निदेशक, वकील आदि अधिकारियों ने राष्ट्रपति का साथ छोड़ दिया है। 'ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ' के अध्यक्ष जनरल डैन केन भी कह चुके हैं कि मौजूदा परिस्थितियों में ईरान को हराना असंभव है। फिर भी राष्ट्रपति ट्रंप, युद्ध के छह महीने बाद भी, युद्ध को 'अंतहीन' बनाने पर आमादा हैं। ट्रंप अपने अहंकार, वहशीपन और तानाशाही प्रवृत्ति के कारण पूरी दुनिया पर मुसीबत बन गये हैं। अमरीका को तो खैर बर्बाद कर ही रहे हैं। अमरीका के 18-19 लड़ाकू विमान तबाह हो चुके हैं। उसके 18 सैनिक मारे जा चुके हैं और 750 से अधिक घायल हुए हैं। ये आंकड़े पेंटागन के हैं। ट्रंप की लोकप्रियता 'निम्नतम' स्तर पर है और जनता में भी रोष है। ईरान युद्ध में अभी तक कुल 3600 के करीब मौतें हो चुकी हैं, जबकि इजरायल में करीब 60 और लेबनान में 3527 मौतें हुई हैं। युद्ध के दौरान होर्मुज में 70 से अधिक जहाजों पर हमले किए गए, जिनमें 19 नाविक मारे गए। इनमें भारतीय भी शामिल हैं। बताया जाता है कि अब भी 400 जहाज और करीब 6000 नाविक होर्मुज और आसपास के समंदर में फंसे हैं। ईरान में खाद्य महंगाई दर करीब 128 फीसदी है, जो लगातार बढ़ रही है। उपभोक्ता वस्तुएं 88 फीसदी महंगी हो चुकी हैं। बेशक ईरान के हालात बहुत खराब हैं, लेकिन अमरीका उसे घुटनों पर आने को विवश नहीं कर पाया है। युद्ध सिर्फ यही नहीं है। रूस-यूक्रेन के बीच साढ़े चार साल से युद्ध जारी है। यह रूस बनाम पश्चिम की तमाम ताकतों के बीच है। कुल मिलाकर पूरी दुनिया युद्ध और इसके बुरे परिणामों से परेशान है। ऐसे में मोदी ने युद्ध खत्म करने का आह्वान कर भारत की नैतिक शक्ति और शांति की नीति दुनिया के सामने रखी है।

विचार

जिस तरह पानी को कोई जल, कोई आब, कोई वाटर कहते हैं, उसी तरह एक ही सच्चिदानन्द परमेश्वर को कोई अल्लाह, कोई हरि, कोई गुरु, कोई गॉड कहकर पुकारते हैं।

–रामकृष्ण परमहंस.

जो भलाई से प्रेम करता है, वह देवताओं की पूजा करता है, अनादरणीय प्राणियों का सम्मान करता है और ईश्वर के निकट रहता है।

–इमर्सन.

जिंदगी में जिसे धीरज है और जो कभी मेहनत से नहीं घबराता, कामयाबी उसकी दासी है।

–दयानन्द सरस्वती.

भाषा मनुष्य की बुद्धि के सहारे चलती है, इसलिए जब किसी विषय तक बुद्धि नहीं पहुंचती तो भाषा अधूरी होती है।

–महात्मा गांधी.

हिमालय को हमें समग्रता से समझना होगा

संजय श्रीवास्तव

नेपाल संकट के बाद हिमालयी राज्यों में ग्लेशियरों और ग्लेशियर झीलों की निगरानी बढ़ाने के निर्देश जरूरी कदम है, लेकिन इसे केवल आपदा के बाद की प्रतिक्रिया की बजाय आगामी 9 सितंबर यानी हिमालय दिवस पर हमें संकल्प लेना चाहिए कि हम पहाड़ों को केवल तभी नहीं देखेंगे, जब वे टूटकर नीचे आ चुके होंगे। हम हिमालय को अनवरत दखेंगे, मापेंगे, समझेंगे तथा उसकी चेतावनियों को सुनते हुए सीखेंगे।

नेपाल-चीन सीमा पर आयी विनाशकारी बाढ़ ने इस वर्ष के हिमालय दिवस (9 सितंबर) का अर्थ कहीं अधिक गंभीर बना दिया है। सामान्यतः यह अवसर कभी हिमालय की सुंदरता, जैव-विविधता और नदियों के महत्व को याद करने तक अथवा पर्यावरणीय विसंगतियों को रेखांकित करने तक ही सीमित रहता था, पर अब इस दिन पर्वत-श्रृंखला के इन विषयों के साथ साथ इसको लगातार बदलती हुई भूगर्भीय, जलवैज्ञानिक और जलवायवीय प्रणाली के रूप में गंभीरता से समझना होगा। संयुक्त राष्ट्र ने भी हाल की आपदा को बदलते हिमालयी जोखिमों की चेतावनी माना है। सरकार ने भी क्षेत्र के सभी ग्लेशियरों और ग्लेशियल झीलों की निगरानी करने के निर्देश दिए हैं। पर संकट केवल ग्लेशियर या उससे बनी झीलों से ही संबंधित नहीं है। समूचा हिमालय खतरे में है। हिमालय युवा और भूगर्भीय रूप से सक्रिय पर्वत-तंत्र है। यहां चट्टानों का टूटना, भूस्खलन, हिमस्खलन, ग्लेशियरों का सिकुड़ना, ग्लेशियल झीलों का विस्तार, पर्माफ्रॉस्ट का पिघलना और अत्यधिक वर्षा जैसी प्रक्रियाएं एक-दूसरे से जुड़ती हैं। एक घटना दूसरी घटना और दुर्घटना को जन्म दे सकती है। 2021 की चमोली आपदा इसका उदाहरण थी। वैज्ञानिकों ने प्रारंभिक जांच में इसे केवल 'ग्लेशियर फटने' के बजाय चट्टान, बर्फ और मलबे की जटिल श्रृंखला से जुड़ी घटना माना था। उस समय भी विशेषज्ञों का आग्रह था कि हिमालय में किसी बड़ी आपदा के बाद उसके कारण तलाशने से अधिक महत्वपूर्ण है, पहाड़ के भीतर चल रहे बदलावों की लगातार निगरानी करना। निगरानी से मिले संकेतों को समझना। अच्छी बात है कि सरकार हिमालय दिवस को मनाने से पहले ही इसे लेकर सचेत दिखती है, कुछ जरूरी कदम उठा रही है।

हिमालय के तेजी से गर्म होने के चलते खतरा बढता जा रहा है अंतरराष्ट्रीय एकीकृत पर्वतीय विकास केंद्र की हालिया रिपोर्टें बताती हैं कि हिंदू कुश हिमालय में ग्लेशियरों के बर्फ-हानि की दर 2000 के बाद लगभग दोगुनी हो गई है, कुछ स्थानों पर बर्फ की मोटाई में 27 मीटर तक की कमी हुई है। अलग-अलग आधिकारिक वैज्ञानिक स्रोतों के अनुसार देश में कम-से-कम 9,775 से लेकर लगभग 35,000 ग्लेशियर हैं। सेंट्रल वॉटर कमीशन 902 ग्लेशियल झीलों और जल निकायों की निगरानी करता है, वाडिया इंस्टीट्यूट ऑफ हिमालयन जिओलॉजी 13 ग्लेशियरों की और नेशनल सेंटर फॉर पोलर एंड ओशन रिसर्च 6 ग्लेशियरों की निगरानी करता है। जिओलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया और अन्य संस्थान कुछ चयनित ग्लेशियरों पर माप और मास-बैलेंस अध्ययन करते हैं। फिर भी निगरानी बहुत असमान और अपर्याप्त है। कुछ ही हैं जो विश्व ग्लेशियर निगरानी सेवा के मानकों को पूरा करते हैं। इन ग्लेशियरों को सेंसर से जोड़कर संभावित आपदा की चैबीसों घंटे चेतावनी देने वाला नेटवर्क अभी तक बहुत प्रभावी नहीं है। सच तो यह है कि निगरानी केवल ग्लेशियर की नहीं होनी चाहिए। उसके दायरे में बर्फ, पर्माफ्रॉस्ट, उनसे लगी ढलान, ग्लेशियर निर्मित झील एवं नदी का संपर्क, वर्षा के अलावा संबंधित क्षेत्र में मानव निर्माण इत्यादि सब होने चाहिए। 2013 की केदारनाथ त्रासदी, 2021 की चमोली आपदा, 2023 की सिक्किम की दक्षिण ल्होनक झील से जुड़ी घटना और 2025 की धाराली आपदा के साझा विश्लेषण से यह तथ्य सामने आता है कि हिमालय में छोटी-सी प्राकृतिक अस्थिरता अत्यधिक घनी आबादी, सड़क, पुल, सुरंग, बांध, जलविद्युत परियोजना और पर्यटन अवसंरचना से टकराकर बड़ी मानवीय आपदा बन सकती है। पर्माफ्रॉस्ट विशेष रूप से उपेक्षित क्षेत्र है। इसी साल अंतर्राष्ट्रीय एकीकृत पर्वतीय विकास केंद्र ने बताया कि तिब्बती पठार के बाहर पूरे हिंदू कुश हिमालयी क्षेत्र में अभी व्यवस्थित पर्माफ्रॉस्ट अवलोकन प्रणाली नहीं है। गर्म होती पर्वतीय भूमि में यह कमी भविष्य के भूस्खलन और अवसंरचनात्मक जोखिमों को समझने में बड़ी बाधा है। पर यह सुखद है कि सरकार ने आईआईटी, वाडिया संस्थान, स्नो एंड एवलांच स्टडी एस्टैब्लिशमेंट तथा अन्य संस्थानों के सहयोग से उपग्रह आधारित ग्लेशियर मान चित्रण, राष्ट्रीय ग्लेशियर इन्वेंटरी, चयनित ग्लेशियरों का मास-बैलेंस अध्ययन और विभिन्न संस्थानों के माध्यम से क्रायोस्फियर अनुसंधान को आगे बढ़ाया है। वह उपग्रह आधारित वास्तविक समय निगरानी को प्रारंभिक बाढ़ चेतावनी से जोड़ने की भी कोशिश में है। 'मैनुअल ऑब्जर्वेशन' से ऑटोमेटेड रियल-टाइम मॉनिटरिंग की ओर बढ़ना बेहतर बदलाव ला सकता है। वाडिया इंस्टीट्यूट ने 2025 में द्रोणागिरी और बांगीनी ग्लेशियरों में स्वचालित मौसम केंद्र तथा जल-स्तर और जल-वेग मापक लगाए वे तापमान, वर्षा, आर्द्रता, हवा, सौर विकिरण, जल-स्तर और प्रवाह की लगातार जानकारी देते हैं। ऐसे नेटवर्क से ग्लेशियर के द्रव्यमान-संतुलन, जल-प्रवाह के जोखिम को समझना आसान होगा।

सामयिक

इसे राष्ट्रीय स्तर पर विस्तारित करने की जरूरत है। सरकार राष्ट्रीय हिमालय क्रायोस्फियर निगरानी मिशन की शुरूआत करना होगा, जिसका पहला जरूरी कदम तो यह होना चाहिए कि सभी महत्वपूर्ण ग्लेशियर और हिमनदीय झीलों का नए सिरे से एक गतिशील डिजिटल मानचित्र बने और इसके साथ ही अत्यधिक जोखिम वाली झीलों पर हर क्षण चैकस रहने वाले सेंसर लगें। हर नदी बेसिन का 'डिजिटल ट्विन' तैयार किया जाए। निस्संदेह एआई आधारित खतरा-पूवार्नुमान विकसित किया जाना और राज्यों तथा केंद्र की चेतावनी प्रणालियां एकीकृत करना भी अनिवार्य है, तो नेपाल, भूटान और जहां तक संभव हो चीन के साथ वास्तविक समय डेटा साझा किए जाने की व्यवस्था भी। इन सबके अलावा बेहतर यह भी होगा कि समय समय पर हर संवेदनशील घाटी के लिए स्थानीय निकासी-अभ्यास करवाया जाए। आईसीआईएमओडी की 2026 क्षेत्रीय रणनीति भी इसी दिशा में मानकीकृत निगरानी, साझा डेटा प्लेटफॉर्म, क्षमता निर्माण और जल-ऊर्जा तथा आपदा प्रबंधन के लिए यही सब सुझाती है। सेंथेटिक अपरचर रडार वाले उपग्रह रात और बादल घिरे आकाश के बावजूद हिमनदीय झीलों के क्षेत्रफल और उसके बदलाव को लगभग छह दिन के अंतराल पर दिखा सकते है।

संदिग्ध ग्लेशियर, चट्टान या झील की उच्च-रिजॉल्यूशन त्रि-आयामी तस्वीर कुछ घंटों में तैयार की जा सकती है, इन चित्रों से स्वचालित रूप से ग्लेशियर की सीमा, साफ बर्फ और मलबे से ढके ग्लेशियरों की पहचान की जा सकती है। इसके अलावा अति संवेदनशील जमीनी सेंसर स्वचालित मौसम केंद्र, जल-स्तर मापक, भूकंपीय सेंसर, जीपीएस, रॉक-वॉल मूवमेंट सेंसर और पर्माफ्रॉस्ट तापमान सेंसर उन संकेतों को पकड़ सकते हैं, जिन्हें उपग्रह नहीं पकड़ पाता। मौसम, बर्फ, ग्लेशियर, नदी और भूगर्भीय आंकड़ों को एक साथ डालकर की गई मॉडलिंग जोखिम मानचित्र तैयार कर देगी जो बता सकती है कि ह्यकौन-सी झील कितनी खतरनाक है। पर तकनीक चमत्कार नहीं कर सकती। इन सबके बावजूद हर ग्लोफ यानी ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड या फिर भूस्खलन को पहले से पकड़ लेना, उसकी चेतावनी हर स्तर पर तत्काल भेज पाना संभव नहीं होगा। लेकिन वैज्ञानिक निगरानी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, उपग्रह, सेंसर और सीमा-पार डेटा साझाकरण से आपदा की तीव्रता और जनहानि को काफी कम जरूर किया जा सकता है।

सोशल मीडिया

बाबार ने श्री अयोध्याधाम में प्रभु श्रीराम के भव्य मंदिर को तोड़कर एक गुलामी का ढांचा बनवा दिया..आज श्री अयोध्या धाम में प्रभु राम के भव्य मंदिर का निर्माण हो गया है। सीएम योगी.

नासिक महाराष्ट्र में आदिवासी छात्र और छात्राओं के एक प्रति-निधिमंडल से भेंट की, जिसमें अपनी मांगों को लेकर भूख हड़ताल कर रहे छात्र भी शामिल थे। राहुल गांधी.

सपा बहादुर अखिलेश यादव ने बतौर मुख्यमंत्री पिछड़ों, दलितों व सवर्णों के साथ न्याय किया होता तो आज उनको पीडीए के नाम पर वोटर्स को भ्रमित करने की जरूरत नहीं पड़ती। केशव प्र. मौ.

बुराइयों से मुक्ति

अंतर्दृष्टि

ईश्वर ने अपनी सर्वश्रेष्ठ कृति इंसान को कोई बुराई नहीं दी है, लेकिन फिर भी वह अपनी आदतों का शिकार हो जाता है। कई बार हमारी आदतें, हमारी प्रवृत्तियां जिसे हम खराब भाषा में लत भी कह सकते हैं, अगर उनका रचनात्मक उपयोग किया जाये, उनके पीछे भागने के बजाय उनका सदुपयोग कर सृजन में उपयोग किया जाये, तो वह दरअसल हमारी ताकत भी बन जाती हैं। हानिकारक आवेशों से मुक्त रहकर यदि मनोवृत्तियों का उपयोग किया जाये तो वे हानि पहुंचाने की बजाय हितकर ही सिद्ध होंगी। सर्वथा संसार त्यागियों की तो बात छोड़ दीजिए पर अधिकांश मनुष्यों को जो संसार में रहते हैं और जिनको भली बुरी सभी परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है। सभी मनोवृत्तियों से काम लेना आवश्यक होता है। इसलिए हमारा कर्तव्य यही है कि अपनी मनोवृत्तियों और इन्द्रियों को ऐसी ही सधी हुई अवस्था में रखें। मनुष्य की जो मनोवृत्तियां जन्म से ही दी गयी हैं, वे सब उपयोगी एवं महत्वपूर्ण हैं। यदि उनको ठीक प्रकार से प्रयोग में लाया जाये तो प्रत्येक व्यक्ति अत्यंत सुख-शांतिपूर्वक जीवन व्यतीत कर सकता है। हम देखते हैं कि दुर्भाग्यवश लोग उनका सदुपयोग करना नहीं जानते और उन्हें बुरे मार्ग से खर्च करके अपने लिए तथा दूसरों के लिए दुखों की सृष्टि करते हैं। हम देखते हैं कि कई मनोवृत्तियों की संसार में निन्दा होती है। कहा जाता है कि यह बातें पाप और दुख की जड़ है। काम, क्रोध, लोभ, मोह, अहंकार आदि को जी भर कर कोसा जाता है और कहा जाता है कि इन्हीं के कारण संसार में अनर्थ हो रहे हैं। इस प्रकार का कथन किस हद तक सही हैं इसका विचारवान पाठक स्वयं निर्णय कर सकते हैं। यदि काम बुरी वस्तु है, त्याज्य है, पापमूलक है तो उसका उपयोग न तो सत्पुरुषों को ग्राह्य हो सकता था और न बुरी बात का अच्छा परिणाम निकल सकता था। परन्तु इतिहास दूसरी ही बात सिद्ध करता है। ब्रह्मा, विष्णु, महेश, विवाहित जीवन व्यतीत करते हैं। व्यास, अत्रि, गौतम, वशिष्ठ, विश्वामित्र, याज्ञवल्क्य, भारद्वाज, च्यवन आदि प्रायः सभी प्रधान ऋषि सपत्नीक रहते थे और संतानोत्पादन करते थे। दुनिया में असंख्य पैगम्बर, ऋषि, अवतार महात्मा, तपस्वी, विद्वान, महापुरुष हुए हैं, यह सब किसी न किसी माता पिता के संयोग से ही उत्पन्न हुए थे। यदि काम सेवन बुरी बात है तो उसके द्वारा उत्पन्न हुए बालक भी बुरे ही होने चाहिए। बुरे से अच्छे की सृष्टि कैसे हो सकती है? कालोंच से सफेदी कैसे निकल सकती है? इन बातों पर विचार करने से स्पष्ट हो जाता है कि काम स्वयं कोई बुरी वस्तु नहीं है। परमात्मा ने अपनी सर्वश्रेष्ठ कृति मनुष्य में कोई बुरी बात नहीं रखी।

वे कुछ काम करते मगर...

व्यंग्यलोक

वे कुछ काम करते, लेकिन घुटनों में दर्द है। वे काम करते, लेकिन ठण्ड ज्यादा पड़ रही है-ठण्ड के कारण कहीं जाना-आना नहीं हो पाता। वे कमाते-खाते लेकिन गर्मी की छूप इतनी प्रचण्ड है कि निकलना ही नहीं हो पाता और इस बरसात ने तो कहीं का नहीं छोड़ा। दम ही नहीं ले रही। इस समय हमारे काम सीजन इसलिए इस ऑफ सीजन में क्या काम करें? वे दिल्ली जाकर व्यवसाय का सामान लेकर आते, लेकिन वैवाहिक सीजन के कारण रेलों-बसों में भीड़ जा रही है। हाथ-पांव टूट जायें तो घर के रहेंगे न घाट के। ये वे जुमले हैं जो नाकारा और फालतू बैठे लोगों ने कामचोरी के बहाने ढूंढ़ लिये है। डिसूजा को तो आप भी जानते होंगे, जो अपनी दूकान में बैठा मक्खी मारता रहता है, परन्तु व्यवसाय के लिए कोई सक्रिय पहल नहीं कर पाता। बात करो तो यही रोना कि ग्राहक ही पता नहीं कहां मर गये, मेरी दूकान पर तो आते ही नहीं। अरे डिसूजा दूकान में कुछ होगा, तब आयेगा न। ग्राहक तो खाली दूकान में आकर तुम्हारी तरह मक्खी थोड़े ही मारनी है। पत्नी स्कूल टीचर है, बस उसी से चल रहा है घर का खर्च। वरना डिसूजा के भरोसे तो आमरण अनशन पर बैठा जाओ। मैंने कई बार कहा भी डिसूजा इस काया को थोड़ा कष्ट दे, वरना काम कैसे चलेगा। थर्ड ग्रेड टीचर पत्नी के भरोसे कैसे होंगे आगे के कामकाज, परन्तु उसके कानों पर जूं भी नहीं रेंगती। इस कान से सुनकर उस कान से निकाल देता है। अब तो मैंने भी कहना छोड़ दिया है। क्योंकि उस पर कोई असर नहीं होता। भूल से कोई ग्राहक आ भी जाये तो उससे इतने रूखेपन से पेश आता है कि ग्राहक दुबारा न आने की कसम खा लेता है। इधर डिसूजा को मक्खी मारना बेहद पसंद है। अब आपको भयानक जी से मिलवाता हूँ। जैसा नाम वैसा ही गुण।

पूरन सरमा

वे डिजायनर हैं। ग्राहक आयेगा तो घनी मूंछो से वाक्य भी भयानक निकतले हैं। उनकी पत्नी किसी प्राइवेट कम्पनी मैं कम्प्यूटर ऑपरेटर है। डिजायन बनाने वाला समझायेगा तो वे आंख बन्द कर लेंगे। ग्राहक जब पूछेगा कि वे इसका आशय समझा क्या, तो वे आंख निकालकर कहेंगे कि यह आयडिया उनकी समझ में नहीं आया। इसलिए वे नहीं कर सकते यह काम। जबकि वे पूरे हुररमंद हैं तथा प्रोफेशनल डिजायनर है, लेकिन काम करने के आलस्य ने उनका जीवन चौपट कर रखा है। मेरी तो समझ में ही नहीं आता कि वे किराया दूकान का कैसे पे करते होंगे। आये हुये काम को धकेल देना उनकी फितरत है। मुझे मिलेंगे तो कहेंगे आज का क्लाइंट बहुत चतुर हो गये हैं। कला की वैल्यू तो समझते नहीं और कोड़ियों में काम करना चाहता है। आप अपने आसपास नजर फैलाइये, डिसूजा, भयानक जी और मधुसूदन जी बेतादाद मिल जायेंगे। ये हैं आजकल के काम करने वाले, बदमिजाज, आलसी और कामचोर बहानेबाज।

लीला पुरुषोत्तम भगवान श्रीकृष्ण का सर्वस्व मधुर

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर विशेष

प्रो. आर.एन. त्रिपाठी

योगेश्वर श्रीकृष्ण के जीवन में हर कुछ मधुर है। उनका जीवन अत्यंत विलक्षण है। विधिताओं से युक्त है। उनका समग्र जीवन ही लीलाओं का आगार हैं। कोई लीला किसी से कम नहीं। हर लीला में अगर बड़ा चमत्कार है तो लोक कल्याण का अभीष्ठ भी है। श्रीकृष्ण एक हैं लेकिन उनके अनेक नाम हैं। अनेक रूप हैं। उनका व्यक्तित्व भी विविधताओं भरा है। उनका जन्म जितनी विषम परिस्थिति में हुआ, उनका महाप्रयाण भी कुछ वैसे ही विषम परिवेश में हुआ। उनका जीवन एक नटखट बच्चे की तरह है। वे ऐसे बालक हैं जो बहुत सुंदर बांसुरी बजाते हैं। मनमोहक नृत्य भी करते हैं। गोपियों के साथ रास करते हैं तो चराचर जगत झूम उठता है। वह गाय चराते हैं। जंगल-जंगल भटकते हैं। पेड़ों पर चढ़ जाते हैं। कालिया नाग का मर्दन करते हैं और उसके विष से यमुना के जल को पावन बनाते हैं। जिद्द भी करते हैं तो उदार भी हैं। अनायास नई-नई शरारतें करते हैं। अपने से बड़ी उम्र की गोपियों का दिल चराते हैं और उन्हें नसीहत देते वक्त उनके वस्त्र भी चुराते हैं। वह सखी भी बनाते हैं और सखा भी बनते हैं। नायक भी बनते हैं। युद्ध क्षेत्र के धनुर्धर भी बनते हैं।

महाभारत युद्ध में गीता का उपदेश भी देते हैं। कभी रणछोड़ कर भाग भी जाते हैं और दल से मुचुकुंद द्वारा कालयवन का वध भी कराते हैं। कभी गांव में थोड़ी सी दही के लिए मचल जाते हैं तो कभी अपने मित्र सुदामा के पैर अपने आंसुओं से पखारते और उन्हें अपना सब कुछ देने की चेष्टा करते हैं। विविध रूप धारण करने वाले कृष्ण के नाम अनेक हैं। रूप अनेक हं ै काम अनेक हैं। अगर देखा जाए तो अपने कर्म के माध्यम से वे जीवन के विभिन्न आयामों का प्रबंधन सिखाते हैं। वह महान कर्मयोगी हैं। जब वह शिक्षा देते हैं तो बड़े-बड़े ज्ञानियों का ज्ञान शून्य हो जाता है। जब वह प्रेम रस भरी बांसुरी वादन और नर्तन करते हैं तो सब मुग्ध हो जाते हैं। इसीलिए संपूर्ण कलाओं का स्वामी कृष्ण को कहा जाता है। उन्हें पूर्ण पुरुषोत्तम कहा जाता है क्योंकि योग, भोग, ज्ञान, कर्म, रण-कौशल, सबका यथा समय उचित संयोजन कृष्ण के ही जीवन में है। कृष्ण के जीवन में धर्म-कर्म के कितने आयाम हैं, कहा नहीं जा सकता। कृष्ण का जीवन कितने प्रकार के विवाद, विषाद, विषाक्त परिस्थितियों से गुजरता है, परन्तु वह लोक रंजक बनकर कठिन परिस्थितियों में भी हंसते-मुस्कराते रहते हैं। उनके अधर मधुर हैं। उनके वदन मधुर हैं। उनका हंसना बोलना सबक कुछ मधुर हैं। और यह कहें कि के वे मधुराधिपति यानी मथुरा के राजा हैं। मथुरा आज का नाम है। मधुरा इसके पूर्व का नाम है। त्रेता युग से चला आ रहा है। ऐसे श्रीकृष्ण के जीवन में ऐसा कुछ भी नहीं जो मधुर न हो। 'मधुराधिपतेरखिलं मधुरं'। श्री कृष्ण धैर्य के सागर हैं। कृष्ण अपने भक्तों के समक्ष समर्पण भी करते हैं। उन्हें सम्मान भी देते हैं। किसी को तो अपना सर्वस्व दे देते हैं। वृषभान किशोरी राधा जी को कृष्ण ने इतना सम्मान दिया कि हम सदा पहले राधा का नाम लेते हैं फिर कृष्ण का नाम लेते हैं। हमारी संस्कति में अगर देखा जाए तो जीवन के प्रतिक्षण में और कण-कण में श्री कृष्ण व्याप्त हैं। श्री कृष्ण हमसे सीधा तादात्म्य रखते हैं। बाल सुलभ भाव से वह दुनिया के सबसे बड़े लोक रंजक हैं और करुणा की नजर में वह दुनिया के सबसे बड़ा दाता भी हैं। बिंदुजी महाराज लिखते हैं कि भरी कितनी करुणा है उनकी नजर में, ये जाकर सुदामा भिखारी से पूछो। जब युद्ध क्षेत्र में किसी को दंड देने की बात आई तो सबसे बड़ा शूरवीर भी वही है। कृष्ण घर-घर में पूजे जाने वाले एक राष्ट्रनायक देवता, योगी और महान कर्म योद्धा हैं जिस-जिस रूप में आप देखें, वहां-वहां वह पूर्णता को प्राप्त करते दिखाई देते हैं। कृष्ण में मानव जीवन की आशा की समस्त किरण है। एक भी भाव लेकर हम कृष्ण का चिंतन करें तो हम अपने वर्तमान और भविष्य को सकारात्मक दिशा में मोड़ सकते हैं, किसी एक शिक्षा को लेकर अगर जीवन जीने का प्रयास करें तो हम अपने को सफल बना सकते हैं। उसका जीवन देखिए। सबसे ज्यादा बुरा भला सुनने वाले कृष्ण हैं। वह क्रोध नहीं करते। वह प्रेम करते हुए भी वीतराग हैं। उनका जीवन भादो की अंधियारी यानी नकारात्मक अंधेरे में प्रकट होता है लेकिन वह श्रीमद् भागवत गीता के माध्यम से सोई शक्ति को जगा करके कर्म और क्रिया के माध्यम से सर्जन करने की बात कहते हैं। संपूर्ण विश्व को जागृत करते हैं। कृष्ण जैसा लचीलापन, कृष्ण जैसा त्याग, कृष्ण जैसा बाल सुलभ मति अन्यत्र कहीं नहीं है।

आपकी बात

स्वच्छ हवा, पानी का संकट

शहरों में बुजुर्गों का सांस लेना दूभर हो गया है। बच्चे, युवा और कामगार वर्ग दूषित हवा से बीमार पड़ रहे हैं। अस्पतालों में मरीजों का तांता है और स्कूल से लेकर निर्माण गतिविधियों तक पर पाबंदी लगा दी गयी है। दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी है इसलिए इसकी चर्चा कुछ अधिक है, लेकिन अगर दिल्ली से इतर अन्य शहरों की बात करें, तो उत्तर भारत के अधिकांश शहरों में अक्टूबर से फरवरी तक, तीन-चार महीनों तक सांस लेना दूभर हो जाता है। इससे सांस संबंधी बीमारियां बढ़ रही हैं, लोग खांसी, गले की खरास, सिरदर्द, चिड़चिड़ापन, एंजाइटी आदि की गिरफ्त में हैं और सबसे गंभीर बात यह है कि अत्यधिक वायु प्रदूषण के कारण लोगों की जीवन प्रत्याशा कम हो गयी है। दिल्ली में लोगों की जिंदगी 12 वर्ष कम हो गयी है, तो उत्तर भारत के तमाम अन्य शहरों में भी प्रदूषण के कारण लोगों का स्वास्थ्य और उम्र प्रभावित हो रही है। इस गंभीर संकट पर भी अगर देश में जमकर राजनीति होती है, तो यह मानने के पर्याप्त कारण हैं कि देश की राजनीति अब जनहित के बजाय जनप्रिय हो गयी है। और एक बात सबको दिमाग में बैठा लेना चाहिए कि लोकप्रिय राजनीति हमेशा लोकहित की राजनीति नहीं होती है। कहा जाता है कि अच्छी बात प्रायः कड़वी होती है। इसी तरह सरकार के अच्छे फैसले प्रायः शुरूआत में तकलीफ देते हैं लेकिन लंबे समय में यह व्यापक जनहित के वाहक बनते हैं।

आज अगर दिल्ली से लेकर पटना तक, हवा खराब है। शहरों में धुंआ और धूल का जहरीला मिश्रण सीधे हमारे फेफड़े तक पहुंच रहा है, तो इसके लिए कहीं न कहीं लोकहित की राजनीति से सियासत का मुंह मोड़ना और हर वक्त चुनावी फायदे के लिए लोकप्रिय राजनीति में धंसे रहना है। दिल्ली में तो लोकप्रिय राजनीति इतनी अधिक हुई है कि दक्षिण भारत की राजनीति भी अब उसके आगे शर्माती है। फ्री बिजली, फ्री पानी, फ्रीस बस यात्रा, फ्री तीर्थ यात्रा, जैसी योजनाओं की दिल्ली में इतनी अधिक जरूरत शायद नहीं थी। दिल्ली सबसे अधिक प्रति व्यक्ति आय वाली सिटी है। यहां फ्री के बजाय अगर सरकार संसाधनों का निवेश ट्रैफिक सिस्टम को बदलने में, सड़कों को दुरुस्त करने में, कंस्ट्रक्शन गतिविधियों के लिए वाजिब प्रोटोकॉल विकसित करने और पराली प्रबंधन के लिए ठोस पहल की गयी होती, तो आज दिल्ली में दमघोंटू हवा का इतना संकट नहीं होता। विकास करने वाले बहुत से देशों में इस तरह का संकट आया है। अमरीका का लॉस एंजलिस जहां हॉलीवुड फिल्मों की शूटिंग होती है, कभी हॉलीवुड का यह हॉर्टस्थल भी गंभीर वायु प्रदूषण की चपेट में था। अब जरूरत इस बात की है कि शहरों की हवा शुद्ध करने के लिए गंभीर प्रयास हों।

आशीष श्रीवास्तव, लखनऊ.

असंगठित श्रमिकों की दशा

केन्द्र सरकार ने असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को व्यापक स्तर पर सामाजिक सुरक्षा मुहैया कराने के लिए बीमा योजना, पेंशन योजना और आयुष्मान भारत योजना जैसे अनेक कार्यक्रम लांच किये हैं। इस योजना के तहत एक श्रमिक जो दिहाड़ी मजदूर है या ऐसे रोजी-रोजगार से जुड़ा है जिसमें उसकी उसको किसी तरह से सामाजिक सुरक्षा का कवर उपलब्ध नहीं है, ऐसे लोग नयी पेंशन योजना में शामिल हो सकते हैं जिसमें उनको साठ साल पूरे होने पर प्रतिवर्ष तीन हजार रुपये पेंशन मिलेगी। श्रमिकों को सुरक्षा कवर उपलब्ध कराने का यह फैसला न सिर्फ सराहनीय है बल्कि उन करोड़ों श्रमिकों तक सामाजिक सुरक्षा का विस्तार होगा जिनको वृद्धावस्था में कोई मदद नहीं मिलती थी। लेकिन इस योजना में कुछ खामियां हैं। अगर सरकार इनमें सुधार करती है तो यह और अधिक प्रभावी एवं कल्याणकारी बन जायेगी। दरअसल हर साल चार-पांच फीसद की महंगाई रहती है। उसी हिसाब से रुपये का वैल्यू कम होता जाता है। ऐसे में जो लोग आज इस योजना के सदस्य बनेंगे उनको साठ साल पूरा होने पर जो पेंशन मिलेगी उसकी वैल्यू बहुत कम होगी।

प्रमोद कुमार शर्मा, लखनऊ.

संक्षेप

कान्हा रूप में आदविक कुमार

32 आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों का मानदेय रोका

ललितपुर। संभव अभियान 2026 के तहत निर्धारित कार्यों और लक्ष्यों में लापरवाही बरतने पर जिला कार्यक्रम अधिकारी ने बड़ी कार्रवाई की है। बाल विकास परियोजना बार और बिरधा की कुल 32 आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों का माह सितंबर 2026 का मानदेय अग्रिम आदेशों तक तत्काल प्रभाव से रोक दिया गया है। संबंधित कार्यकत्रियों से कार्य में मिली कमियों को लेकर लिखित स्पष्टीकरण भी मांगा गया है।

जनपद में मूसलाधार बारिश से चारों ओर पानी ही पानी

जिला संवाददाता

ललितपुर। बुधवार से लगातार हो रही तेज बारिश ने जनपदवासियों का जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। लगातार बारिश के चलते गोविन्द सागर बांध सहित शहजाद नदी, बयाना नाला और नदी समेत कई नदी-नालों का जलस्तर तेजी से बढ़ गया है। कई पुलों के ऊपर से पानी बहने के कारण प्रमुख मार्गों पर आवागमन बंद हो गया है। वहीं शहर के कई मोहल्लों में जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो गई है। आजादपुरा में तुवन मंदिर के पीछे 25 से अधिक घरों में करीब तीन-तीन फीट पानी भरने से लोगों की मुश्किलें बढ़ गई हैं।

शहजाद नदी में उफान आने के कारण बांसी-बार मार्ग पर गढि ?ा गांव के पास स्थित पुल करीब दो फीट पानी में डूब गया, जिससे इस मार्ग पर आवागमन बंद हो गया है। पानी का बहाव तेज होने के कारण लोगों को पुल पार न करने की सलाह दी जा रही है। इसी तरह ललितपुर शहर में बयाना नाला भी उफान पर है। बयाना नाले का

- भारी बारिश से नदियां-नाले उफनाये, कई मार्ग बंद, बांधों के गेट खुले
- गली-मुहल्लों में जलभराव ने खोली नगर पालिका के कार्यों की पोल

पानी बढ ? से ललितपुर-बुढवार मार्ग पर सिद्धन के पास स्थित पुल पानी में डूब गया, जिसके चलते मार्ग पर आवागमन प्रभावित हो गया है। रामनगर से बड़ापुरा जाने वाले बयाना पुल के ऊपर से करीब तीन फीट पानी बह रहा है। खिरकापुरा स्थित बूढ़े बब्बा मंदिर के पास का पुल भी पानी में डूब गया है। वहीं मोहल्ला आजादपुरा में तुवन मंदिर के पीछे जलभराव की स्थिति गंभीर हो गई। यहां 25 से अधिक घरों में करीब तीन फीट तक पानी भरने से लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बारिश के चलते शहर की कई गलियां भी तालाब जैसी नजर आईं। जगह-जगह जलभराव ने नगर की जल निकासी व्यवस्था की पोल खोल दी। स्थानीय लोग जलभराव और बंद मार्गों की तस्वीरें एवं वीडियो सोशल मीडिया पर साझा कर प्रशासन का ध्यान समस्या की ओर आकर्षित कर रहे हैं। लगातार बारिश के कारण पिपरा से मनपुरा होते हुए जखौरा-तालबेहट मार्ग पर भी आवागमन प्रभावित हुआ है। पुलिया के ऊपर तेज गति से पानी बहने के कारण इस मार्ग से निकलना जोखिम भरा हो गया है। स्थानीय लोगों ने राहगीरों से पानी के तेज बहाव के बीच पुलिया पार नहीं करने की अपील की है और प्रशासन से सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है। बुधवार रात से जारी बारिश का असर पाली-घटवार मार्ग पर भी देखने को मिला। घुंसी नदी का जलस्तर बढ ? से पुल के ऊपर से पानी बहने लगा, जिसके चलते जनपद को जोड ? वाला यह महत्वपूर्ण मार्ग भी आवागमन के लिए बंद हो गया। मार्ग बंद होने से आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। भारी बारिश और जलभराव को देखते हुए विद्यार्थियों की सुरक्षा के मद्देनजर जिलाधिकारी सत्य प्रकाश के आदेश पर 3 सितंबर 2026 को कक्षा 1 से 8 तक के सभी स्कूलों में अवकाश घोषित किया गया है। बेसिक शिक्षा अधिकारी रत्नेश श्रीवास्तव ने जनपद के सभी संबंधित विद्यालयों को आदेश का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। लगातार बारिश के चलते प्रशासन की ओर से लोगों से नदी, नाले और जलभराव वाले पुलों को पार न करने तथा अनावश्यक रूप से घरों से बाहर न निकलने की अपील की जा रही है। स्थिति पर प्रशासन की नजर बनी हुई है। इधर बुधवार की रात्रि से लगातार हुई बारिस से गोविन्द सागर बांध का जल स्तर बढ गया, जिससे बांध के कई गेट खोलकर हजारों क्यूसेक पानी की निकासी की गई, गोविन्द सागर बांध से पानी की निकासी के कारण शहजाद बांध का भी जलस्तर बढ गया जिस कारण उसके भी गेट किसी भी समय खोले जाने की स्थिति में बने हुये हैं।

जन्माष्टमी और मटकी फोड़ कार्यक्रम हर्षोल्लास के साथ संपन्न

ललितपुर। पहलवान गुरुदीन पब्लिक स्कूल, पनारी, ललितपुर में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी श्रीकृष्ण जन्माष्टमी एवं मटकी फोड़ कार्यक्रम बड़े ही हर्षोल्लास, उमंग एवं भक्तिभाव के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय की प्रबंध निदेशिका डॉ. पूजा यादव, डिप्टी डायरेक्टर गौरव यादव एवं मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. आंचल यादव द्वारा मां सरस्वती के पूजन तथा राधा-कृष्ण भगवान की सुंदर झांकियों का पूजन एवं आरती कर किया गया। इसके पश्चात विद्यालय के नन्हे-मुन्ने बच्चों द्वारा भगवान श्रीकृष्ण एवं राधा रानी की विभिन्न मनमोहक झांकियां प्रस्तुत की गईं। बच्चों की मनमोहक वेशभूषा, सुंदर प्रस्तुतियों एवं आकर्षक झांकियों को देखकर ऐसा प्रतीत हो रहा था मानो स्वयं भगवान श्रीकृष्ण एवं राधा रानी ब्रज की पावन धरती से विद्यालय प्रांगण में अवतरित हो गए हों। झांकियों ने उपस्थित सभी लोगों का मन मोह लिया। इसके बाद बाल शाखाओं द्वारा मटकी फोड़ कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। मटकी फोड़ते समय विद्यालय परिसर में चारों ओर जय श्री कृष्ण, राधे-राधे के जयकारे गूंज उठे। बच्चों के उत्साह और उमंग से पूरा विद्यालय प्रांगण भक्तिमय वातावरण में सराबोर हो गया। कार्यक्रम की मनमोहक छवि देखकर उपस्थित सभी लोग भाव-विभोर हो उठे। कार्यक्रम में महिला महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. सोफिया, च्ळडड प्राचार्य डॉ. महेश कुमार झा, फामेर्सी विभाग प्राचार्य डॉ. विनोद यादव सहित पहलवान गुरुदीन ग्रुप ऑफ कॉलेज के समस्त विभागाध्यक्ष एवं प्रवक्तागण उपस्थित रहे।

डीएम ने किया निर्माणाधीन मुख्यमंत्री अभ्युदय विद्यालय बड़ेल का निरीक्षण

बाराबंकी। जिलाधिकारी ईशान प्रताप सिंह ने कम्पोजिट विद्यालय बड़ेल परिसर में निर्माणाधीन मुख्यमंत्री अभ्युदय विद्यालय बड़ेल का निरीक्षण कर निर्माण कार्यों की

- निर्माण में अपेक्षित प्रगति न मिलने पर बीएसए व सिडको अभियंता से स्पष्टीकरण तलब

प्रगति एवं परिसर में उपलब्ध व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान निर्माण कार्यों में अपेक्षित प्रगति न पाये जाने पर जिलाधिकारी ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी तथा निर्माण एजेंसी यू0पी0 सिडको के संबंधित अभियंता से स्पष्टीकरण प्राप्त करने के निर्देश दिए।

परिसर में स्थित खण्ड शिक्षा अधिकारी बंकी के कार्यालय में गंदगी पाये जाने पर जिलाधिकारी ने खण्ड शिक्षा अधिकारी बंकी से स्पष्टीकरण प्राप्त करने के निर्देश दिए।

कानपुर के बाद अब फतेहपुर एआरटीओ आफिस में छापा

बाबुओ के साथ कई दलाल पकड़े गये

वरिष्ठ संवाददाता

लखनऊ। परिवहन विभाग में भ्रष्टाचार और दलालों के खिलाफ लगातार कार्रवाई हो रही है, लेकिन दूसरी ओर विभाग की ऑनलाइन सेवाओं की धीमी रफ्तार ने आम लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। प्रदेश में आए दिन कहीं न कहीं छापेमारी कर दलालों को पकड़ा जा रहा है। हाल ही में फतेहपुर में कार्रवाई कर दलालों को पकड़ा गया। इससे पहले कानपुर में भी परिवहन विभाग के कार्यालय में कार्रवाई हुई थी। कानपुर की कार्रवाई में दो एआरटीओ को निलम्बित किया गया था, जबकि आरटीओ को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। इसके अलावा दो बाबुओं के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की गई। कार्यालय के बाहर सक्रिय करीब 15 बाहरी लोगों के खिलाफ भी एफआईआर दर्ज की जा चुकी है। लगातार हो रही इन कार्रवाइयों से विभागीय कार्यालयों में हड़कंप की स्थिति है। विभाग का दावा है कि अधिकांश सेवाओं को ऑनलाइन कर दिया गया है, ताकि लोगों को कार्यालय के चक्कर न लगाने पड़ें और दलालों की भूमिका समाप्त हो। इसके बावजूद आवेदकों की शिकायत है कि ऑनलाइन व्यवस्था कई बार परेशानी का कारण बन रही है। सर्वर की खराबी, तकनीकी दिक्कत और आवेदन लंबित रहने से छोटे-छोटे काम में भी कई दिन लग रहे हैं। आवेदकों का कहना है कि जो काम सामान्य स्थिति में पांच मिनट में हो जाना चाहिए, उसके लिए पांच दिन तक इंतजार करना पड़ रहा है। कई लोग तो निर्धारित समय में काम हो जाने को अपनी किस्मत मान रहे हैं। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि जब सेवाएं ऑनलाइन हैं तो दलालों की जरूरत आखिर क्यों पड़ रही है। परिवहन विभाग लगातार छापेमारी कर दलालों पर शिकंजा कस रहा है, लेकिन जब तक ऑनलाइन सेवाओं का सर्वर और तकनीकी व्यवस्था मजबूत नहीं होगी, तब तक आम लोगों को राहत मिलना मुश्किल है। जरूरत इस बात की है कि विभाग कार्रवाई के साथ-साथ ऑनलाइन सेवाओं की गुणवत्ता और समयबद्ध निस्तारण पर भी गंभीरता से ध्यान दे।

सालों से सेवा दे रहे सफाई कर्मचारियों ने मांगा निगम में समायोजन

ललितपुर। जिले के सरकारी अस्पतालों में वर्षों से सेवाएं दे रहे सफाई कर्मचारियों और सुपरवाइजरों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर गुरुवार को जिलाधिकारी को मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार के नाम ज्ञापन सौंपा। कर्मचारियों ने यू.पी. सी.ओ.एस. निगम/एलएमएस पोर्टल पर समायोजन किए जाने के साथ ही समायोजन की प्रक्रिया पूरी होने तक किसी भी कर्मचारी को सेवा से न हटाने की मांग उठाई। ज्ञापन सौंपने वाले कर्मचारियों ने बताया कि पुरुष अस्पताल, महिला अस्पताल एवं मेडिकल कॉलेज सहित विभिन्न सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में सफाई व्यवस्था का कार्य करने वाले कर्मचारी पिछले 10 से 20 वर्षों से लगातार अपनी सेवाएं दे रहे हैं। कर्मचारियों ने आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा आउटसोर्स कर्मचारियों के हितों को ध्यान में रखते हुए बनाए गए यू.पी. सी.ओ.एस. निगम में पुराने एवं अनुभवी कर्मचारियों को प्राथमिकता दिए जाने की व्यवस्था है। इसके बावजूद ललितपुर में लंबे समय से कार्यरत कर्मचारियों को निगम की व्यवस्था में समायोजित किए जाने के बजाय निजी एजेंसी के माध्यम से कार्य कराया जा रहा है। कर्मचारियों का आरोप है कि अनुभवी कर्मचारियों की जगह नए लोगों को मौका दिया जा रहा है, जिससे वर्षों से सेवा दे रहे कर्मचारियों के सामने रोजगार का संकट खड़ा हो गया है। कर्मचारियों ने कहा कि वह बेहद गरीब परिवारों से आते हैं और लंबे समय से इसी रोजगार के सहारे अपने परिवार का भरण-पोषण कर रहे हैं। यदि उन्हें सेवा से हटा दिया जाता है तो उनके सामने परिवार चलाने का गंभीर संकट उत्पन्न हो जाएगा। उन्होंने प्रशासन से मामले में हस्तक्षेप करते हुए वर्षों से कार्यरत कर्मचारियों के हित में तत्काल निर्णय लेने की मांग की। कर्मचारियों ने मुख्यमंत्री के नाम सौंपे ज्ञापन में मांग की कि 10 से 20 वर्षों से कार्यरत सभी सफाई कर्मचारियों एवं सुपरवाइजरों को निजी एजेंसी से हटाकर यू.पी. सी.ओ.एस. निगम/एलएमएस पोर्टल पर तत्काल समायोजित किया जाए।

देश की अर्थव्यवस्था और खाद्य सुरक्षा की आधारशिला: डॉ. सौरभ

ललितपुर। राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद नैक द्वारा मूल्यांकित संस्थान पहलवान गुरूदीन प्रशिक्षण महाविद्यालय पनारी, ललितपुर में कृषि संकाय की ओर से कृषि छात्र-छात्राओं के लिए कृषि जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ ग्रुप ऑफ कालेज के डायरेक्टर डॉ0 सौरभ यादव, प्रशिक्षण महाविद्यालय प्राचार्य डॉ0 महेश कुमार झा, कृषि विभाग से मुख्य अतिथि अध्यक्ष जनपदीय भूमि परीक्षण प्रयोगशाला ललितपुर गिरजेश सिंह यादव, कृषि विभागाध्यक्ष असि0प्रो0 भजनलाल साहू, कार्यक्रम संयोजक असि0प्रो0 उत्कर्ष जैन ने किया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य कृषि छात्र-छात्राओं को आधुनिक कृषि तकनीकों, वैज्ञानिक कृषि पद्धतियों, कृषि में नवाचार, नवीन कृषि योजनाएं तथा नवीनतम कृषि गतिविधियों के प्रति जागरूक करना रहा। डायरेक्टर डॉ0 सौरभ यादव ने कहा कि यह कृषि जागरूकता कार्यक्रम हमारे महाविद्यालय के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण अवसर है। कृषि केवल आजीविका का साधन नहीं, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था और खाद्य सुरक्षा की आधारशिला है। हमारा उद्देश्य विद्यार्थियों को आधुनिक एवं वैज्ञानिक कृषि तकनीकों से जोड़ना है। आज के समय में कृषि में तकनीक, नवाचार और डिजिटल साधनों का प्रयोग अत्यंत आवश्यक है। मुझे विश्वास है कि हमारे विद्यार्थी इस ज्ञान का उपयोग अपने भविष्य और समाज के विकास में करेंगे। प्राचार्य डॉ0 महेश कुमार झा ने कहा कि कृषि हमारे देश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और युवाओं की इसमें महत्वपूर्ण भूमिका है। विद्यार्थियों को केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित न रहकर कृषि की व्यावहारिक जानकारी भी प्राप्त करनी चाहिए। इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच एवं नई तकनीकों के प्रति रुचि उत्पन्न करते हैं। हमें प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण करते हुए टिकाऊ एवं लाभकारी कृषि को बढ़ावा देना चाहिए। मुख्य अतिथि गिरजेश सिंह यादव ने बताया कि कृषि क्षेत्र में आज तेजी से परिवर्तन हो रहा है और नई तकनीक किसानों के लिए अनेक अवसर लेकर आई है। मृदा परीक्षण, उन्नत बीज, सिंचाई प्रबंधन तथा वैज्ञानिक फसल प्रबंधन से उत्पादन एवं आय दोनों बढ़ाई जा सकती हैं। विद्यार्थियों को कृषि को केवल परंपरागत कार्य न मानकर एक आधुनिक व्यवसाय के रूप में देखना चाहिए। डिजिटल कृषि, ड्रोन, सेंसर एवं आधुनिक कृषि यंत्र भविष्य की कृषि को नई दिशा दे रहे हैं। कृषि विभागाध्यक्ष असि0प्रो0 भजनलाल, कार्यक्रम संयोजक असि0प्रो0 उत्कर्ष जैन ने भी कृषि पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम के दौरान कृषि विशेषज्ञ से कृषि छात्र-छात्राओं ने कृषि से संबंधित विभिन्न विषयों पर जानकारी प्राप्त की तथा विशेषज्ञ से अपने प्रश्न पूछकर उनका समाधान जाना। कार्यक्रम के अंत में असि0प्रो0 अजब सिंह ने आभार व्यक्त किया एवं कार्यक्रम का संचालन असि0प्रो0 सतीश कुमार साहू ने किया।

उचित दर विक्रेताओं ने सीएम को सम्बोधित ज्ञापन भेजकर जताया आभार

जिला संवाददाता

बाराबंकी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा उचित दर विक्रेताओं के लाभांश को 90 रुपये से बढ़ाकर 125 रुपये प्रति कुंतल किए जाने के निर्णय पर जनपद के 1,380 उचित दर विक्रेताओं के प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को संबोधित आभार ज्ञापन सौंपा। उचित दर विक्रेताओं ने मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि राशन वितरण का कार्य केवल

- प्रदेश सरकार के 90 से 125 रुपये प्रति कुंतल किये जाने का फैसला सार्वजनिक वितरण प्रणाली को देगा नई ऊजा

खाद्यान्न बांटने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जरूरतमंद परिवारों तक पहुंचाने की जिम्मेदारी भी है। सरकार द्वारा उनके आर्थिक हितों को ध्यान में रखकर लिया गया निर्णय उनके मनोबल को बढ़ाने वाला है और वे भविष्य में भी पूरी जिम्मेदारी एवं प्रतिबद्धता के साथ अपनी भूमिका निभाते रहेंगे। लाभांश में वृद्धि केवल उनकी आय बढ़ाने का निर्णय नहीं है। बल्कि इससे सार्वजनिक वितरण प्रणाली को भी नई ऊर्जा मिलेगी। आर्थिक रूप से सशक्त विक्रेता अधिक उत्साह के साथ अपनी जिम्मेदारी निभा सकेंगे और पात्र लाभार्थियों तक समय से खाद्यान्न पहुंचाने में प्रभावी भूमिका निभाएंगे। उचित दर विक्रेता प्रतिनिधिमंडल ने लाभांश वृद्धि के निर्णय के लिए कैबिनेट मंत्री खाद्य एवं रसद मनोज पांडेय एवं राज्यमंत्री सतीश चन्द्र शर्मा के प्रयासों की भी सराहना कर आभार व्यक्त किया। प्रतिनिधिमंडल में विजय पाल गौतम, सुरेन्द्र सिंह, मुहम्मद कामिल, वेद प्रकाश, गोविन्द शरण बाजपेयी आदि मौजूद रहे।

आमसभा में न्यायालय कर्मियों ने की कई मांगों को लेकर की चर्चा

जिला संवाददाता

बाराबंकी। दीवानी न्यायालय कर्मचारी संघ उत्तर प्रदेश के आह्वान पर न्यायालय परिसर में जिलाध्यक्ष कर्मेन्द्र विक्रम की अध्यक्षता मे आमसभा का आयोजन किया गया। सभा मे

- लंबित मांगों पर एक माह में कार्यवाही की पुरजोर मांग, 25 को लखनऊ में सत्याग्रह का ऐलान

वर्ष 2021-22 से लंबित जिला न्यायालय सेवा नियमावली संशोधन का प्रख्यापन, माननीय न्यायालय के आदेश के अनुपालन में संविदा कर्मियों के वेतन में बढ़ोतरी एवं नियमितीकरण, जनपद न्यायालयों में लोप हो चुके वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी के पद का पुनर्सृजन, पूर्व वेतन 4600 ग्रेड पे के लिपिकीय संवर्ग को राजपत्रित प्रतिष्ठा प्रदान किये जाने, मकान किराया भत्ता की दरों का पुनरीक्षण आदि मुद्दो पर चर्चा की गई। संघ जिलाध्यक्ष कर्मेन्द्र विक्रम ने आंदोलन की रूपरेखा बताते हुए कहा कि आगामी 13 सितम्बर को सदर विधायक के माध्यम से मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपा जाएगा।

2 अक्टूबर को जनपद में शांतिपूर्ण तिरंगा यात्रा निकालकर मांगें बुलंद की जाएंगी। तथा मांगे पूरी न होने पर 25 अक्टूबर 2026 को प्रदेश के समस्त जनपद न्यायालय कर्मचारी लखनऊ में आयोजित महा-सत्याग्रह में प्रतिभाग करेंगे।

इस मौके पर जयशंकर त्रिवेदी, राहुल कुमार, रजनीश सोनी, आलोक कुमार वर्मा, नावेन्द्र सिंह, विनीत कुमार मिश्रा, हैसियत वर्मा सहित कार्यकारिणी समस्त कर्मचारी मौजूद रहे।

एडीजीसी सिविल मुकेश कुमार वर्मा का स्वागत अभिनंदन कार्यक्रम संपन्न

बाराबंकी। नवनियुक्त सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता सिविल मुकेश कुमार वर्मा का स्वागत

- अधिवक्ताओ ने फूल माला पहनाकर व मिष्ठान खिलाकर दी बधाई

अभिनन्दन कार्यक्रम कलेक्ट्रेट स्थित अधिवक्ता चैम्बर में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम मे अधिवक्ता विजय राज सिंह के नेतृत्व मे अधिवक्ताओ ने नवनियुक्त सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता सिविल श्री वर्मा को फूल माला पहनाकर व मिष्ठान खिलाकर बधाई दी। तथा उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। इस मौके पर सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता सिविल श्री वर्मा ने कहा कि सरकार की मंशानुरुप कार्य करेगे। स्वागत करने वालो अधिवक्ता अंशूमान सिंह, शैलेन्द्र मौर्या विष्णु कुमार मौर्या, प्रशांत द्विवेदी, संतोष कुमार, जय नारायण, जितेन्द्र कुमार सिंह, अनुज कुमार सिंह आदि मौजूद रहे।

डीएम ने की नगर विकास कार्यों की समीक्षा

बाराबंकी। जिलाधिकारी ईशान प्रताप सिंह ने कलेक्ट्रेट स्थित लोक सभागार में नगर विकास विभाग के कार्यों की समीक्षा की। बैठक में जिलाधिकारी ने जनपद के सभी नगर निकायों के अधिशासी अधिकारियों से वर्तमान में हो रही भारी बारिश के दृष्टिगत एक-एक नगर निकाय में जलभराव की स्थिति की जानकारी ली। जिलाधिकारी ने सभी अधिशासी अधिकारियो को बारिश को देखते हुए सभी नगर निकाय अलर्ट मोड में रहने तथा कहीं भी जलभराव की स्थिति उत्पन्न न होने, जलभराव के दृष्टि से संवेदनशील स्थलों पर पम्प आदि आवश्यक संसाधनों की व्यवस्था सुनिश्चित रखने, जलभराव से संबंधित आईजीआरएस के माध्यम से प्राप्त होने वाली प्रत्येक शिकायत का तत्काल संज्ञान लेते हुए त्वरित एवं संतुष्टिपरक निस्तारण सुनिश्चित करने, नगर निकायों में स्वच्छता एवं जनस्वास्थ्य व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता देने, सभी वार्डों में नियमित साफ-सफाई, नालों एवं नालियों की सफाई तथा कूड़ा उठान सुनिश्चित किये जाने, मच्छरजनित रोगों की रोकथाम के लिए नियमित फॉगिंग एवं आवश्यकतानुसार कीटनाशकों का छिड़काव करने, जलभराव वाले अथवा संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखते हुए साफ-सफाई एवं फॉगिंग की व्यवस्था सुनिश्चित करने को लेकर निर्देशित किया।

- भारी बारिश के चलते नगर निकाय अलर्ट मोड मे रहने व जलभराव की स्थिति पर तत्काल कार्यवाही करने के निर्देश
- ओटीएस योजना के तहत बकायेदार करदाताओं को जानकारियो वाली नोटिस देकर दिलाये लाभ: डीएम

बैठक में एकमुश्त समाधान योजना की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने योजना का लाभ अधिक से अधिक पात्र करदाताओं तक पहुंचाने के लिए सभी नगरीय निकायों में वार्डवार टीमें गठित कर प्रत्येक बकायेदार करदाता को नोटिस उपलब्ध कराने, नोटिस में करदाता के कुल बकाये के साथ-साथ ओटीएस के अंतर्गत वर्तमान में भुगतान करने पर मिलने वाली छूट, लाभ की धनराशि का स्पष्ट उल्लेख किये जाने को लेकर निर्देशित किया।

उन्होंने बड़े बकायेदारों एवं पुराने बकाये वाले करदाताओं से विशेष रूप से संपर्क कर योजना का लाभ दिलाने तथा निर्धारित समयसीमा के भीतर बकाया कर जमा कराने की कार्रवाई सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। बैठक में उप जिलाधिकारी नवाबगंज गुंजिता अग्रवाल, नगरपालिका परिषद नवाबगंज अधिशासी अधिकारी संजय कुमार सिंह, नगर पंचायत बंकी अधिशासी अधिकारी मोहिनी केसरवानी सहित संबंधित विभागों अधिकारी मौजूद रहे।

जन्माष्टमी पर राधा-कृष्णा वेषभूषा में बच्चों ने मनमोह लिया

संक्षेप

मोटोवर्स 2026 का काउंटडाउन शुरू

नई दिल्ली। रॉयल एनफील्ड ने अपने सबसे बड़े मोटो-कल्चर आयोजन, मोटोवर्स 2026 के लिए आज कलाकारों की पहली लाईन-अप की घोषणा कर दी। इन कलाकारों में भारत की सबसे प्रतिष्ठित और दिग्गज हस्तियां शामिल हैं। रॉयल एनफील्ड के 125 साल पूरे होने के जश्न में मोटोवर्स 2026 में 27 से 29 नवंबर, यानी तीन दिनों तक वैगेटर, गोवा में म्यूजिक, मोटरसाईकल, आर्ट, स्पोर्ट और कल्चर का बेहतरीन अनुभव प्राप्त होगा।यह इस फेस्टिवल का अब तक का सबसे बड़ा एडिशन है। मोटोवर्स 2026 में एक्सक्लुसिव मोटरसाईकल पेश की जाएंगी। उन्हें लॉन्च किया जाएगा। शुद्ध स्पोर्ट का अनुभव प्राप्त होता, तथा आर्ट एवं क्राफ्ट्समैनशिप, क्योरेटेड राईड, फूड, वर्कशॉप एवं अनेकों सामुदायिक अनुभवों का अनोखा मेल देखने को मिलेगा। रेबल, लिफाफा, फरहान अख्तर, संजीत हेगड़े, एमएचआर एंड फ्रेंड्स और द थिंक फ्लॉयडियन आदि हिप-हॉप, हिंदी इलेक्ट्रॉनिका, प्लेबैक और ट्रिब्यूट परफॉर्मेंस में शानदार पेशकश देंगे। रेबल भारत के स्वतंत्र हिपहॉप सर्किट में जबरदस्त ऊर्जा लेकर आए हैं, जो अब राष्ट्रीय फिल्मों के साउंडट्रैक में भी दिखाई देती है। फरहान अख्तर स्क्रीन से स्टेज के बीच आते-जाते रहते हैं। संजीत हेगड़े मल्टी-लिंग्वल प्लेबैक में अपनी पहचान रखते हैं।

नकटिया नदी की स्वच्छता एवं जल गुणवत्ता परीक्षण अभियान में आरएलआरसी की सहभागिता

बरेली। रोहिलखंड लेबोरेटरी एंड रिसर्च सेंटर बरेली ने बरेली कैंटोनमेंट बोर्ड के सहयोग से नाथ गंगा परियोजना के अंतर्गत नकटिया नदी की स्वच्छता एवं जल गुणवत्ता परीक्षण अभियान में सहभागिता की। इस पहल का उद्देश्य नकटिया नदी एवं आसपास के जलस्त्रोतों की जल गुणवत्ता का वैज्ञानिक आधार पर आकलन करना और उनके संरक्षण एवं पुनर्जीवन के प्रयासों को मजबूत करना है। आर एल आर सी ने इस महत्वपूर्ण पर्यावरणीय एवं जनहितकारी पहल में उसे शामिल करने के लिए बरेली कैंटोनमेंट बोर्ड और डॉ. तनु जैन के प्रति आभार व्यक्त किया। वह नकटिया नदी के संरक्षण और जल गुणवत्ता सुधार की दिशा में बरेली कैंटोनमेंट बोर्ड को अपने वैज्ञानिक एवं तकनीकी सहयोग के माध्यम से हरसंभव सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। अभियान के तहत आर एल आर सी की वैज्ञानिक एवं तकनीकी टीम ने निर्धारित प्रोटोकॉल का पालन करते हुए विभिन्न स्थानों से कुल 9 जल नमूने एकत्र किए। इनमें ट्रेंचिंग ग्राउंड का भूजल एवं टैंक का पानी, थिरिया पुल और धोपा मंदिर के पीछे से नकटिया नदी का पानी, धोपा मंदिर के तालाब का पानी तथा बरेली कैंटोनमेंट बोर्ड क्षेत्र के विभिन्न आवासीय एवं संस्थागत स्थानों से लिए गए पानी के नमूने शामिल हैं।

जावा येज्दी व बीएसए मोटरसाइकिल्स ने युवाओं की उप संस्कृति का उत्सव मनाया

नई दिल्ली। क्लासिक लेजेंड्स ने आज इंडियन सुपर गेमिंग लीग 2026 में शामिल होने का एलान किया है। इसके जरिए कंपनी अपनी जावा, येज्दी और बीएसए मोटरसाइकिल्स को एक ऐसे मंच पर ला रही है जहाँ प्रतिस्पर्धा, संस्कृति और समाज का अनूठा संगम होता है। इसकी शुरूआत चेन्नई से होगी, जो आईएसजीएल के चुनिंदा शहरों में से एक है। इसके बाद इसे पूरे देश में ले जाया जाएगा। इस लीग के दौरान जावा, येज्दी और बीएसए मोटरसाइकिल्स को आईएसजीएल के सभी आयोजन स्थलों और एक्सपीरियंस जोन में दिखाया जाएगा। इससे लोगों को मोटरसाइकिल की दुनिया से अलग हटकर भी इन ब्रांड को करीब से जानने का मौका मिलेगा। मोटर साइकिल चलाना और गेमिंग भले ही अलग-अलग दुनिया के लग सकते हैं, लेकिन ये दोनों एक ही बुनियादी सिद्धांतों जैसे कौशल, खुद की अभिव्यक्ति और समुदाय की एक मजबूत भावना पर टिके हैं। जो बात इन्हें वास्तव में खास बनाती है, वह है इनके इर्द-गिर्द पनपने वाली संस्कृति।

कर्नाटक ने रखा 2030 तक बिजली क्षमता 66 गीगावाट करने का लक्ष्य

बेंगलुरु। कर्नाटक ने 2030 तक अपनी स्थापित बिजली क्षमता मौजूदा 39 गीगावाट से अधिक से बढ़ाकर 66 गीगावाट करने का 10 साल की रूपरेखा तैयार की है। ऊर्जा विभाग ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। ऊर्जा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव गौरव गुप्ता ने कहा कि अगले दशक में बिजली क्षमता का विस्तार मुख्य रूप से स्वच्छ ऊर्जा पर केंद्रित रहेगा। उन्होंने कहा कि राज्य में फिलहाल 39 गीगावाट से अधिक की स्थापित बिजली क्षमता है, जिसमें करीब दो-तिहाई हिस्सेदारी स्वच्छ जलविद्युत और नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों की है।

सेंसेक्स में 417 अंकों की गिरावट

मुंबई। कच्चे तेल के दाम में तेजी तथा सूचना प्रौद्योगिकी शेयरों में बिकवाली से घरेलू शेयर बाजार में बृहस्पतिवार को लगातार चौथे दिन गिरावट आई और दोनों मानक सूचकांक नुकसान में रहे। बीएसई सेंसेक्स 417 टूटा जबकि एनएसई निफ्टी 41 अंक फिसल गया।

तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 417.49 अंक यानी 0.55 प्रतिशत टूटकर 76,152.86 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स बढ़त के साथ खुला और एक समय 354.13 अंक चढ़कर 76,924.48 अंक के उच्च स्तर पर पहुंच गया था। हालांकि, बाद में इसने अपनी बढ़त गंवा दी। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का 50 शेयरों पर आधारित निफ्टी भी 41 अंक यानी 0.17 प्रतिशत फिसलकर 23,873.45 अंक पर बंद हुआ। वैश्विक बाजारों में सुधार और हाल में विदेशी पूंजी के प्रवाह से शुरुआती कारोबार में बाजार में आई तेजी वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच निवेशकों के सतर्क रुख के कारण कारोबार के अंतिम घंटे में कमजोर पड़ गई। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में टाइटन, ट्रेंट, आईटीसी, महिंद्रा एंड महिंद्रा, बजाज फिनसर्व, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, टेक महिंद्रा, सन फार्मास्युटिकल्स, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, अल्ट्राटेक सीमेंट और बजाज फाइनेंस प्रमुख रूप से नुकसान में रहीं। दूसरी ओर, लाभ में रहने वाले शेयरों में एक्सिस बैंक, अदाणी पोर्ट्स, एशियन पेंट्स, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लि. और टाटा स्टील शामिल हैं। बीएसई में सूचीबद्ध शेयरों में से 2,545 लाभ में रहे, जबकि I,778 में गिरावट दर्ज की गयी। वहीं 223 के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 1.57 प्रतिशत बढ़कर 97.13 डॉलर प्रति बैरल हो गया। कच्चे तेल की कीमतों में तेजी घरेलू बाजार के लिए प्रमुख दबाव का कारण बना हुआ है। वैश्विक स्तर पर मिले सकारात्मक संकेतों और विदेशी संस्थागत निवेशकों की लिवाली के बावजूद लगातार बनी वैश्विक चिंताओं और वैश्विक बॉन्ड प्रतिफल उंचा रहने के कारण बाजार में सुधार की कोशिश फीकी पड़ गई। बैंक और रियल्टी शेयरों ने बाजार को कुछ राहत दी जबकि छोटी कंपनियों के शेयरों में निवेशकों की रुचि बनी रही, जो घरेलू वृद्धि की संभावनाओं में भरोसे को बताता है।

मानक सूचकांकों में गिरावट के बावजूद छोटी और मझोली कंपनियों से जुड़े सूचकांकों में तेजी रही। स्मॉलकैप सेलेक्ट सूचकांक 1.02 प्रतिशत चढ़ा, जबकि मिडकैप सेलेक्ट में 0.09 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई।

रुपया 14 पैसे की मजबूती के साथ 94.59 प्रति डॉलर पर

मुंबई। रुपया बृहस्पतिवार को 14 पैसे की मजबूती के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.59 (अस्थायी) पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा जमा में उम्मीद से काफी अधिक राशि जुटने से रुपये को समर्थन मिला।

भारतीय रिजर्व बैंक ने एक विशेष कार्यक्रम के तहत एफसीएनआर (बी) यानी विदेशी मुद्रा प्रवासी (बैंक) जमा के जरिये 127.23 अरब डॉलर जुटाए हैं। आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी मुद्रा में विदेशों से लिए गए कर्ज (ओएफसीबी) और विदेशी वाणिज्यिक उधारी (ईसीबी) सहित इन उपायों के तहत कुल पूंजी प्रवाह 136.377 अरब डॉलर रहा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 94.30 प्रति डॉलर पर खुला। कारोबार के दौरान यह 94.26 के उंचे स्तर तक गया और 94.59 के निचले स्तर तक आया। कारोबार के अंत में रुपया बृहस्पतिवार को 94.59 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर रहा, जो पिछले बंद भाव से 14 पैसे की बढ़त है। रुपया बुधवार को 22 पैसे की तेजी के साथ 94.73 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इससे पहले मंगलवार को रुपया 27 पैसे मजबूत होकर 94.95 प्रति डॉलर पर रहा था। वहीं सोमवार और शुक्रवार को भी रुपये में क्रमशः 21 पैसे और दो पैसे की तेजी दर्ज की गई थी। भारी एफसीएनआर जमा प्रवाह और एफआईआई की खरीदारी से रुपये में तेज मजबूती आई। अमेरिकी डॉलर और अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल में नरमी तथा येन में तेज मजबूती ने भी रुपये को समर्थन दिया। इस बीच, दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को मापने वाला डॉलर सूचकांक 0.38 प्रतिशत की गिरावट के साथ 99.22 पर आ गया। अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट कच्चा तेल का भाव वायदा कारोबार में 0.85 प्रतिशत चढ़कर 96.44 डॉलर प्रति बैरल हो गया। यह तेजी होर्मुज जलडमरूमध्य के जरिये कच्चे तेल की आपूर्ति बाधित होने की आशंका के बीच आई। घरेलू शेयर बाजार में सेंसेक्स 417.49 अंक टूटकर 76,152.86 अंक पर जबकि निफ्टी 41 अंक की गिरावट के साथ 23,873.45 अंक पर बंद हुआ। विदेशी संस्थागत निवेशकों ने बुधवार को शुद्ध रूप से 6,688.37 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे थे।

सोना 3400 रुपये मजबूत, चांदी में 5000 रुपये का उछाल

नयी दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में मजबूत रुख के कारण राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में बृहस्पतिवार को सोने में लगातार छह दिन से जारी गिरावट का सिलसिला थम गया और यह 3,400 रुपये की बढ़त के साथ 1.59 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया।

99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत बुधवार के I,56,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के बंद भाव से 3,400 रुपये बढ़कर I,59,500 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) हो गई। चांदी में भी तेजी आई और यह 5,000 बढ़कर 2,40,500 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) हो गई। पिछली बार चांदी 2,35,500 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। अमेरिकी बान्ड प्रतिफल के हालिया उंचे स्तर से नीचे आने के कारण सोने और चांदी में सुधार हुआ, जबकि नए भू-राजनीतिक तनावों के कारण सुरक्षित निवेश के रूप में इसकी मांग बनी हुई है। यह सुधार अमेरिकी मौद्रिक नीति की उम्मीदों में बदलाव के प्रति सोने की संवेदनशीलता को दर्शाता है। वैश्विक बाजारों में, हाजिर सोना में 55.76 डॉलर या 1.27 प्रतिशत की बढ़त हुई और यह 4,443.93 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया, जबकि चांदी लगभग एक प्रतिशत बढ़कर 65.77 डॉलर प्रति औंस हो गई।

अगस्त में सेवा क्षेत्र की गतिविधियों में वृद्धि जारी

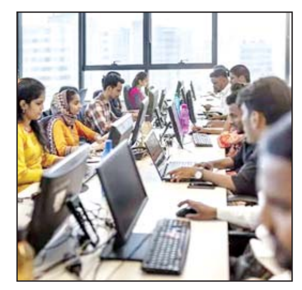

नयी दिल्ली। देश में अगस्त में सेवा क्षेत्र की गतिविधियों में वृद्धि जारी रही और उत्पादन तथा नए कारोबार में मजबूती से इसे समर्थन मिला। हालांकि, वृद्धि की कुल रफ्तार मार्च 2022 के बाद दूसरी सबसे धीमी रही। बृहस्पतिवार को जारी मासिक सर्वेक्षण से यह जानकारी मिली।

मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया सेवा पीएमआई कारोबारी गतिविधि सूचकांक जुलाई के 53.3 से बढ़कर अगस्त में 54.1 हो गया। मांग की स्थिति अनुकूल बनी रही और नए कारोबार का प्रवाह भी बढ़ता रहा। अगस्त में दर्ज वृद्धि की रफ्तार मार्च 2022 के बाद दूसरी सबसे कमजोर रही। इसकी वजह बुकिंग में कमी, कड़ी प्रतिस्पर्धा और परिवहन सेवाओं में कमी रही। यह सेवा सूचकांक इस सवाल के आधार पर तैयार किया जाता है कि कारोबार की गतिविधि का स्तर पिछले महीने की तुलना में कैसा रहा। अगस्त में भारत की सेवा गतिविधियों में वृद्धि की रफ्तार बढ़ी। उत्पादन और नए कारोबार में मजबूती से वृद्धि को समर्थन मिला, हालांकि कुल वृद्धि की रफ्तार चार साल से अधिक समय में देखी गई सबसे कमजोर रफ्तार में रही। कुछ कंपनियों ने बुकिंग में कमी, प्रतिस्पर्धा और परिवहन सेवाओं में कमी का जिक्र किया। इसके बावजूद कंपनियों ने कर्मचारियों की भर्ती जारी रखी और रोजगार सृजन 15 महीने के उच्च स्तर पर पहुंच गया। वहीं, कीमतों पर दबाव में मामूली ही वृद्धि हुई। कंपनियों ने डिजिटल मंचों, बिजली, कच्चे माल, श्रम, विपणन और नियामकीय जरूरतों पर अधिक खर्च की जानकारी दी। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय मांग से वृद्धि को लगातार समर्थन मिलता रहा। नए निर्यात ऑर्डर में मजबूत वृद्धि हुई और इसकी रफ्तार जुलाई के समान रही। कंपनियों ने ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, जापान, मलेशिया, सिंगापुर, श्रीलंका और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) सहित विभिन्न बाजारों के ग्राहकों से कारोबार बढ़ने की जानकारी दी।

वाहन कंपनियों को ईवी सब्सिडी बंद होने के लिए तैयार रहना होगा

नयी दिल्ली। भारी उद्योग मंत्रालय के सचिव कामरान रिजवी ने बृहस्पतिवार को कहा कि इलेक्ट्रिक वाहन क्षेत्र में अगले कुछ वर्षों में सरकारी सब्सिडी और समर्थन का दौर खत्म हो जाएगा लिहाजा वाहन कंपनियों को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार रहना होगा।

रिजवी ने वाहन विनिर्माताओं के संगठन (सियाम) के वार्षिक सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने के लिए वाहन उद्योग को मिलकर चार्जिंग बुनियादी ढांचा तैयार करना होगा। उन्होंने वाहन एवं कलपुर्जा विनिर्माताओं से शोध एवं विकास (आरएंडडी) पर खर्च बढ़ाने को भी कहा। रिजवी ने कहा कि सरकार के समर्थन से भारत इलेक्ट्रिक परिवहन के क्षेत्र में आगे बढ़ा है, लेकिन अगले चार-पांच साल में कई चुनौतियां सामने आएंगी। उन्होंने कहा कि सबसे पहली बात यह होगी कि सब्सिडी और सरकार का समर्थन खत्म हो जाएगा। कुछ क्षेत्रों में यह पहले ही बंद हो चुका है। उन्होंने बताया कि भारत में कुल तिपहिया बिक्री में ई-तिपहिया की हिस्सेदारी करीब 50 प्रतिशत है, जो 2026 के लिए तय 10 प्रतिशत के लक्ष्य से काफी अधिक है। अगले दो-तीन साल में यह हिस्सेदारी 75 प्रतिशत तक पहुंच सकती है।

नयी जीडीपी श्रृंखला संरचनात्मक बदलावों के अनुरूप

नयी दिल्ली। पंद्रहवें वित्त आयोग के चेयरमैन रह चुके एन के सिंह ने बृहस्पतिवार को नई जीडीपी श्रृंखला के आधार पर जारी आंकड़ों का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि यह आंकड़ा भारत की अर्थव्यवस्था में आए महत्वपूर्ण बदलावों, विशेषकर सेवा क्षेत्र के तेजी से विस्तार को बेहतर ढंग से बताता है।

सिंह ने कहा कि नई श्रृंखला सर्वोत्तम वैश्विक मानकों के अनुरूप है। सिंह ने यह भी कहा कि 38 साल बाद भारत को ए रेटिंग मिली है। यह 2014 से केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार के व्यापक संरचनात्मक सुधारों और लगातार बनी व्यापक आर्थिक स्थिरता को अभिव्यक्त करती है। जापान क्रेडिट रेटिंग (जेसीआर) एजेंसी ने बुधवार को स्थिर परिदृश्य के साथ भारत की रेटिंग को बीबीबी से बढ़ाकर ए- कर दिया। जेसीआर ने भारत की मजबूत आर्थिक वृद्धि, वित्तीय स्थिति में सुधार और वृद्धि की बुनियाद मजबूत करने वाली आर्थिक नीतियों की दक्षता के आधार पर रेटिंग बढ़ाई है। सिंह ने कहा कि 2022-23 को आधार वर्ष बनाकर तैयार की गई नई जीडीपी श्रृंखला में पहले की तुलना में अधिक आंकड़ों और आर्थिक गतिविधियों को शामिल किया गया है। राष्ट्रीय आय की गणना के लिए आधार वर्ष में बदलाव एक सामान्य प्रक्रिया है। राष्ट्रीय आय की गणना के लिए आधार वर्ष को 2011-12 से बढ़ाकर 2022-23 कर दिया गया है। उन्होंने 10वें सीआईआई राष्ट्रीय स्कूल शिक्षा शिखर सम्मेलन के दौरान अलग से बातचीत में कहा, देश आर्थिक गतिविधियों की बदलती वास्तविकताओं और उनके स्वरूप को प्रतिबिंबित करने के लिए आधार वर्ष बदलते हैं। भारत में सेवा क्षेत्र में बहुत बड़ा बदलाव आया है और जीडीपी की संरचना में भी व्यापक परिवर्तन हुआ है। नई श्रृंखला इन बदलावों को बेहतर ढंग से बताती है। यह सर्वोत्तम अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप है। जीडीपी वृद्धि दर जून तिमाही में 7.8 प्रतिशत रही है। आंकड़े जारी होने के बाद कुछ आलोचकों ने इसकी विश्वसनीयता और गणना पद्धति पर सवाल उठाए हैं। यह वृद्धि बाजार के अनुमानों से ही नहीं बल्कि आरबीआई के सात प्रतिशत के अनुमान से भी काफी अधिक रही है। सरकार पहले ही इन आलोचनाओं को खारिज कर चुकी है। उसने कहा है कि पहली तिमाही के जीडीपी आंकड़ों की तुलना नई श्रृंखला में किए गए संशोधनों के संदर्भ में की जानी चाहिए। भारत की रेटिंग को लेकर सिंह ने कहा कि जेसीआर ने यह साख ऐसे समय बढ़ाई है, जब भारतीय अर्थव्यवस्था ने जून तिमाही में 7.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। मार्च तिमाही में वृद्धि दर 8.6 प्रतिशत और पिछले साल जून तिमाही में 6.9 प्रतिशत रही थी।

सरकार की अक्टूबर, 2027 से भारत एनसीएपी 2.0 शुरू करने की योजना

नयी दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बृहस्पतिवार को कहा कि सरकार अक्टूबर, 2027 से भारत एनसीएपी 2.0 शुरू करने की योजना बना रही है। इसमें वाहनों की पूरी सुरक्षा व्यवस्था का आकलन किया जाएगा और देश में सड़क दुर्घटनाओं की गंभीर समस्या से निपटने में मदद मिलेगी।

सियाम के 66वें वार्षिक सम्मेलन को संबोधित करते हुए सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री ने भारत एनसीएपी की सफलता का उल्लेख किया। भारत एनसीएपी (भारत न्यू कार असेसमेंट प्रोग्राम) देश की आधिकारिक और स्वतंत्र वाहन सुरक्षा रेटिंग प्रणाली है, जिसे 2013 में शुरू किया गया था। इसके तहत यात्री वाहनों का दुर्घटना परीक्षण किया जाता है और उन्हें एक से पांच स्टार तक की सुरक्षा रेटिंग दी जाती है। इसमें दुर्घटना के दौरान वयस्कों और बच्चों की सुरक्षा के लिहाज से वाहनों का आकलन किया जाता है। भारत में सड़क दुर्घटनाओं की गंभीर समस्या से निपटने की जरूरत पर जोर देते हुए गडकरी ने कहा कि हम भारत एनसीएपी-2 की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। यह एक बहुत महत्वपूर्ण कार्यक्रम है, जिसके तहत अक्टूबर, 2027 से सुरक्षा की पूरी श्रृंखला का आकलन किया जाएगा। यह बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि सड़क दुर्घटनाएं एक बड़ी समस्या हैं... हम दुनिया में पहले स्थान पर हैं। गडकरी ने कहा कि भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा यात्री वाहन बाजार है। भारत में वाहनों के परीक्षण में लगने वाला समय और लागत, एनसीएपी के तहत वैश्विक स्तर पर लगने वाली 2.5 करोड़ रुपये की लागत की तुलना में काफी कम है। सरकार की ओर से किए जा रहे प्रयासों के बावजूद देश में सड़क दुर्घटनाओं और इनमें जान गंवाने वालों की संख्या अब भी काफी अधिक है।

पेज एक का शेष

भारत और

की मांग भी की। दोनों प्रधानमंत्रियों ने भारत-ईयू व्यापार और तकनीकी काउंसिल के तहत हुई अहम तरक्की का स्वागत किया। इसमें जुलाई 2026 में ब्रसेल्स में हुई इसकी मिनिस्टीरियल मीटिंग भी शामिल है, जिसका मकसद ज्यादा एकीकृत, मजबूत और टिकाऊ आर्थिक और तकनीकी साझेदारी बनाना है। दोनों पक्षों ने 2030 के लिए संयुक्त भारत-ईयू व्यापक रणनीतिक एजेंडा का भी समर्थन किया। इसका मकसद भारत-ईयू सहयोग को बड़ा और गहरा करके रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करना है। दुनिया की 24वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में बेल्जियम और आने वाले वर्षों में 10 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की भारत की महत्वाकांक्षा के साथ, दोनों नेताओं ने पारस्परिक रूप से लाभकारी साझेदारी के प्रचुर अवसरों को स्वीकार किया।

अपनी अर्थव्यवस्थाओं के बीच मजबूत पूरकताओं को पहचानते हुए, दोनों प्रधानमंत्रियों ने व्यापार, निवेश और आर्थिक सहयोग को गहरा करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की। इस संदर्भ में, उन्होंने द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों के निरंतर विस्तार और द्विपक्षीय व्यापार में क्षेत्रों के बढ़ते विविधीकरण का स्वागत किया और अगले 5 वर्षों में द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करने में सक्षम बनाने के उद्देश्य से साझा हित के प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग को और मजबूत करने के अपने दृढ़ संकल्प को व्यक्त किया। दोनों प्रधानमंत्रियों ने मार्च 2025 में भारत में सफल बेल्जियम आर्थिक मिशन पर संतोष व्यक्त किया, जिसका नेतृत्व राजकुमारी एस्ट्रिड ने किया था।

आस्था, सुशासन

में पारदर्शिता और आरक्षण व्यवस्था का पालन किया गया है। पेपर लीक और नकल के खिलाफ सख्त कानून का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि परीक्षा व्यवस्था को प्रभावित करने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि रोजगार का दायरा केवल सरकारी नौकरियों तक सीमित नहीं है। निवेश के माध्यम से करीब 65 लाख युवाओं को रोजगार मिलने का दावा करते हुए उन्होंने कहा कि एमएसएमई और ओडीओपी से 3.25 करोड़ से अधिक लोग जुड़े हैं। प्रत्येक जिले में सरदार वल्लभभाई पटेल स्किलिंग एंड एम्प्लॉयमेंट जोन विकसित करने की योजना का भी उन्होंने उल्लेख किया। विकास और निवेश के लिए सबसे जरूरी शर्त कानून का राज है। कैराना का उदाहरण देते हुए सीएम ने कहा कि जिस क्षेत्र में कभी पलायन की चर्चा होती थी, वहां अब परिस्थितियां बदली हैं। सुरक्षा का वातावरण बनने से लोगों में भरोसा बढ़ा है और प्रदेश निवेश के लिए अधिक अनुकूल हुआ है। मुख्यमंत्री ने धार्मिक पर्यटन को रोजगार और स्थानीय कारोबार से जोड़ने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि श्रद्धालु जब किसी धार्मिक स्थल पर पहुंचता है तो वह फूल-माला, प्रसाद और स्थानीय उत्पाद खरीदता है, रिक्शा-टैक्सी का इस्तेमाल करता है, होटल और रेस्टोरेंट में ठहरता है। इससे एक व्यक्ति का धार्मिक भ्रमण कई परिवारों की आजीविका का आधार बनता है।

विदेशी आक्रांताओं

नायकों को भारतीय स्मृति से मिटाने की कोशिश हुई। पहले विदेशी आक्रांताओं, फिर अंग्रेजों ने हमारे इतिहास और ऐतिहासिक चिन्हों को नष्ट किया, लेकिन पूर्ववर्ती सरकारों ने तो हमारी विरासत की उपेक्षा व अपमान की हद पार कर दी। सीएम ने कहा कि अब मथुरा, वृंदावन, बरसाना, गोवर्धन, बलदेव क्षेत्र जिस विरासत और उत्सव के लिए जाना जा रहा है, वह 2017 के पहले संभव नहीं था। सीएम ने जून 2016 के जवाहर बांग कांड के उपद्रव और इसमें 29 लोगों के मारे जाने का जिक्र करते हुए कहा कि इसमें हमारे दो पुलिस अधिकारी भी बलिदान हुए थे। ऐसे उपद्रव प्रदेश में उत्सव, विकास, सभ्यता और संस्कृति के संरक्षण की कल्पना कौन कर सकता था। एक राष्ट्र अपनी स्मृति, संस्कृति, जड़ों को ढूंढने से महान बनता है। जिस समाज को विरासत का बोध होता है, वह दुनिया से सीखता और दुनिया को सिखाता भी है। सीएम ने कहा कि भारत का इतिहास केवल उपलब्धियों का नहीं, बल्कि संघर्ष, संरक्षण, पुनर्निर्माण, सनातन की निरंतरता का इतिहास है। मथुरा इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। श्रीकृष्ण जन्मभूमि स्थित केशव देव मंदिर ने कई आक्रमण सहे हैं। विदेशी आक्रांताओं ने मंदिर तोड़े, लेकिन वे श्रीकृष्ण, राधारानी की स्मृति को नहीं मिटा पाए। न जन्माष्टमी का आयोजन रुका और न ही वृंदावन की भक्ति। न बरसाना की होली थमी और न गोवर्धन की परिक्रमा। यही है सनातन और ब्रज की शक्ति। मुख्यमंत्री ने कहा कि इतिहास में मंदिरों पर प्रहार के प्रसंग मिलते हैं, किंतु उसी कालखंड में ब्रज की धरती पर स्वामी हरिदास जैसे संत साधना से संगीत की ऐसी धारा विकसित करते हैं, जिसकी गूंज सदियों से चली आ रही है।

सीएम ने

की हैं। जनप्रतिनिधियों के मुताबिक बाढ़ की समस्या का समाधान करने के लिए गंगा नदी की ड्रेजिंग कर उसे चैनलाइज करना होगा। सिल्ट को बाहर तटबंध के रूप में इस्तेमाल किया जा सकेगा। यह परियोजना यहां की आवश्यकता है। नदी के चैनलाइज होने से फसल बचेगी और स्थानीय लोगों को भी राहत मिलेगी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने आश्रयहीन परिवारों को भूमि आवंटन प्रमाण पत्र तथा आपदा मोचक निधि से राहत राशि भी दी। मुख्यमंत्री के हाथों सदर तहसील के प्रेमचंद, कुसुम देवी, गिरीश, ज्ञान देवी, मुकेश, रामबरन, रवीश, बृजमोहन, सुआलाल व अरुणेश को भूमि आवंटन के स्वीकृति प्रमाण पत्र व 1.20 लाख की राहत राशि मिली। मुख्यमंत्री ने गुरुवार को हवाई सर्वेक्षण कर फरुर्खाबाद की बाढ़ प्रभावित सदर, कायमगंज व अमृतपुर तहसीलों में बाढ़ के हालात देखे। इसके पश्चात पुलिस लाइन में 1000 परिवारों को बाढ़ राहत सामग्री का वितरण किया गया। मुख्यमंत्री ने अपने हाथों से कई परिवारों को राहत सामग्री, आश्रयहीन परिवारों को भूमि आवंटन प्रमाण पत्र तथा आपदा मोचक निधि से राहत राशि भी दी। उन्होंने पीड़ित परिवारों से संवाद कर उनका दुख साझा किया और विश्वास दिलाया कि सरकार हर दुख-दर्द में आपके साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री ने प्रशासन, पीडब्ल्यू समेत संबंधित विभागों को बाढ़ का पानी उतरते ही टूटी सड़कों का तत्काल निर्माण शुरू करने का निर्देश भी दिया।

राजस्व वादों में

आनन्द ओझा और नायब तहसीलदार विवेक कुमार सिंह शामिल हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाल ही में प्रदेश के राजस्व न्यायालयों में लंबित वादों की उच्चस्तरीय समीक्षा की थी। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए थे कि राजस्व संबंधी मामलों का निस्तारण निर्धारित समयसीमा के भीतर किया जाए। मुख्यमंत्री ने यह भी साफ किया था कि मामलों को लंबित रखने, अनावश्यक देरी करने या कार्य में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद राजस्व परिषद ने प्रदेश के सभी राजस्व न्यायालयों में लंबित मामलों की न्यायालयवार और अधिकारीवार समीक्षा कराई। इसी समीक्षा के दौरान पांच अधिकारियों के स्तर पर लंबित वादों के निस्तारण की गति संतोषजनक नहीं पाई गई।

सरकार ने

साझा करना शामिल है। स्वदेशी निर्यात के तहत भारत में निर्मित रक्षा प्लेटफॉर्म को बढ़ावा देकर देश को एक विश्वसनीय वैश्विक रक्षा विनिर्माण केंद्र के रूप में स्थापित करना है। समुद्री सुरक्षा के तहत लक्ष्य हिंद महासागर क्षेत्र में सुरक्षा प्रदाता और किसी घटना, आपदा की स्थिति में सबसे पहले कदम उठाने वाले के रूप में भारत की भूमिका को मजबूत करना है।

स्पेशल टीईटी

पात्रता परीक्षा आयोजित किए जाने के संबंध में 02 सितंबर 2026 को निर्देश दिए गए हैं। इसी क्रम में आयोग द्वारा विशेष शिक्षक पात्रता परीक्षा की प्रक्रिया शुरू की जा रही है।

उन्होंने बताया कि परीक्षा में प्रतिभाग करने के इच्छुक अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए वन टाइम रजिस्ट्रेशन (ओटीआर) व्यवस्था लागू की गई है। अभ्यर्थियों को पहले ओटीआर पूर्ण करना होगा। इसके बाद ही वे विशेष शिक्षक पात्रता परीक्षा के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। विस्तृत विज्ञापन एवं निर्देश आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। आयोग अध्यक्ष ने अभ्यर्थियों से अपील की कि आवेदन करने से पूर्व विस्तृत विज्ञापन एवं उसमें दिए गए सभी दिशा-निर्देशों का सावधानीपूर्वक अध्ययन कर लें तथा निर्धारित अर्हता पूरी करने वाले अभ्यर्थी ही निर्धारित अवधि में अपना आवेदन प्रस्तुत करें। आयोग द्वारा गुरुवार को जारी विज्ञप्ति के अनुसार ऑनलाइन पंजीकरण (ओटीआर) एवं आवेदन शुरू होने की तिथि 05 सितंबर है। ऑनलाइन आवेदन शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि 04 अक्टूबर निर्धारित की गई है, जबकि ऑनलाइन आवेदन में संशोधन की अंतिम तिथि 08 अक्टूबर होगी। विशेष शिक्षक पात्रता परीक्षा का आयोजन 03 नवंबर को किया जाएगा।

नौकरी केवल

में होने वाले कार्यों से नहीं, बल्कि आम नागरिक को मिलने वाली सुविधाओं से दिखाई देता है इसलिए अधिकारियों और कर्मचारियों को ग्रामीण क्षेत्रों की वास्तविक परिस्थितियों को समझते हुए काम करना होगा। उन्होंने कहा कि समयबद्ध कार्रवाई और नागरिकों के प्रति संवेदनशील व्यवहार से प्रशासन के प्रति भरोसा मजबूत होता है।

यूपी में

खाद/बायो-इनपुट, प्राकृतिक एवं पुनर्योजी कृषि, कार्बन लाभ की पूरी श्रृंखला विकसित करने की योजना है। यानी गोशाला का गोबर पहले ऊर्जा का स्रोत बनेगा और बायोगैस संयंत्र से निकलने वाली जैव-स्लरी को जैविक खाद और बायो-इनपुट के रूप में खेती से जोड़ा जा सकेगा। इससे रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम करने और प्राकृतिक व पुनर्योजी कृषि को बढ़ावा देने की संभावनाएं भी बढ़ेंगी। इस मॉडल को भविष्य में पर्यावरणीय लाभ और कार्बन परियोजनाओं से जोड़ने की संभावनाओं पर भी काम होगा। उत्तर प्रदेश गोसेवा आयोग के अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता ने कहा कि गोबर को केवल अपशिष्ट मानने के बजाय ऊर्जा, जैविक कृषि और ग्रामीण आय के महत्वपूर्ण संसाधन के रूप में देखने की आवश्यकता है।

ड्यूटी से गायब

और मरीजों को मिल रहे उपचार की नियमित निगरानी के निर्देश दिए हैं। सेवा समाप्त किए गए डॉक्टरों में फिरोजाबाद, अलीगढ़, गाजीपुर, हरदोई, महोबा, बुलंदशहर, लखनऊ, बलरामपुर, मथुरा, मीरजापुर, झांसी, बरेली, गोरखपुर, सहारनपुर, मुरादाबाद, चंदौली, मैनपुरी, मऊ, सुलतानपुर और मुजफ्फरनगर समेत कई जिलों के चिकित्सक शामिल हैं। इनमें लखनऊ सिविल अस्पताल के डॉ. मनोज कुमार चौरसिया, गाजीपुर की डॉ. स्वाती विश्वकर्मा, हरदोई के डॉ. बृजेश यादव, महोबा के डॉ. ईशान दीक्षित, मथुरा के डॉ. राकेश फौजदार, मीरजापुर के डॉ. नरेंद्र कुमार जायसवाल, झांसी की डॉ. निशा बुंदेला और गोरखपुर के डॉ. विशाल कुमार सिंह समेत अन्य चिकित्सक शामिल हैं। इटावा, रामपुर, मेरठ, बदायूं, भदोही, बलरामपुर और गौतमबुद्ध नगर में तैनात नौ डॉक्टरों के खिलाफ भी विभागीय कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। इनमें इटावा के उप मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. श्रीनिवास यादव, रामपुर के डॉ. केक चहल, मेरठ की डॉ. संगीता चोपड़ा, बदायूं के डॉ. अवधेश राठौर, भदोही के डॉ. संतोष चक और डॉ. धीरज प्रकाश, बलरामपुर के डॉ. सुमित कुमार तथा गौतमबुद्ध नगर के डॉ. अरविंद मलिक और डॉ. असद शामिल हैं।

आईपीएल में इम्पैक्ट प्लेयर के रूप में नहीं खेलेंगे धोनी

नयी दिल्ली। पूर्व भारतीय कप्तान और चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के दिग्गज खिलाड़ी महेंद्र सिंह धोनी ने स्पष्ट कर दिया है कि वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में इम्पैक्ट प्लेयर के रूप में नहीं खेलना चाहते हैं, जिससे 2027 में होने वाले टूर्नामेंट में उनकी भागीदारी को लेकर बनी अनिश्चितता में एक और नया मोड़ आ गया है।

सीएसके के पूर्व बल्लेबाज सुब्रमण्यम बद्रीनाथ ने यह खुलासा किया। यह अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज इम्पैक्ट प्लेयर नियम से अपना कार्यभार कम करके आईपीएल में अपना करियर आगे बढ़ा सकते थे लेकिन उन्होंने स्पष्ट कर दिया है कि अगर वह खेलना जारी रखते हैं तो वह पूर्णकालिक विकेटकीपर बने रहना चाहते हैं। बद्रीनाथ का मानना है कि 45 वर्षीय धोनी के लिए उनके करियर के इस चरण में इम्पैक्ट प्लेयर की भूमिका उपयुक्त हो सकती है, क्योंकि उनकी बढ़ती उम्र को देखते हुए 20 ओवर तक विकेटकीपिंग करना आसान नहीं होगा। बद्रीनाथ ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, उन्होंने मुझे बताया कि वह इम्पैक्ट प्लेयर के रूप में नहीं खेलेंगे। वह खुद को पूर्णकालिक विकेटकीपर मानते हैं, जिसका मतलब है कि उन्हें पूरे 20 ओवर तक मैदान पर रहना होगा। इसलिए वह इम्पैक्ट प्लेयर के रूप में नहीं खेलेंगे, लेकिन मुझे लगता है कि अगर वह इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर खेलते हैं तो इससे सीएसके को रणनीतिक फायदा होगा। उन्होंने कहा, उनके लिए लंबे समय तक खेलना मुश्किल होगा जैसा कि (सीएसके के पूर्व मुख्य कोच स्टीफन) फ्लेमिंग ने भी कहा है। वे 16वें ओवर के बाद ही बल्लेबाजी करेंगे और विकेटकीपिंग करेंगे। जब उनकी भागीदारी इतनी कम है तो इम्पैक्ट प्लेयर के रूप में खेलना उनके लिए आदर्श स्थिति होगी।

धोनी पिछले कुछ सत्र में फिटनेस संबंधी समस्याओं से जूझते रहे हैं और आईपीएल में उनके भविष्य को लेकर अटकलें जारी हैं। बद्रीनाथ का मानना है कि इम्पैक्ट प्लेयर नियम धोनी पर काम का बोझ कम कर सकता है। इससे सीएसके उनके अनुभव और फिनिशर के रूप में उनकी भूमिका का फायदा उठा सकता है। विकेटकीपर के रूप में खेलना जारी रखने की धोनी की प्राथमिकता का मतलब है।

सहवाग ने फिल्म 'हनुमान अंश' की तारीफ की, विराट-अनुष्का देखें फिल्म : डायरेक्टर

नयी दिल्ली। नीम करौली बाबा पर बनी फिल्म 'हनुमान अंश' देखने के बाद पूर्व क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग ने अपने बच्चे के साथ फिल्म देखने का अनुभव सोशल मीडिया पर शेयर किया। सहवाग के रिएक्शन से फिल्म के निर्देशक और लेखक डॉ. विशाल चतुर्वेदी इमोशनल हो गए। साथ ही चतुर्वेदी ने कहा कि वो चाहते हैं विराट कोहली और अनुष्का शर्मा भी यह फिल्म देखें। उन्होंने बताया कि जिस दिन वीरेंद्र सहवाग ने संन्यास लिया, उसके बाद उन्होंने क्रिकेट देखना बंद कर दिया।

निर्देशक के मुताबिक, फिल्म की टीम ने सहवाग से इसे देखने की अपील नहीं की थी। इसके बावजूद सहवाग ने अपने बच्चे के साथ खुद फिल्म देखने का फैसला किया और बाद में सार्वजनिक रूप से अपनी प्रतिक्रिया शेयर की। जगह का असली नाम नीब करोरी है। प्रचलित रूप में नीम करौली बाबा कहा जाने लगा। चतुर्वेदी ने कहा कि सहवाग के फिल्म देखने और उसकी तारीफ करने से उन्हें ऐसा लगा, जैसे उनकी जिंदगी का एक चक्र पूरा हो गया हो। उन्होंने कहा कि सहवाग का यह कदम उनके लिए दिल को छू लेने वाला था। अब चतुर्वेदी की इच्छा है कि विराट कोहली और अनुष्का शर्मा भी 'हनुमान अंश' देखें। उन्होंने कहा, 'अगर ऐसा कुछ हो सकता है तो मैं चाहता हूं कि विराट और अनुष्का भी फिल्म देखें।

एक्ट्रेस अनुष्का शर्मा नीम करौली बाबा को अपना गुरु बता चुकी हैं। 2022 में विराट कोहली और अनुष्का शर्मा बेटी के साथ कैंची धाम गए थे। पूर्व भारतीय क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो साझा करते हुए 'हनुमान अंश' फिल्म की बेहद भावुक और जोरदार तारीफ की है। सहवाग फिल्म के एक सीन से विशेष रूप से प्रभावित हुए। उन्होंने बताया, फिल्म का एक सीन मेरे दिल को छू गया, जहां महाराज जी के गले में सांप है और एक भक्त कहता है कि 'आप तो शिव हैं एकदम भोले'। इस पर महाराज जी जवाब देते हैं।

भोले तो तुम हो। आंखें वही देखती हैं जो मन में होता है, और मन वही दिखाता है जो हृदय में होता है। सहवाग ने फैंस से कहा कि महाराज जी को पूरी तरह समझना तो मुमकिन नहीं है, लेकिन इस फिल्म के जरिए उनकी एक सुंदर झलक पाना जरूर संभव है। इसलिए जो भी उन्हें जानता है या उनके बारे में सुनना चाहता है, उसे यह फिल्म सिनेमाघरों में जाकर जरूर देखनी चाहिए। बॉलीवुड सेलेब्स ने फिल्म 'हनुमान अंश' की तारीफ की है। अभिनेत्री और सांसद कंगना रनोट ने फिल्म को लेकर अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखाः हनुमान अंश कोई फिल्म नहीं है, यह एक सत्संग है। उन लोगों की खूबसूरती से बुनी गई छोटी-छोटी कहानियां जिन्होंने नीम करौली बाबा का साक्षात अनुभव किया था। अपनी थेरेपी छोड़िए और इसे देखने जाइए। वहीं, फिल्म डायरेक्टर मधुर भंडारकर ने इसे पूरी भारतीय फिल्म इंडस्ट्री के लिए एक केस स्टडी बताया है। उन्होंने कहा, ‟बिना किसी बड़े स्टार कास्ट वाली यह छोटे बजट की फिल्म फिल्म उद्योग के लिए एक अहम केस स्टडी है। यह साबित करती है कि सच्ची निष्ठा और दमदार कहानी हमेशा बॉक्स ऑफिस पर बड़े बजट की फिल्मों को मात दे सकती है। इसके साथ ही उन्होंने पूरी टीम को बधाई दी और इस फिल्म को ब्लॉकबस्टर बनाने के लिए दर्शकों का आभार जताया।

फिल्म 'हनुमान अंश' ने बुधवार को भारत में ?7.75 करोड़ नेट का कलेक्शन किया। इसके साथ ही फिल्म का भारत में कुल ग्रॉस कलेक्शन ?72.97 करोड़ हो गया है। वहीं, अब तक फिल्म की भारत में कुल नेट कमाई ?61.88 करोड़ पहुंच गई। फिल्म 11 सितंबर, 2026 को दुनियाभर में रिलीज हो रही है। एक्ट्रेस अनुष्का शर्मा नीम करौली बाबा को अपना गुरु बता चुकी हैं। 2022 में विराट कोहली और अनुष्का शर्मा बेटी के साथ कैंची धाम गए थे। पूर्व भारतीय क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो साझा करते हुए 'हनुमान अंश' फिल्म की बेहद भावुक और जोरदार तारीफ की है।

संक्षेप

आहिदा केएसएलटीए जे30 बेंगलुरु के सेमीफाइनल में

बेंगलुरु। स्थानीय जूनियर टेनिस खिलाड़ियों का केएसएलटीए विश्व टेनिस टूर जूनियर जे30 बेंगलुरु में शानदार प्रदर्शन जारी रहा जिसमें आहिदा सिंह ने लड़कियों के एकल क्वार्टरफाइनल में तीसरी वरीय दिशा कुमार को 6-4, 6-4 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। बेंगलुरु की रहने वाली आहिदा अब सेमीफाइनल में जोहा कुरैशी से भिड़ेंगी जो वॉकओवर मिलने से आगे बढ़ी थीं। चौथी वरीय श्रीनीति चौधरी ने आठवीं वरीय रिद्धि शिंदे को 6-1, 6-4 से हराया। 15 साल की श्रीनीति सेमीफाइनल में पहुंच गईं जिसमें उनका मुकाबला छठी वरीय वसुंधरा बालाजी से होगा जिन्होंने अक्षिता अंतिल को 6-3, 6-0 से हराया था। लड़कों के एकल में शीर्ष तेजस रवि ने कड़े क्वार्टरफाइनल में श्लोक चौहान को 6-4, 7-6(5) से हराया। अब तेजस का मुकाबला अमेरिका के तीसरे वरीय नियांथ बद्रीनारायणन से होगा जिन्होंने महीजीत प्रधान को 6-2, 6-4 से हराया।

एएफसी महिला चैंपियंस लीग में ईस्ट बंगाल एफसी ग्रुप बी में

नयी दिल्ली। ईस्ट बंगाल एफसी को एएफसी महिला चैंपियंस लीग फुटबॉल टूर्नामेंट के लिए ह्वाचियोन केएसपीओ डब्ल्यूएफसी (दक्षिण कोरिया), हो ची मिन्ह सिटी डब्ल्यूएफसी (वियतनाम) और 4.25 एससी (उत्तर कोरिया) के साथ ग्रुप बी में रखा गया है। ड्रॉ गुरुवार को कुआलालंपुर में डाले गए। कोलकाता एक से सात नवंबर, 2026 तक ग्रुप बी की मेजबानी करेगा। यह पहला अवसर होगा जबकि भारत में एएफसी महिला चैंपियंस लीग के मैच खेले जाएंगे। ईस्ट बंगाल ने मलेशिया के कोटा किनाबालू में टूर्नामेंट के प्रारंभिक चरण के ग्रुप ए में शीर्ष स्थान हासिल करने के बाद लगातार दूसरे वर्ष मुख्य चरण में अपनी जगह पक्की की थी। उसने सबा एफए (मलेशिया), रोवर्स एफसी (गुआम) और राजशाही स्टार्स एफसी (बांग्लादेश) को पीछे छोड़ा था। एएफसी महिला चैंपियंस लीग में 12 टीम को चार-चार टीमों के तीन ग्रुप में बांटा गया है। इसमें से तीन ग्रुप विजेता, तीन उपविजेता और तीसरे स्थान पर रहने वाली दो सर्वश्रेष्ठ टीम नॉकआउट चरण में प्रवेश करेंगी।

चिड़िया उड़ी, अंपायर ने खेल रोका तो मेदवेदेव ने विरोध जताया

न्यूयॉर्क। यूएस ओपन टेनिस टूर्नामेंट में बुधवार को तब अजीब नजारा देखने को मिला जब दूसरे दौर के मैच के दौरान नेट पर बैठी एक चिड़िया के उड़ जाने पर चेयर अंपायर ने खेल बीच में रोक दिया, जिसे दानिल मेदवेदेव ने हास्यास्पद फैसला बताया। मेदवेदेव ने उस फैसले का विरोध किया,जब अंपायर ने एक प्वाइंट को दोबारा खेलने का आदेश दिया क्योंकि लंबी चली रैली के दौरान दो पक्षी नेट के ऊपर बैठे थे। दूसरे सेट में सेबेस्टियन गोरज़नी की सर्विस के दौरान मेदवेदेव 4-1 से आगे थे। लुई आर्मस्ट्रांग स्टेडियम में एक प्वाइंट के दौरान नेट के ऊपर दो छोटी चिड़िया बैठ गई लेकिन खेल जारी रखा गया। दोनों खिलाड़ियों ने कई शॉट खेले लेकिन तभी मेदवेदेव ने एक फोरहैंड शॉट मारा और तभी एक चिड़िया उड़ गई। अंपायर टिमो यानजेन ने तुरंत खेल रोकने का इशारा किया।

श्रीलंका ने इंडोनेशिया को हराया

श्रीलंका की कप्तान ने 5 रन देकर 7 विकेट लिए: हैट्रिक भी बनी, एशिया कप में ऐसा करने वाली पहली खिलाड़ी

एजेंसी

दुबई। श्रीलंका की कप्तान चमारी अटापट्टू स्पिन ऑलराउंडर हैं। दुबई में खेले जा रहे विमेंस एशिया कप में बुधवार को श्रीलंका की कप्तान चमारी अटापट्टू ने इतिहास रच दिया। उन्होंने दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में इंडोनेशिया के खिलाफ ग्रुप बी के मुकाबले में सिर्फ 5 रन देकर 7 विकेट लिए। अटापट्टू एशिया कप के किसी भी मैच में 7 विकेट लेने वाली पहली गेंदबाज बन गईं। इसमें विमेंस और मेंस, दोनों कैटेगरी के मुकाबले शामिल हैं। चमारी अटापट्टू ने 3.3 ओवर की गेंदबाजी में इंडोनेशिया की बल्लेबाजी को ढेर कर दिया।

उन्होंने 19वें ओवर की शुरूआती तीन गेंदों पर तीन विकेट लेकर हैट्रिक भी बनाई। उनकी गेंदबाजी के चलते इंडोनेशिया की पूरी टीम 18.3 ओवर में 49 रन पर सिमट गई। श्रीलंका ने यह मुकाबला 75 रन से जीत लिया। इससे पहले एशिया कप मैच में बेस्ट बॉलिंग का रिकॉर्ड पाकिस्तान की जावेरिया खान के नाम था। उन्होंने विमेंस एशिया कप 2008 में बांग्लादेश के खिलाफ 8 रन देकर 6 विकेट लिए थे। अब चमारी अटापट्टू के नाम एशिया कप के एक मैच में 7 विकेट लेने का रिकॉर्ड दर्ज हो गया है। अटापट्टू का यह प्रदर्शन सिर्फ एशिया कप तक सीमित नहीं रहा। यह टी-20 इंटरनेशनल में किसी श्रीलंकाई गेंदबाज (मेंस या विमेंस) का बेस्ट बॉलिंग फिगर भी है। अटापट्टू ने अजंता मेंडिस का रिकॉर्ड तोड़ा। मेंडिस ने सितंबर 2012 में जिम्बाब्वे के खिलाफ 8 रन देकर 6 विकेट लिए थे। अटापट्टू टी-20 इंटरनेशनल एशिया कप के किसी मैच में 6 या उससे ज्यादा विकेट लेने वाली पहली गेंदबाज भी हैं। इससे पहले टी-20 इंटरनेशनल एशिया कप के विमेंस एडिशन में पाकिस्तान की तीन और थाईलैंड की एक गेंदबाज 5-5 विकेट ले चुकी थीं। मेंस टी-20 इंटरनेशनल एशिया कप में भुवनेश्वर कुमार 5 विकेट लेने वाले एकमात्र गेंदबाज हैं। चमारी अटापट्टू किसी टी-20 इंटरनेशनल मैच में 7 विकेट लेने वाली दुनिया की सिर्फ दूसरी कप्तान बनी हैं।

उनसे पहले अर्जेंटीना की एलिसन स्टॉक्स ने यह कारनामा किया था। स्टॉक्स ने 14 अक्टूबर 2022 को पेरू के खिलाफ 3.4 ओवर में 3 रन देकर 7 विकेट हासिल किए थे। विमेंस एशिया कप 2026 में आज भारत और हॉन्गकॉन्ग के बीच मुकाबला खेला जाएगा। मुकाबला दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में रात 8 बजे से शुरू होगा। इंटरनेशनल क्रिकेट में पहली बार भारत और हॉन्गकॉन्ग की महिला आमने-सामने होंगी। वहीं दूसरी ओर बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने बृहस्पतिवार को कहा कि बोर्ड इस दिशा में काम करेगा कि सेना देशों में किसी भी बड़ी सीरीज से पहले भारतीय क्रिकेटरों को पर्याप्त आराम, परिस्थितियों के अनुकूल ढलने का समय और अभ्यास मैच मिल सकें।

बीसीसीआई मुख्यालय में हुई समीक्षा बैठक के बाद सैकिया ने कहा कि चोटों के प्रबंधन के मामले में भारतीय क्रिकेट में संवाद की कोई कमी नहीं है। लेकिन बोर्ड बेहतर भविष्य दौरा कार्यक्रम (एफटीपी) तैयार करने की कोशिश करेगा ताकि खिलाड़ियों को तैयारी के लिए पर्याप्त समय मिल सके। सैकिया ने पत्रकारों से कहा, सभी एकमत हैं। बीसीसीआई एक अच्छी तरह से व्यवस्थित और सुचारू रूप से चलने वाली मशीन की तरह काम कर रहा है। उन्होंने कहा, बीसीसीआई के सभी विभागों के बीच उचित समन्वय है, चाहे वह महिला टीम की समितियां हों, उनका तकनीकी स्टाफ और कोच हों, या सीओई (सेंटर ऑफ एक्सीलेंस), भारतीय पुरुष टीम के कोचिंग स्टाफ और मुख्य कोच से संबंधित विभाग हों। समन्वय में कोई दिक्कत नहीं है और सब कुछ सही दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा, एकमात्र चुनौती यह है कि साल में बहुत ज्यादा मैच खेले जा रहे हैं और इसी वजह से अगले एफटीपी में हम कुछ बदलाव और उपाय करेंगे।

सैकिया ने कहा, हमने अपने एफटीपी से जुड़े अधिकारियों को निर्देश दिया है जो जल्द ही विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मंचों पर बैठक करेंगे कि एफटीपी इस तरह तैयार किया जाए कि खिलाड़ियों को पर्याप्त आराम मिले। साथ ही, सेना देशों (दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और न्यूजीलैंड) में किसी भी बड़ी सीरीज से पहले खिलाड़ियों को वहां की परिस्थितियों के अनुकूल ढलने का पर्याप्त समय मिले या कुछ अभ्यास और मैत्री मैच खेलने का मौका मिले।

समीक्षा बैठक में भारत के टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल, टी20 कप्तान श्रेयस अय्यर, मुख्य कोच गौतम गंभीर, सीओई के क्रिकेट निदेशक वीवीएस लक्ष्मण और बीसीसीआई के अन्य अधिकारी शामिल हुए। सैकिया ने कहा, हमने चर्चा की कि इंग्लैंड और आयरलैंड में हमारी टीम का प्रदर्शन कैसा रहा और साथ ही इस बात पर भी विचार किया कि अगले एक साल में हमें क्या करना है। रोडमैप तैयार कर लिया गया है और हम कुछ जरूरी अभ्यास एवं तैयारियां करेंगे ताकि 2027 विश्व कप में हमारा प्रदर्शन बहुत अच्छा रहे।

इंदौर में भारत-वेस्टइंडीज टी20 के टिकट मिलेंगे ऑनलाइन

नयी दिल्ली। भारत और वेस्टइंडीज के बीच 11 अक्टूबर को इंदौर के होलकर स्टेडियम में होने वाले टी-20 इंटरनेशनल मैच के टिकट की कीमतें तय कर दी गई हैं। मध्य प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन ने बुधवार को टिकटों के रेट जारी किए। आम दर्शकों के लिए सबसे सस्ता टिकट 1,000, जबकि सबसे महंगा पैवेलियन टिकट 12,500 का होगा। मैच के सभी टिकट सिर्फ ऑनलाइन मिलेंगे। अन्य कैटेगरी के टिकटों के रेट भी जारी किए जाएंगे। एमपीसीए ने मैच के लिए जोमैटो को आधिकारिक ऑनलाइन टिकटिंग पार्टनर बनाया है। टिकटों की बिक्री सिर्फ ऑनलाइन होगी।

❍ 1,000 से 12,500 रुपये तक, एक व्यक्ति अधिकतम चार टिकट ले सकेगा

स्टेडियम के काउंटर से ऑफलाइन टिकट नहीं मिलेंगे। टिकटों की खरीद की सीमा भी तय की गई है। एक व्यक्ति अधिकतम 4 टिकट खरीद सकेगा। ये टिकट एक ही कैटेगरी के या अलग-अलग कैटेगरी के हो सकते हैं। होलकर स्टेडियम में आखिरी इंटरनेशनल मैच 18 जनवरी 2026 को भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीसरा वनडे खेला गया था। इस मुकाबले में न्यूजीलैंड ने भारत को 41 रन से हराया था। इस जीत के साथ न्यूजीलैंड ने पहली बार भारत में वनडे सीरीज अपने नाम की थी। एमपीसीए ने टिकटों की कीमतें घोषित कर दी हैं, लेकिन ऑनलाइन बिक्री किस तारीख और किस समय शुरू होगी, इसकी जानकारी अभी नहीं दी गई है। एसोसिएशन की ओर से टिकटिंग प्लेटफॉर्म की तैयारियां पूरी होने के बाद बिक्री की तारीख घोषित की जाएगी। भारत और वेस्टइंडीज के बीच 5 मैचों की टी20 सीरीज खेली जाएगी। सीरीज का तीसरा मुकाबला 11 अक्टूबर को इंदौर के होलकर स्टेडियम में होगा। यह होलकर स्टेडियम में खेला जाने वाला 5वां टी20 इंटरनेशनल मैच होगा। विमेंस एशिया कप 2026 में आज भारत और हॉन्गकॉन्ग के बीच मुकाबला खेला जाएगा। मुकाबला दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में रात 8 बजे से शुरू होगा। इंटरनेशनल क्रिकेट में पहली बार भारत और हॉन्गकॉन्ग की महिला आमने-सामने होंगी।

चीन मास्टर्स : श्रीकांत ने लाई को हराकर किया उलटफेर

एजेंसी

शेनझेन। भारत के अनुभवी खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत ने अपना बेहतरीन प्रदर्शन जारी रखते हुए बृहस्पतिवार को यहां कनाडा के विश्व में नौवें नंबर के खिलाड़ी विक्टर लाई को सीधे गेम में हराकर चीन मास्टर्स सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष एकल के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। इस साल की शुरुआत में यूएस ओपन सुपर 300 के फाइनल में पहुंचने वाले 33 वर्षीय श्रीकांत ने लाई पर 21-18 21-19 से जीत दर्ज करके उलटफेर किया। लाई ने पिछले महीने विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता था। पूर्व नंबर एक और

❍ सात्विक-चिराग भी जीते, तन्वी बाहर

2021 विश्व चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता श्रीकांत अपने अगले मैच में हांगकांग के ली चेउक यिउ का सामना करेंगे। तैंतीस वर्षीय श्रीकांत ने कहा, मैं वास्तव में स्कोर के बारे में नहीं सोच रहा था। मैं सिर्फ इस बात पर ध्यान दे रहा था कि पूरे मैच के दौरान मैं क्या करता आ रहा हूं और आगे मुझे क्या करना है। मैं केवल इसी बारे में सोच रहा था।

उन्होंने कहा, वह पिछले 12-14 महीनों से बहुत अच्छा खेल रहा है, लेकिन मुझे लगता है कि यह एक नया दिन है और अगर मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकता हूं, तो मेरे पास

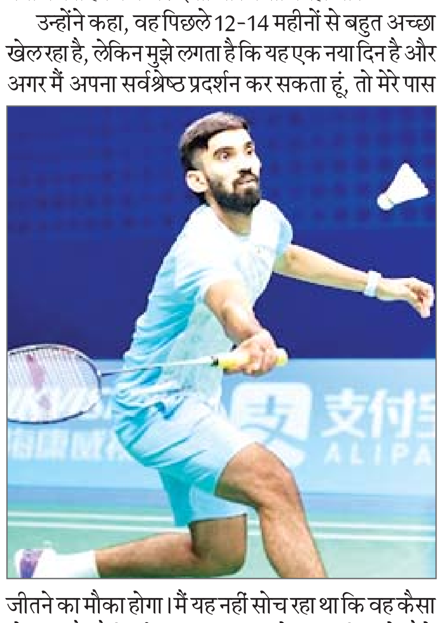

जीतने का मौका होगा। मैं यह नहीं सोच रहा था कि वह कैसा खेल रहा है। मैं सिर्फ इस बात पर ध्यान दे रहा था कि मुझे कैसे खेलना चाहिए। वहीं सात्विकसाइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष युगल जोड़ी ने फ्रांस के क्रिस्टो और टोमा

जूनियर पोपोव बंधुओं को 21-15 22-24 21-9 से हराकर क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। महिला एकल में हाल ही में ताइपे ओपन वर्ल्ड टूर सुपर 300 का खिताब जीतने वाली तन्वी शर्मा को दूसरे दौर में जापान की विश्व में नौवें नंबर की खिलाड़ी टोमोका मियाजाकी से 17-21 21-18 16-21 से हार का सामना करना पड़ा।

भारत के ध्रुव कपिला और तनीशा क्रास्टो भी मिश्रित युगल में चीनी ताइपे के लियू कुआंग हेंग और सू यिन हुई से 18-21, 18-21 से हारने के बाद टूर्नामेंट से बाहर हो गए। श्रीकांत ने लाई के खिलाफ अपने जुझारूपन का शानदार प्रदर्शन किया। वह पहले गेम के शुरू में 3-7 से पीछे हो गए, लेकिन लाई की गलतियों का फायदा उठाकर उन्होंने 8-8 से बराबरी कर ली। कनाडा के खिलाड़ी ने हालांकि इंटरवल तक दो अंक की बढ़त हासिल कर ली। उन्होंने इसके बाद स्कोर 15-11 कर दिया। श्रीकांत ने हालांकि जोरदार वापसी की और स्कोर 15-15 कर दिया। एक और क्रॉस-कोर्ट स्मैश से भारतीय खिलाड़ी ने 18-16 की बढ़त हासिल कर दी। इसके बाद उन्हें तीन गेम प्वाइंट मिले और उन्होंने दूसरे गेम प्वाइंट पर यह गेम अपने नाम कर दिया।

श्रीकांत ने दूसरे गेम के शुरू में गलतियां की जिससे वह 5-9 से पीछे हो गए। भारतीय खिलाड़ी ने हालांकि वापसी के प्रयास जारी रखे। जब वह 9-14 से पीछे थे तब उन्होंने दो जोरदार शॉट्स और लाई की गलतियों से स्कोर 13-14 कर दिया। इसके बाद एक समय स्कोर 18-18 पर बराबरी पर था। इसके बाद लाई का शॉट बाहर चला गया और श्रीकांत ने एक जोरदार शॉट मारकर मैच प्वाइंट हासिल कर लिया तथा जल्द ही मैच अपने नाम कर दिया।

अनाहत लंदन स्क्वाश क्लासिक के क्वार्टर फाइनल में

लंदन। दुनिया की 20वें नंबर की खिलाड़ी अनाहत सिंह ने बृहस्पतिवार को यहां विश्व की 11वें नंबर की नेले गिलिस को रोमांचक मुकाबले में 2-1 से हराकर लंदन स्क्वाश क्लासिक के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। मौजूदा विश्व जूनियर चैंपियन अनाहत ने 39 मिनट चले दूसरे दौर के मुकाबले में आठवीं वरीयता प्राप्त गिलिस को 13-11, 4-11, 11-8 से शिकस्त दी। इस एक लाख 44 हजार अमेरिकी डॉलर इनामी पीएसए गोल्ड प्रतियोगिता में दोनों खिलाड़ियों के बीच टूर स्तर पर यह पहली भिड़ंत थी। क्वार्टर फाइनल में अनाहत का सामना मलेशिया की विश्व की पांचवें नंबर की खिलाड़ी शिवसंगरी सुब्रमण्यम और मिस्र की विश्व की 32वें नंबर की नारदीन गरास के बीच होने वाले मुकाबले की विजेता से होगा।

यूपी टी-20 : लखनऊ फाल्कन्स फाइनल में

खेल संवाददाता

लखनऊ । भारतीय क्रिकेट के स्विंग मास्टर और लखनऊ फाल्कन्स के कप्तान भुवनेश्वर कुमार की कातिलाना गेंदबाजी के दम पर

❍ भुवी का मैजिक स्पेल' भुवनेश्वर कुमार की घातक गेंदबाजी

लखनऊ फाल्कन्स ने यूपी टी20 लीग 2026 के ग्रैंड फिनाले में अपनी जगह पक्की कर ली है। लखनऊ के भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी इकाना क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए क्वालिफायर-1 मुकाबले में लखनऊ फाल्कन्स ने 145 रनों के छोटे से लक्ष्य का बचाव करते हुए टेबल-टॉपर्स मेरठ मावेरिक्स को 47 रनों के बड़े अंतर से हरा दिया। 4 सीजन के

इतिहास में यह पहला मौका है जब लखनऊ फाल्कन्स की टीम यूपी टी20 के फाइनल में पहुँची है। बारिश के कारण हल्की देरी से शुरू हुए इस हाई-वोल्टेज मुकाबले में रिंकू सिंह (दिलीप ट्रॉफी ड्यूटी से लौटे) ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। ओवरकास्ट कंडीशन (बादल छाए रहने) में बल्लेबाजी करने उतरी लखनऊ की शुरूआत

❍ मेरठ मावेरिक्स को 47 रनों से रौंदकर पहली बार फाइनल में लखनऊ, भुवी ने झटके 4 विकेट

कठिन रही, लेकिन ओपनर हिमांशू सिंह ने 45 गेंदों में 6 चौकों और 2 छक्कों की मदद से 61 रनों की जुझारू पारी खेली। मेरठ के स्पिनर जीशान अंसारी ने घातक गेंदबाजी करते हुए 4 ओवरों में 14 रन देकर 3 विकेट लिए, जबकि कार्तिक त्यागी को 2 विकेट मिले। इसके चलते लखनऊ की पूरी टीम 19.4 ओवरों में 145 रनों पर सिमट गई।

सबालेंका की वर ओपन में लगातार 16वीं जीत

एजेंसी

न्यूयॉर्क। फ्लशिंग मीडोज में खेले जा रहे वर ओपन 2026 में दुनिया की नंबर-1 खिलाड़ी आर्यना सबालेंका ने महिला सिंगल्स के दूसरे राउंड में रूस की क्वालिफायर पोलिना यात्वेंको को 6-1, 6-1 से

❍ 53 मिनट में जीतीं; पेगुला-मेदवेदेव और अल्काराज भी तीसरे राउंड में पहुंचे

हराकर तीसरे राउंड में जगह बना ली। सबालेंका ने यह मुकाबला सिर्फ 53 मिनट में जीता। विमेंस में जेसिका पेगुला भी आगे बढ़ीं, जबकि मेंस सिंगल्स में डेनियल मेदवेदेव और बेन शेल्टन ने भी तीसरे दौर में जगह बनाई। अल्काराज ने आर्थर ऐश स्टेडियम में पुर्तगाल के जैमे फारिया को 4-6, 6-

0, 6-3, 6-2 से हराया। पहला सेट गंवाने के बाद उन्होंने लगातार तीन सेट जीतकर 2 घंटे 39 मिनट में मुकाबला अपने नाम किया। अल्काराज ने आर्थर ऐश स्टेडियम में पुर्तगाल के जैमे फारिया को 4-6, 6-0, 6-3, 6-2 से हराया। अल्काराज ने आर्थर ऐश स्टेडियम में पुर्तगाल के जैमे फारिया को 4-6, 6-0, 6-3, 6-2 से हराया। डिफेंडिंग चैंपियन सबालेंका शुरूआत से ही आक्रामक अंदाज में खेलीं।

उन्होंने पहला सेट 6-1 से अपने नाम किया। दूसरे सेट में यात्वेंको ने एक गेम जीता, लेकिन इसके बाद सबालेंका ने लगातार तीन गेम जीतकर मैच खत्म कर दिया। सबालेंका की वर ओपन में यह लगातार 16वीं जीत है। वह फ्लशिंग मीडोज में लगातार तीसरा खिताब जीतने की कोशिश में हैं। तीसरे दौर में उनका सामना उज्बेकिस्तान की कामिला रखिमोवा से होगा।

अल्काराज यूएस ओपन के तीसरे दौर में

न्यूयॉर्क। मौजूदा चैंपियन और अप्रैल के बाद पहली बार किसी टूर्नामेंट में खेल रहे कार्लोस अल्काराज़ ने पहला सेट गंवाने के बाद जोरदार वापसी करते हुए यूएस ओपन टेनिस टूर्नामेंट के तीसरे दौर में जगह बनाई। अल्काराज ने शुरुआत में पिछड़ने के बाद लगातार आठ गेम जीते और बुधवार रात को जैमे फारिया को 4-6, 6-0, 6-3, 6-2 से हराया। इस 23 वर्षीय खिलाड़ी ने मैच के बाद कहा, ईमानदारी से कहूं तो मैं इस मैच को जल्दी समाप्त करना चाहता था। लेकिन मैच के चार सेट तक खिंचना मेरे लिए अच्छा रहा क्योंकि इससे मुझे अपनी फिटनेस का पता चल गया। दूसरे वरीयता प्राप्त अल्काराज़ ने पहले सेट के बीच में अपनी सर्विस गंवा दी, लेकिन इसके बाद उन्होंने जल्द ही लय हासिल कर दी।

यूक्रेन-रूस युद्ध समाप्ति में भारत मदद को तैयार

कीव। भारत ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह 2022 से जारी यूक्रेन-रूस युद्ध को खत्म करने के लिए किसी भी तरह की मदद करने को तैयार है। इससे पहले, विदेश मंत्री एस. जयशंकर के कीव में अपने यूक्रेनी समकक्ष आंद्री सिबिहा के साथ व्यापक बातचीत की। बातचीत के बाद सिबिहा के साथ एक संयुक्त प्रेस वक्तव्य में जयशंकर ने कहा, भारत ने हमेशा यही कहा है कि यह दौर युद्ध का नहीं है और समाधान युद्ध के मैदान से नहीं निकलेंगे।

यूक्रेन के विदेश मंत्री सिबिहा ने भारत को एक वैश्विक शक्ति बताते हुए कहा कि उनका देश प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की उस अपील का स्वागत करता है, जिसमें उन्होंने अंतहीन युद्ध समाप्त करने की दिशा में आगे बढ़ने की अपील की है। मोदी ने हाल में, बिश्केक में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन से इतर रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ बैठक के दौरान यह अपील की थी।

जयशंकर ने कहा, संघर्ष के हर गुजरते दिन का मतलब है और ज़्यादा मौतें और और ज़्यादा तबाही। जाहिर है, इसका समाधान शामिल पक्षों को ही निकालना है। लेकिन, अगर भारत किसी भी तरह से मदद कर सकता है, तो हम तैयार हैं। भारत बातचीत और कूटनीति के जरिए रूस-यूक्रेन संघर्ष को खत्म करने की अपील करता रहा है। जयशंकर ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी की युद्ध खत्म करने की अपील के अनुरूप, मेरी यात्रा बातचीत और कूटनीति की संभावनाओं पर केंद्रित है। मैं आज यूक्रेनी पक्ष द्वारा साझा किए गए विचारों और रुख को अपने साथ ले जाऊंगा। इससे पहले,

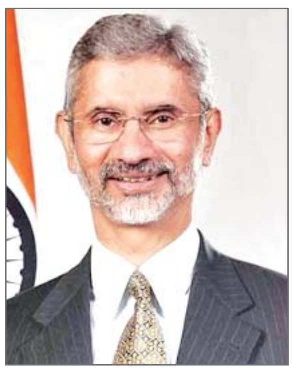

यूक्रेन के विदेश मंत्री ने अंतहीन युद्ध को समाप्त करने की ओर बढ़ने संबंधी प्रधानमंत्री मोदी की अपील का स्वागत करते हुए कहा कि उनका देश कूटनीति के लिए तैयार है। सिबिहा ने कहा, भारत एक वैश्विक शक्ति है और हम प्रधानमंत्री मोदी की उस अपील का स्वागत करते हैं जिसमें उन्होंने अंतहीन युद्ध को समाप्त करने की ओर बढ़ने की बात कही है। जयशंकर का कीव दौरा ऐसे समय में हो रहा है जब इस हफ्ते यूक्रेन की राजधानी में हुए रूसी हमले में एक भारतीय की मौत हो जाने को लेकर नयी दिल्ली ने चिंता जताई है। लेकिन इससे भी अहम बात यह है कि यह घटना उस युद्ध के बड़े संदर्भ में हो रही है जो 2022 से जारी है। दो दिन पहले, कीव में हुए एक हमले में एक भारतीय नागरिक की भी मौत हो गई थी। हम हर जनहानि पर शोक व्यक्त करते हैं और प्रत्येक पीड़ित के परिजन के प्रति अपनी गहरी संवेदना प्रकट करते हैं। पिछले कुछ महीनों में हुई कई मुलाकातों का जिक्र करते हुए जयशंकर ने कहा कि आज हमारी बातचीत बहुत खुलकर और बेबाकी से हुई। हमारी बातचीत में इस संघर्ष से जुड़े कुछ खास पहलू भी सामने आए। इनमें सबसे अहम है वाणिज्यिक जहाजों पर हमले। भारतीय नाविक कई देशों के झंडे वाले जहाजों पर काम करते हैं और दुर्भाग्य से वे भी इन हमलों का निशाना बने हैं। जयशंकर ने सिबिहा को अंतर-सरकारी आयोग की अगली बैठक के लिए अपने सुविधानुसार भारत आने का निमंत्रण दिया। भारत को एक वैश्विक शक्ति बताते हुए कहा कि उनका देश प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की उस अपील का स्वागत करता है, जिसमें उन्होंने अंतहीन युद्ध समाप्त करने की दिशा में आगे बढ़ने की अपील की है। मॉस्को और कीव के मध्य बढ़ते तनाव के बीच द्विपक्षीय बातचीत के लिए यूक्रेन पहुंचे विदेश मंत्री एस. जयशंकर से मुलाकात के दौरान सिबिहा ने एक्स पर पोस्ट किया, यूक्रेन कूटनीति के लिए तैयार है। भारत एक वैश्विक शक्ति है और हम प्रधानमंत्री मोदी की उस अपील का स्वागत करते हैं जिसमें उन्होंने अंतहीन युद्ध को समाप्त करने की ओर बढ़ने की बात कही है। भारत बातचीत और कूटनीति के जरिए रूस-यूक्रेन संघर्ष को खत्म करने की अपील करता रहा है। जयशंकर का कीव दौरा ऐसे समय में हो रहा है जब इस हफ्ते यूक्रेन की राजधानी में हुए रूसी हमले में एक भारतीय की मौत हो जाने को लेकर नयी दिल्ली ने चिंता जताई है। यूक्रेन में किसी भारतीय विदेश मंत्री की पहली समर्पित द्विपक्षीय यात्रा के लिए जयशंकर का कीव में स्वागत किया। यह ऐतिहासिक पल ऐसे समय में आया है जब हमारे शहरों, बंदरगाह के बुनियादी ढांचे और नागरिक जहाजों पर रूस के हमले बढ़ रहे हैं। हमारी राजधानी पर लगातार हमले हो रहे हैं।

मतदाता सूची में मेरे नाम के आगे स्थानांतरित लिखा गया

चंडीगढ़। पंजाब से राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा ने बृहस्पतिवार को कहा कि मसौदा मतदाता सूची में उनके नाम के आगे स्थानांतरित लिखा गया है जबकि उनका मतदाता पहचान पत्र मोहाली में पंजीकृत है। उन्होंने आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार राजनीतिक बदले की भावना से चुनावी तंत्र का इस्तेमाल कर रही है। आप ने इसका पूरा दोष पंजाब सरकार पर मढ़ने का आरोप लगाया। ऐसा कोई कदम न तो उठाया गया था और न ही उठाया जा रहा है।

बिरला ने एनसीपीआई सांसदों को जवाब के लिए 22 सितंबर तक का समय दिया

नयी दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने दलबदल विरोधी कानून के तहत अयोग्य ठहराए जाने की मांग को लेकर तृणमूल कांग्रेस की ओर से दायर याचिकाओं के संबंध में नेशनलिस्ट सिटिजन्स पार्टी ऑफ इंडिया (एनसीपीआई) में शामिल होने वाले 20 सांसदों को जवाब देने के लिए 22 सितंबर तक का समय दिया है। संसद के सूत्रों ने बताया कि एनसीपीआई सांसदों द्वारा 26 अगस्त को जारी अध्यक्ष के नोटिस का जवाब देने के लिए अतिरिक्त समय मांगे जाने के बाद यह मोहलत दी गई। नोटिस में सांसदों से सात दिन के भीतर जवाब मांगा गया था। बिरला ने तृणमूल नेता अभिषेक बनर्जी द्वारा इन सांसदों को अयोग्य ठहराने की मांग वाली याचिकाएं दायर किए जाने के बाद नोटिस जारी किए थे। इन 20 सांसदों पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव

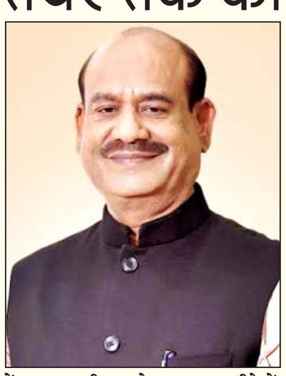

में तृणमूल की हार के बाद जून महीने में ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली पार्टी छोड़कर एनसीपीआई में शामिल होने की घोषणा की थी। बिरला ने उच्चतम न्यायालय द्वारा 25 अगस्त को अभिषेक बनर्जी की उस याचिका पर सुनवाई के लिए सहमति जताने के बाद नोटिस जारी किए थे, जिसमें बागी सांसदों को अयोग्य ठहराने की याचिकाओं पर अध्यक्ष से जल्द फैसला लेने का अनुरोध किया गया था। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची तथा न्यायमूर्ति वी. मोहन की पीठ ने बनर्जी की याचिका पर 20 सांसदों को नोटिस जारी किया था और अध्यक्ष के समक्ष चल रही अयोग्यता की कार्यवाही पर शीघ्रता से कार्रवाई करने का निर्देश दिया था। अभिषेक बनर्जी ने जून महीने में लोकसभा अध्यक्ष के समक्ष अलग-अलग याचिकाएं दायर कर तृणमूल छोड़कर एनसीपीआई के साथ जाने वाले सांसदों को अयोग्य ठहराने की मांग की थी। इसके बाद अध्यक्ष के नोटिस में सांसदों से सात दिन के भीतर अपना जवाब देने को कहा गया था। सूत्रों ने बताया कि अतिरिक्त समय मिलने से बागी गुट को कुछ राहत मिली है और वह अयोग्य ठहराने की कार्यवाही के कानूनी एवं राजनीतिक प्रभावों पर विचार कर रहा है।

शुद्धीकरण और छुआछूत की घटना की प्राथमिकी दर्ज होनी चाहिए : खरगे

नयी दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने उत्तराखंड के हल्द्वानी में उनकी रैली के बाद सभास्थल का कथित तौर पर शुद्धीकरण किए जाने को छुआछूत की घटना करार देते हुए बृहस्पतिवार को केंद्रीय मंत्री जे.पी. नड्डा को पत्र लिखकर आग्रह किया कि वह इस मामले में प्राथमिकी दर्ज करने के लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को निर्देश दें। उन्होंने यह भी कहा कि इस प्रकरण को लेकर राज्यसभा के सभापति सी.पी. राधाकृष्णन से भी किया जाएगा। खरगे ने इस मामले में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह की चुप्पी को लेकर भी सवाल खड़े किए। उन्होंने राज्यसभा में सदन के नेता नड्डा को लिखे पत्र में इस बात पर हैरानी जताई कि शुद्धीकरण की घटना के 24 दिन बाद भी कोई कार्वाई नहीं हुई है और उलटा राहुल गांधी के खिलाफ मामला दर्ज कर दिया गया, जबकि वह निरंतर दलितों की आवाज उठा रहे हैं। खरगे ने राज्यसभा में दिए गए नड्डा के आश्वासन का हवाला देते हुए कहा कि वह उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को निर्देश देकर प्राथमिकी दर्ज कराने की कार्रवाई सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि 13 अगस्त को राज्यसभा में मामला उठाए जाने पर नड्डा ने जांच कराने और दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया था। खरगे का कहना है कि कांग्रेस इस मामले को राज्यसभा के सभापति सी. पी. राधाकृष्णन के समक्ष भी उठाएगी। उनका कहना था, 13 अगस्त, 2026 को राज्यसभा में मैंने हल्द्वानी प्रकरण पर अपनी बात रखी थी। इस पर जेपी नड्डा जी ने कहा था कि इसकी तहकीकात होगी और जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ सख्त कार्वाई की जाएगी। सभापति ने भी इस घटना की निंदा करते हुए कहा था कि ऐसे विषयों को गंभीरता से लिया जाना चाहिए। हल्द्वानी के रामलीला मैदान में बीते आठ अगस्त को खरगे की सभा के बाद कुछ लोगों द्वारा कथित तौर पर सभास्थल का शुद्धीकरण किए जाने का मामला सामने आया था।

Viraj
आर.एन.आई.नं.-यू.पी.-हिन/2006/18901 विराज प्रकाशन प्रा.लि. हेतु मुद्रक एवं प्रकाशक आर.के. अग्रवाल द्वारा एक्सप्रेस हाऊस, 1/5, विशाल खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ से मुद्रित एवं प्रकाशित। **कार्यकारी सम्पादक : मनोज कुमार बाजपेयी** (पी.आर.बी.एक्ट के तहत समाचारों के चयन हेतु उत्तरदायी) समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन। फोन कार्यालय : 0522-4059441, 4059442, 4059443 : ई-मेल : voiceoflucknow@gmail.com